{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 19 जनवरी 2026
माघ शुक्ल 01 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 118
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

शिक्षक भर्ती परीक्षा लेवल-2 में हाथ में बंधे धागे को लेकर बहस

जयपुर। शिक्षक भर्ती परीक्षा लेवल-2 की परीक्षा रविवार को भी हुई। सुबह 10 से 12.30 बजे तक होने वाली परीक्षा के लिए एंट्री 9 बजे बंद कर दी थी। प्रदेश के 14 जिलों में 760 सेंटर्स पर कड़ी सुरक्षा के बाद ही उम्मीदवार को प्रवेश दिया गया। सुबह एंट्री के दौरान जोधपुर के एक सेंटर पर हाथ में बंधे लाल धागे को खोलने की बात पद उम्मीदवार और कर्मचारियों में तीखी बहस हो गई। वहीं, कोटा में ड्रेस कोड को लेकर भी कंफ्यूजन दिखा। तीन दिन तक दो परियों में होने वाले इस परीक्षा के लिए 7 लाख से ज्यादा उम्मीदवार शामिल हो रहे हैं। इससे पहले शनिवार को होने वाली लेवल-1 की परीक्षा में 2.41 लाख कैंडिडेट रजिस्टर्ड थे। दोनों लेवल में कुल 7759 वैकेंसी हैं।

वंदे भारत 4.0 ट्रेनें 350 किमी की स्पीड से दौड़ेंगी

नई दिल्ली। वंदे भारत 4.0 ट्रेनें 350 किमी की रफ्तार से दौड़ने को तैयार हैं, जो भारत को दुनिया के सबसे तेज रेल प्रणालियों वाले देशों की श्रेणी में खड़ा कर देगी। रेल मंत्रालय के मुताबिक यह विकास भारत की अगली पीढ़ी की हाई स्पीड रेल यात्रा के प्रति बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसे विशेष रूप से डेडीकेटेड हाई-स्पीड कॉरिडोर के लिए डिजाइन किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी 2019 में पहली सेमी-हाई स्पीड ट्रेनसेट की शुरुआत हुई थी। सितंबर 2022 में सुरक्षा फीचर्स बढ़ाया। इसके बाद 2025 में ऊर्जा दक्षता और यात्री सुविधाओं में सुधार की गई। 2026 में इसका स्लीपर वेरिएंट लॉन्च किया जाएगा। यह लंबी दूरी की ट्रेन होगी, जो कि रात में भी चलेगी। 2027 में इसका चौथा वर्जन लॉन्च किया जाएगा, जिसकी अधिकतम स्पीड 350 किमी प्रति घंटा होगी।

अलीगढ़ स्टेशन पर बम की सूचना से हड़कंप, दिल्ली-पटना राजधानी एक्सप्रेस की हुई जांच पड़ताल

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर बीती रात उस वक्त भारी अफरा-तफरी मच गई जब देश की प्रीमियम ट्रेनों में शुमार दिल्ली-पटना राजधानी एक्सप्रेस (तेजस रेक) को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इस सनसनीखेज सूचना के बाद सुरक्षा एजेंसियां तत्काल हाई अलर्ट पर आ गईं और करीब 31 मिनट तक पूरा रेलवे स्टेशन परिसर और जिला प्रशासन गहरे तनाव और दहशत के साये में रहा। घटना की शुरुआत तब हुई जब पुलिस कंट्रोल रूम को एक गुमनाम फोन आया, जिसमें कॉल करने वाले ने बेहद गंभीर दावा किया कि दिल्ली से पटना की ओर जा रही राजधानी तेजस एक्सप्रेस में विस्फोटक रखा गया है।

हुगली पहुंचे पीएम मोदी ने ममता सरकार पर किया जबरदस्त हमला, कहा-

बंगाल की जनता से दुश्मनी निकाल रही टीएमसी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में पहुंचे और सिंगूर में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने दो जनसभाओं को संबोधित करते हुए टीएमसी सरकार पर तीखा प्रहार किया और केंद्र की योजनाओं को बंगाल तक पहुँचने से रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने टीएमसी पर बंगाल की जनता से दुश्मनी निकालने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए।

यहां प्रधानमंत्री पीएम मोदी ने कहा, टीएमसी बंगाल के लोगों से दुश्मनी निकाल रही है। केंद्र सरकार की योजनाएं यहां के लोगों तक पहुंचने ही नहीं देती। टीएमसी तो नौजवानों, किसानों, माताओं-बहनों से दुश्मनी ठाने हुए है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका प्रयास है कि बंगाल के हर वर्ग की सेवा की जाए, लेकिन राज्य सरकार इसे रोक रही है।

जमीन बचाने के लिए क्या किया...

- बारिश की कमी वाले कच्छ के रण में घास लगाकर जमीन को मरूस्थली बनने से रोका
- लैंड रिस्टोरेशन के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस तैयार किया, सहयोगी देशों की मदद की
- 2030 तक 26 लाख हेक्टेयर जमीन को हराभरा बनाने का लक्ष्य तय किया है

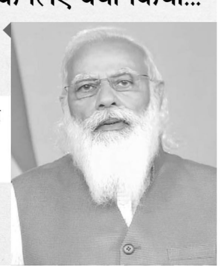

विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

प्रधानमंत्री मोदी ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन और बंगाल के लिए नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का लोकार्पण किया। उन्होंने बालागढ़ में बनने वाले एक्सटेंडेड पोर्ट गेट सिस्टम और श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर किए गए निवेश का जिक्र करते हुए कहा कि ये परियोजनाएं हुगली और आसपास के इलाकों के लिए नए अवसर खोलेंगी।

सिंगूर में हुई दूसरी जनसभा

पीएम मोदी ने कहा कि हुगली में करीब 830 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वंदे मातरम् को न केवल आजादी का उद्घोष बल्कि विकसित भारत का मंत्र भी बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश के हर किसान, पशुपालक और मछुआरे को वैश्विक बाजार में अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने टीएमसी के 15 साल के शासन को जंगलराज करार देते हुए कहा कि बीजेपी एनडीए ने बिहार में इसे रोका और अब बंगाल में भी बदलाव लाने के लिए तैयार है।

मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी बताया कि बंगाल में मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा दिया जा रहा है। बंदरगाह, हाइवे, हवाई अड्डों और नदी जलमार्गों को आपस में जोड़कर व्यापार और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं।

बहरहाल पीएम मोदी का हुगली दौरा विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के लिए था, लेकिन उनका मुख्य राजनीतिक संदेश टीएमसी पर केंद्रित रहा। उन्होंने राज्य सरकार पर जनता से दूरी बनाने और केंद्र की योजनाओं को रोकने का आरोप लगाया, साथ ही बीजेपी की विकास और किसान-केंद्रित नीतियों को रेखांकित करते हुए विकास कार्यों का भी उल्लेख किया।

संगम तट पर जाने से शंकराचार्य को पुलिस ने रोका, समर्थकों को दिया धक्का

प्रयागराज। प्रयागराज में मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के काफिले को पुलिस ने संगम तट पर जाने से रोक दिया, जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई है। पुलिस प्रशासन के मुताबिक मौनी अमावस्या के मद्देनजर मेला क्षेत्र को नो-व्हीकल जोन घोषित किया गया है, जिसके कारण किसी भी बड़े काफिले या वाहन को आगे जाने की इजाजत नहीं है।

जानकारी के मुताबिक शंकराचार्य को संगम तट जाने से रोक दिया गया। जब पुलिस ने काफिले को रोका तो शंकराचार्य के समर्थकों और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी बहस हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि पुलिस और शंकराचार्य के शिष्यों के बीच धक्का-मुक्की होने लगी। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए समर्थकों को धक्का दे दिया, जिससे संतों में भारी रोष है। देखते ही देखते बवाल इतना बढ़ गया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने स्नान करने से ही इनकार कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संगम में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के काफिले के मामले में गहमा-गहमी जारी है। मेला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत मीडिया कर्मियों को हटा दिया है। अधिकारियों ने बताया कि शंकराचार्य ने पैदल जाने का अनुरोध किया था, लेकिन काफिले के अनुयायी दर्शन के लिए टूट पड़ते हैं, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने कहा कि इजाजत के बिना रथ से जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। प्रशासन ने यह भी कहा कि काफिले को पैदल चलाने में किसी भी तरह से अनुचित व्यवहार या सुरक्षा में चूक नहीं होने दी जाएगी।

जब तक धर्म से चलता रहेगा भारत, 'विश्वगुरु' बना रहेगा - भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि जब तक भारत का मार्गदर्शन धर्म करता रहेगा, तब तक देश 'विश्वगुरु' बना रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत के पास ऐसा आध्यात्मिक ज्ञान है, जो दुनिया के अन्य हिस्सों में देखने को नहीं मिलता। यह ज्ञान हमारे पूर्वजों की अमूल्य विरासत है और साधु-संतों के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ता रहा है।

एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे मोहन भागवत ने कहा, कि धर्म केवल पूजा-पाठ या किसी संप्रदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि वह पूरे ब्रह्मांड को चलाने वाला मूल सिद्धांत है। उन्होंने कहा, धर्म ही पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि की उत्पत्ति हुई, तब जो नियम उसकी कार्यप्रणाली को नियंत्रित करते थे, वही धर्म बने। सब कुछ उन्हीं सिद्धांतों पर चलता है।

आरएसएस प्रमुख ने उदाहरण देते हुए कहा, कि जैसे पानी का धर्म बहना है और आग का धर्म जलाना है, वैसे ही हर व्यक्ति, समाज और व्यवस्था का अपना-अपना धर्म यानी कर्तव्य और अनुशासन होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि धर्म का अर्थ संकीर्ण धार्मिकता नहीं, बल्कि नैतिक कर्तव्य और सही आचरण से है। उनके अनुसार, राज्य धर्मनिरपेक्ष हो सकता है, लेकिन कोई भी मानव या कोई भी सृष्टि धर्म रहित नहीं हो सकती। भागवत ने कहा कि भारत को अपने पूर्वजों से जो आध्यात्मिक धरोहर मिली है, वह दुनिया में अद्वितीय है। यही कारण है कि भारत हमेशा से मानवता को दिशा देने वाला देश रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी दुनिया के पास भौतिक ज्ञान तो है, लेकिन आध्यात्मिकता की कमी है, जबकि भारत का मार्ग आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित है। यही भारत को विश्वगुरु बनाता है।

भारत-अमेरिकी साझेदारी लगातार आगे बढ़ रही- सर्जियो

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने मुंबई दौरे के दौरान सीएम फडणवीस समेत कई दिग्गजों से की मुलाकात

नई दिल्ली। अमेरिका में भारत के राजदूत सर्जियो गोर ने अपने पहले मुंबई दौरे का सफलतापूर्वक समापन किया। इस दौरान उन्होंने राजनीति, उद्योग, बैंकिंग और व्यापार जगत की कई प्रमुख हस्तियों से मुलाकात कर भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। गोर ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भारतीय रिजर्व बैंक (आइबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन से महत्वपूर्ण बैठकें कीं।

मुंबई दौरा पूरा होने के बाद अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने लिखा, मुंबई का बहुत सफल दौरा समाप्त हुआ। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा, रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी, टाटा के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन, भारत के फार्मा सेक्टर के वरिष्ठ अधिकारी और धार्मिक नेताओं के साथ शानदार बैठकें रहीं। व्यापार, तकनीक, शिक्षा, ऊर्जा और मजबूत सप्लाई चेन के क्षेत्रों में हम मजबूत गति बना रहे हैं, क्योंकि अमेरिका-भारत साझेदारी लगातार आगे बढ़ रही है।

गौरतलब है कि सर्जियो गोर ने अपने मुंबई दौरे की शुरुआत अमेरिकी वाणिज्य दूतावास से की थी। इस अवसर पर उन्होंने कहा था, कि मुंबई में अपने पहले दौरे की शुरुआत दूतावास से करना उनके लिए उत्साहजनक है और यहां की टीम अमेरिका-भारत साझेदारी को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ हुई बैठक को दोनों देशों के लिए अहम माना जा रहा है। इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए गोर ने लिखा कि सीएम फडणवीस के साथ उनकी बैठक बेहद सकारात्मक रही। इसमें व्यापार और निवेश, एंटरटेनमेंट, तकनीक, मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा और स्वास्थ्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अमेरिका और महाराष्ट्र के बीच रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष मिलकर कई बड़े अवसरों पर काम कर सकते हैं।

वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इस बैठक को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का मुंबई में अपने आधिकारिक आवास पर स्वागत कर उन्हें खुशी हुई। बैठक में महाराष्ट्र और अमेरिका के बीच सहयोग को और गहरा करने पर सार्थक चर्चा हुई। फडणवीस ने बताया कि महाराष्ट्र में अमेरिकी निवेश बढ़ाने और महाराष्ट्र की कंपनियों की अमेरिका में मौजूदगी मजबूत करने जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया।

2026 गणतंत्र दिवस परेड में दिखेगी नई परंपरा, नदियों के नाम पर होंगी दर्शक दीर्घाएं

नई दिल्ली। 2026 की गणतंत्र दिवस परेड में एक नई परंपरा देखने को मिलेगी, इसमें दर्शकों के बैठने की जगहों को थीम के हिसाब से बदला गया है। परेड के रास्ते में बनी बैठने की जगहों को पहली बार नंबरों से नहीं पहचाना जाएगा। बल्कि लोगों के बैठने की जगह का नाम देश की प्रमुख नदियों के नाम पर होगा। इन दीर्घाओं का नाम यमुना, ब्यास, ब्रह्मपुत्र, गंगा, तीस्ता, चंबल, सतलुज, सोन, चिनाब, सोन, रावी, वैगई, पेरियार, गंडक, पेन्नार, नर्मदा, घाघरा, गोदावरी, कृष्णा, महानदी, सिंधु, कोसी, झेलम और कावेरी जैसी नदियों के नाम पर रखा गया है। यह वे नदियां हैं, जो देश के कई क्षेत्रों और राज्यों से होकर गुजरती हैं और लोकल आबादी के लिए जीवनरेखा का काम करती हैं। सदियों से इन नदियों ने देश की सभ्यता, अर्थव्यवस्था और संस्कृति को भी आकार दिया है। इस गणतंत्र दिवस पर ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाने वाले लड़ाकू विमान भी कर्तव्य पथ पर दिखाई देने वाले है। मुख्य आकर्षणों में से एक स्पेशल सिंदूर फॉर्मेशन होगा जो ऑपरेशन की सफलता और संकल्प का प्रतीक होगा। राफेल, सुखोई, जगुआर और मिग-29 लड़ाकू विमानों सहित एक दर्जन से ज्यादा लड़ाकू विमान कर्तव्य पथ के ऊपर फॉर्मेशन में उड़ान भरने वाले है।

पाक ने रची नापाक साजिश, इस्लामिक स्टेट के नाम से कश्मीर में कराना चाहता है हमले

नई दिल्ली। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने के लिए साजिश रची है। खुफिया एजेंसियों ने गणतंत्र दिवस से पहले एक रिपोर्ट के जरिए इसकी बात कही है। आईएसआई ने आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को निर्देश दिया है कि वह अपने फिदायीन दस्ते को इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रॉविंस के नाम के साथ जोड़कर घाटी में हमले करे। इस हाइब्रिड मॉड्यूल का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को बेकसूर साबित करना और भारत के खिलाफ प्लॉसिबल डिनाइबिलिटी बनाए रखना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस पूरे ऑपरेशन की निगरानी पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य और खुफिया अधिकारी कर रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल अहमद अहसान नवाज भी इसमें शामिल हैं जो पाकिस्तान सेना के एक्स कोर के प्रमुख हैं। ब्रिगेडियर फाईक अयूब आईएसआई का पीओके सेक्टर कमांडर है। रिपोर्ट के मुताबिक इन अधिकारियों ने लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद को अपनी रणनीति बदलने और यह तय करने का निर्देश दिया है कि किसी भी हमले में पाकिस्तान की सीधी भागीदारी के सबूत न मिलें।

खुफिया सूत्रों के मुताबिक 12 सदस्यीय यह फिदायीन दस्ता कश्मीर के तीन प्रमुख जिलों में सक्रिय हो चुका है। उनमें बडगाम, किश्तवाड़ और श्रीनगर शामिल हैं, जो कि भौगोलिक और रणनीति रूप से अहम हैं। लश्कर का वरिष्ठ कमांडर अबू हुरैरा फिदायीन दस्ते का नेतृत्व कर रहा है। यह 2021 से सक्रिय है। मोहम्मद उमर खरगोश डिप्टी कमांडर है और हुरैरा का मुख्य सहयोगी भी है। अबू दुजाना का भी इसमें शामिल है, जिसने हाल ही में घुसपैठ की है।

आप विधायक सुक्खी ने दिया इस्तीफा, पंजाब की मान सरकार को लगा झटका

चंडीगढ़। मुक्तसर माघी मेले में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा था कि जो गुरु ग्रंथ साहिब जी के लापता पावन स्वरूपों का मामला चल रहा है उसमें से कुछ स्वरूप बंगा के पास गांव माजारा नौ आबाद में धार्मिक अस्थान रसोखाना श्री नाभ कंवल राजा साहिब से मिले हैं। इस बयान के बाद उक्त धार्मिक अस्थान से जुड़ी संगत ने नाराजगी जताई और मान सरकार की कड़ी आलोचना की थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उसी दिन देर शाम इस इलाके के विधायक डॉ. सुखविंदर सुक्खी, जो अकाली दल बादल की टिकट से जीतकर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए थे और उन्हें कैबिनेट रैंक दिया था। इसके साथ ही विभाग का चेयरमैन कन्वीनर लगाया गया था। उन्होंने उसी दिन देर रात श्री राजा साहिब अस्थान पर जाकर इस बयान की निंदा की थी और इसे अपनी आस्था का केंद्र बताया था। इस मामले से अस्थान से श्रद्धा से जुड़ी संगत में आप सरकार के प्रति काफी रोष पैदा हुआ है। वहीं रविवार को फिर विधायक डॉ. सुखविंदर सुक्खी ने अस्थान पर जाकर अपना रोष जताते हुए चेयरमैन पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया और कहा कि इस मामले में उन्हें बहुत ठेस पहुंची है। उन्होंने सीधे शब्दों में आप सरकार के इस कदम से माहौल खराब होने के बारे में खुलासा करते हुए कहा कि वह कुछ लोग गलत प्रोपेगैंडा फैला रहे हैं, जिससे वे दुखी हैं।

कुछ ना कहना

प्रतिवर्ष हो रहीं 10 लाख मौतें

वर्ल्ड बैंक रिपोर्ट पर कांग्रेस हुई हमलावर, मोदी सरकार से पूछे सवाल : वायु प्रदूषण पर आधारित है रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश में बढ़ते प्रदूषण को लेकर वर्ल्ड बैंक की हालिया रिपोर्ट के बाद सियासत तेज हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में वायु प्रदूषण के कारण हर साल करीब 10 लाख लोगों की समय से पहले मौत हो रही है। साथ ही इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर कहा, कि आखिर मोदी सरकार कब तक सच्चाई से मुंह मोड़ती रहेगी। उन्होंने बताया कि वर्ल्ड बैंक की यह रिपोर्ट 'ए ब्रीथ ऑफ चेंज' शीर्षक से जारी की गई है, जो इंडो-गैंगेटिक मैदानों और हिमालय की तलहटी में वायु प्रदूषण की स्थिति पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस क्षेत्र में हर साल लगभग 10 लाख लोगों की समय से पहले मौत हो रही है और क्षेत्रीय जीडीपी का करीब 10 प्रतिशत आर्थिक नुकसान हो रहा है।

जयराम रमेश ने कहा कि यह रिपोर्ट व्यापक, तथ्यात्मक और सबूतों पर आधारित है। इसमें कोयला आधारित पावर प्लांट्स के उत्सर्जन मानदंडों को सख्ती से लागू करने और सबसे पुरानी व प्रदूषणकारी इकाइयों को तेजी से बंद करने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा रिपोर्ट में शहर-केंद्रित योजनाओं से आगे बढ़कर कानूनी रूप से सशक्त एयरशेड-आधारित गवर्नेंस अपनाने पर जोर दिया गया है।

कांग्रेस नेता ने यह भी बताया कि रिपोर्ट में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के विस्तार और इलेक्ट्रिफिकेशन, वाहन उत्सर्जन मानकों को सख्त करने और ईंधन गुणवत्ता में सुधार की जरूरत पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में एक्यूआई से जुड़ा स्वास्थ्य संकट लगातार गहराता जा रहा है। ऐसे में कांग्रेस लगातार मांग कर रही है कि वायु प्रदूषण (नियंत्रण और रोकथाम) अधिनियम, 1981 और नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स (नाक्स), 2009 की समीक्षा की जाए, खासकर पीएम 2.5 पर फोकस के साथ।

इसके साथ ही कांग्रेस ने नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) के बजट और भौगोलिक दायरे को बड़े स्तर पर बढ़ाने, प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए पीएम 2.5 को मानक बनाने और बिना किसी छूट या ढील के वायु प्रदूषण से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग की है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधान न्यायाधीश से की संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करने की अपील

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने न्यायपालिका के शीर्ष नेतृत्व से देश के संविधान, लोकतंत्र और न्यायिक शुचिता को अक्षुण्ण बनाए रखने का भावुक आग्रह किया है। कलकत्ता उच्च न्यायालय की जलपाईगुड़ी सर्किट बेंच के नए भवन के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित एक गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत को संबोधित करते हुए देश की वर्तमान परिस्थितियों पर अपनी चिंताएं साझा कीं। उन्होंने न्यायमूर्ति सूर्यकांत से आह्वान किया कि वे देश के आम नागरिकों को विभिन्न केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा कथित तौर पर गलत तरीके से निशाना बनाए जाने की कार्रवाई से संरक्षण प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट रूप से कहा कि न्यायपालिका ही लोकतंत्र का अंतिम स्तंभ है, इसलिए देश के संविधान, इतिहास, भूगोल और लोकतांत्रिक मूल्यों को विनाश से बचाना अनिवार्य है।

ममता बनर्जी ने प्रधान न्यायाधीश को संविधान का वास्तविक संरक्षक बताते हुए कहा कि देश की जनता न्यायपालिका के कानूनी संरक्षण में सुरक्षित महसूस करती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समाज में जाति या धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए और सभी को एकता के सूत्र में बंधकर देश की प्रगति के लिए सोचना और कार्य करना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने एक अन्य महत्वपूर्ण विषय मीडिया ट्रायल पर भी अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई।

गोंगलई में पेड़ काटते समय विशालकाय पेड़ ग्रामीण पर गिरा, मौके पर हुई दर्दनाक मौत

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

ग्रामीण थाना क्षेत्र नवेगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम गोंगलई में रविवार की सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया।जब स्वयं के खेत में पेड़ की कटाई करने, अपने भाई व अन्य लोगों के साथ गए एक व्यक्ति के ऊपर विशालकाय पेड़ गिर गया। जहां पेड़ में दबने से उस व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।मृतक का नाम ग्राम पंचायत गोंगलई निवासी 49 वर्षीय सुरज पिता कोठूलाल देवारे बताया गया है।मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर मृतक के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुँचाया।जहा शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

पेड़ पर चढ़कर छटाई कर रहा था सूरज, पेड़ सहित गिरने से मौत

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरज के परिवार में उसकी पत्नी के अलावा तीन पुत्र व एक पुत्री है। सुरज अपने बड़े बेटे के साथ मिलकर परिवार का भरण पोषण किया करता था।रविवार की सुबह सूरज अपने भाई जियालाल, ग्रामीण कमलेश लिल्हारे और श्री उपवंशी के साथ अपने खेत में पेड़ कटाई छटाई के लिए पहुंचे थे। सुरज भी एक पेड़ की कटाई कर रहा था। इस दौरान एक कटा हुआ पेड़ अचानक खेत के दूसरी तरफ न गिरते हुए झाडियों से फंसकर सुरज के उपर ही तेजी आकर धराशायी हो गया। इस हादसे में सुरज को सिर और गले में गंभीर चोट व घाव लगने से मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। बताया गया कि सुरज के पेड़ के नीचे ही दबा रह गया। मौके पर चीख पुकार सुनकर आस पास के ग्रामीणों का मौके पर हुजूम लग गया। सभी की मदद से पेड़ के नीचे दबे सुरज को किसी तरह निकाला गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पीएम के बाद सौंपा गया शव

उधर मामले की सूचना मिलने पर नवेगांव ग्रामीण थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की। मृतक के शव को जिला अस्पताल पहुंचाकर पोस्टमार्टम करवाया गया। इसके बाद परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर मामले विवेचना की जा रही है।

पेंड में दबने से हुई मौत

मृतक के बड़े भाई जियालाल देवारे, और ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधी मुकेश पटले ने बताया कि कटे पेड़ में दबने से सूरज की मौत हो गई। पेड़ हटाकर देखे सुरज की सांस नही चल रही थी।उन्होंने घटना को दुखद और स्पब्ध करने वाली बताया।

लोहार समाज ने मनाई महारानी दिद्दा बाई की जयंती

पद्मेश न्यूज। कटंगी। कटंगी शहर के अर्जुननाला में रेलवे ओवरब्रिज के पास महारानी दिद्दा बाई की जयंती समारोह का आयोजन किया गया। लोहार समाज ने महारानी दिद्दा बाई की जयंती को बेहद धूमधाम और उत्साह के मनाया। श्री विश्वकर्मा आदर्श लोहार विकास मंच ब्लॉक कटंगी के तत्वाधान में शनिवार 17 जनवरी की दोपहर 1 बजे छतेरा रोड़ स्थित भगवान विश्वकर्मा जी के मंदिर में पूजा अर्चना के बाद महारानी दिद्दा बाई की जीवंत झांकी के साथ शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें लोहार समाज के सभी वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्ग बस स्टेण्ड, सिनेमा चौक से होकर अर्जुननाला कार्यक्रम स्थल पर पहुंची जहां यात्रा कार्यक्रम में तब्दील हुई। दोपहर 03 बजे मंचीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जहां स्वजातीय जनों ने मंच से अपने विचार रखें। वक्ताओं ने समाज की युवा पीढ़ी को संबोधित करते हुए महारानी दिद्दा बाई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह लोहार वंश के राजा सिंहराज की पुत्री और कश्मीर की अद्वितीय और शक्तिशाली शासिका थी। विकलांग होने के बावजूद अपने दम पर शासन किया और महमूद गजनवी के आक्रमणों को रोका, पुरुष-प्रधान समाज के नियमों को तोड़ा, और अपनी बुद्धिमत्ता से राज्य पर लंबे समय तक नियंत्रण बनाए रखा। वह समाज की महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत्र है। जयंती समारोह में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती केसर बिसेन बतौर मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुई। अध्यक्षता कोमल प्रसाद बावने ब्लॉक अध्यक्ष ने की। दिमागचंद टेम्भरे, अशोक

वानेकर, माणिकचंद शेण्डे, किशोर रामटेके, जुगराम विश्वकर्मा, रामकृष्ण बागड़े, रविन्द्र कोसरे, नारायण विश्वकर्मा, श्याम किशोर विश्वकर्मा, आकाश सोनवाने, नितेश सोनवाने, पवन सोनवाने, नरेन्द्र विश्वकर्मा, संतोष बावने, महेन्द्र मेश्राम, महानंद विश्वकर्मा, मनोहर विश्वकर्मा, जयप्रकाश कोसरे, बलिराम कोसरे, महिपाल शेण्डे, राजेंद्र सोनवाने, मुकेश बागडे, रामदास विश्वकर्मा बतौर अतिथि के रुप में शामिल हुए। इन अतिथियों ने समाज की दशा और दिशा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज को आर्थिक और शैक्षिक स्थिति को सुधारने पर जोर दिया।

सूर्यदेव की आराधना कर हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

गहोई दिवस पर शोभायात्रा का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के श्रीराम मंदिर में गहोई समाज के तत्वाधान में हर्षोल्लास के साथ गहोई दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम समाज के वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में प्रारंभ

किया गया। जिसमें विधि विधान के साथ भगवान सूर्य देव की आराधना कर उपासना की गई तत्पश्चात रैली निकालकर नगर भ्रमण किया गया। यह रैली नगर के श्रीराम मंदिर से निकाली गई जो नगर के गोलीबारी चौक, आंबेडकर चौक ,नेहरू चौक, कटंगी रोड़ ,सब्जी बाजार सहित अन्य चौक चौराहा का भ्रमण करते हुए वापस श्री राम मंदिर पहुंची। जहां रैली का समापन कर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस रैली में भगवान राम ,भगवान लक्ष्मण, माता सीता, भगवान हनुमान ,भगवान राधा कृष्ण की जीवंत झांकी आकर्षण का केंद्र रही। इस दौरान मार्ग में रैली को देखने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। वीरेंद्र सोहाने ने बताया कि गहोई दिवस का आयोजन समाज के द्वारा किया गया है। यह उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ ,महाराष्ट्र में अधिक मनाया जाता है जो समाज का एक प्रमुख पर्व होता है। इस दौरान सूर्य देवता की उपासना कर रैली निकालकर नगर भ्रमण किया गया है। यह त्यौहार मकर संक्रांति के बाद पढ़ने वाले पहले रविवार को मनाया जाता है। गहोई दिवस पर सुबह सूर्यदेव की पूजा अर्चना करने के बाद शाम में यह शोभायात्रा निकाली गई है इसका समापन श्री राम मंदिर में होगा। जहां मंदिर में विशेष पूजा आरती कर समाज के मेधावी छात्र छात्राएं जिन्होंने कक्षा १० वीं और कक्षा १२ वीं में अच्छे अंक अर्जित किए है। वहीं समाज के ऐसे व्यक्ति जो विशेष दक्षता प्राप्त किया हैं उन्हें सम्मानित करने के उपरांत सामाजिक भोज का भी आयोजन है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

धपेरा क्रिकेट टूर्नामेंट मे खेलने उतरेगी कई जिलों की क्रिकेट टीम

युवाओं का भविष्य संवारने शिक्षा के साथ टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। छू लो आसमान किसने रोका है संस्था द्वारा कई गांव मे विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जा रहा है।जिसके तहत जिला मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर मोहगांव धपेरा ग्राम के पट मैदान मे टेनिस बॉल क्रिकेट टीम का शुभारम्भ रविवार 18 जनवरी को किया गया है जिसमे 32 क्रिकेट टीम के द्वारा मैच खेला जायेगा।जिसका फाइनल मैच 1 फरवरी को किया जाना है जिसमे फाइनल विजेता टीम को 51 हजार रूपये,उपविजेता टीम को द्वितीय इनाम 25 हजार रूपये ट्रॉफी दिया जायेगा,यहा क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारम्भ अंकित लिल्हारे, दीपक बीरन वार, हरीश लिल्हारे,सरपंच प्रतिनिधि साधुलाल खवास,देवेंद्र उर्फ गुड्डू नगपुरे लक्ष्मी पिछोड़े सहित अन्य अतिथियो के द्वारा पूजा अर्चना करके किया गया।टूर्नामेंटमेन्ट के पहले दिन दो क्रिकेट मैच खेले गए जिसमे पहला मैच बालाघाट गड्डा इलेवन बैहर चौकी और धपेरा साई इलेवन क्रिकेट टीम के बीच खेला गया जिसमे धपेरा साईं इलेवन ने 103 रनो का लक्ष्य हासिल कर मैच जीत लिया। वही दूसरा मैच चन्दपुरी इलेवन और सूर्या इलेवन सुरजा टोला टीम के बीच खेला गया क्रिकेट टूर्नामेंट मे मैच के दौरान ग्रामीण

दर्शकों मे उत्साह और रोमांच के बीच झूमते हुए देखा गाय ।

खेल के साथ साथ पढ़ाई पर भी दिया जा रहा ध्यान- देवेंद्र नगपुरे

आयोजक समिति से देवेंद्र नगपुरे ने बताया की स्व.महेन्द्र पांजरे की स्मृति मे छू लो आसमान किसने रोका है संस्था के द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन कराया जा रहा है जिसमे स्थानिय बालाघाट,लालबर्रा तहसील के आलावा बैहर और मंडला,सिवनी से भी क्रिकेट टीम ने हिस्सा लिया है और उनकी कोशिश है की भव्य क्रिकेट टूर्नामेंट हो सके उन्होंने बताया की छू लो आसमान किसने रोका है की डाइरेक्टर श्रीमती शाक्षी लिल्हारे और मार्गदर्शक जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे के मार्गदर्शन मे क्रिकेट टूर्नामेंट और खेल आयोजन के अलावा शिक्षा के क्षेत्र मे बच्चो व युवाओं को आगे बढ़ाने नि:शुल्क कोचिंग, नवोदय कोचिंग, प्रतिभा खोज परीक्षा,भर्ती परीक्षा मे उपयोगी खेलो का आयोजन जैसी गतिविधिया भी कराई जाती है ताकि खेलो के साथ बच्चे सरकारी नौकरी और अन्य क्षेत्रों मे बेहतर भविष्य का निर्माण कर सके इस प्रयास से अब खेल आयोजन के साथ युवाओं के भविष्य निर्माण की दिशा मे भी ग्रामीण क्षेत्रों मे बेहतर परिणाम आ रहे है।

खेल अनुशासन भी सिखाता है- हरीश

शुभारम्भ अवसर मंच पर उपस्थित अतिथि हरीश लिल्हारे ने बताया की क्रिकेट खेल ,अनुशासन और खेल भावना हमें अपने जीवन मे बहुत कुछ सिखाता है जिससे शरीर स्वस्थ्य होने के साथ खेलो का आयोजन जीवन मे उत्साह बढ़ता है। वंही आयोजन समिति के द्वारा टूर्नामेंट के लिए आयोजन और तैयारी की प्रशंसा भी की गयी, इस अवसर पर राजकुमार खर्चाल, बुद्धिसिंह मरस्कोले, देवीलाल कांवरे, चरनलाल उइके, कृष्णचंद पिछोड़े,शंकर लाल पांजरे, शांतिलाल दमाहे, ओमकार बसेना, कैलाश कश्यप, शिवनाथ कश्यप, शांति दमाहे, बाबा पिछोड़े सहित पंच, ग्रामीण जन बड़ी संख्या मे मौजूद रहे।

जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में बालक-बालिकाओं ने किया शानदार प्रदर्शन

खेलो एमपी यूथ गेम्स में बालाघाट के युवाओं ने दिखाया प्रतिभा का हुनर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण, मध्यप्रदेश के तत्वावधान में जिले में आयोजित खेलो एमपी यूथ गेम्स 2025-26 के अंतर्गत युवा खिलाडियों का उत्साह और खेल प्रतिभा लगातार देखने को मिल रही है। इसी क्रम में रविवार को नगर मुख्यालय स्थित म्युनिसिपल स्कूल के बास्केटबॉल खेल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपने कौशल, फुर्ती और टीमवर्क का बेहतरीन प्रदर्शन किया।जिला बास्केटबॉल संघ बालाघाट के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता का नेतृत्व संघ के सचिव सचिन भोज द्वारा किया गया। प्रतियोगिता से पूर्व जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा, संघ के सचिव सहित अन्य खेल पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।बताया गया कि यह प्रतियोगिता जिले के उभरते खिलाडियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, जिससे उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने और राज्य स्तर तक पहुंचने का अवसर मिलेगा।

खेल भावना और अनुशासन की मिसाल

पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। तेज गति, सटीक पासिंग और शानदार बास्केट्स के साथ खिलाड़ियों ने दर्शकों को रोमांचित किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना और उन्हें उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना रहा।

जबलपुर में आयोजित संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे चयनित खिलाड़ी- बारेसा

जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा ने जानकारी देते हुए

बताया कि खेलो एमपी यूथ गेम्स के अंतर्गत आयोजित इस जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के खिलाड़ी शामिल हुए हैं। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए प्रतिभावान खिलाड़ियों ने भाग लिया। यहां चयनित खिलाड़ी आगामी दिनों में जबलपुर में आयोजित होने वाली संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

जबलपुर में चयनित खिलाड़ी जाएंगे इंदौर - सचिन

जिला बास्केटबॉल संघ के सचिव सचिन भोज ने बताया कि प्रतियोगिता में जिलेभर से 50 से 60 बालक एवं बालिका खिलाड़ी शामिल हुए हैं। इस प्रतियोगिता के माध्यम से बालक और बालिका वर्ग की 12-12 सदस्यीय टीमें तैयार की जाएंगी। चयनित टीमें जबलपुर में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी, जहां से सफल खिलाड़ी आगे जोन स्तर की प्रतियोगिता के लिए इंदौर जाएंगे।

सतपुड़ा एजुकेशन ग्रुप के 25 वर्ष पूर्ण होने पर मेगा कैंपस प्लेसमेंट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सतपुड़ा एजुकेशन ग्रुप के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सतपुड़ा इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज, बालाघाट में दिनांक 25 जनवरी 2026 को एक दिवसीय विशाल मेगा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। इस मेगा कैंपस में 100 से अधिक कंपनियां भाग लेंगी, जिनके माध्यम से 8000 से अधिक पदों पर भर्तियां की जाएंगी। इस कैंपस प्लेसमेंट में आईटीआई, पॉलिटेक्निक, बी.टेक, बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी., एमबीए ,10th,12 th योग्यताधारी अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। तकनीकी एवं गैर-तकनीकी दोनों क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। कॉलेज प्रबंधन ने सभी योग्य युवाओं से आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर उपस्थित होने की अपील की है।

दुकान किराये पद देना है
-पता-
स्टेट बैंक के पास, कालीपुतली चौक, मेन रोड, बालाघाट
मो. 9827116521

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

संयुक्त विभाग पेंशनर्स संघ की परसवाड़ा तहसील का गठन, लेखराम गौतम बने अध्यक्ष

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में संयुक्त विभाग पेंशनर्स संघ, लगातार संगठन विस्तार में लगा है। इसी कड़ी में परसवाड़ा तहसील में जिलाध्यक्ष बी.एल. चौधरी की अध्यक्षता, प्रांतीय उपाध्यक्ष थानसिंह भगत, संरक्षक एम.जेड. कुरैशी, कोषाध्यक्ष सूरजलाल कावड़े की उपस्थिति में बैठक आहूत की गई थी। जिसमें सर्वसम्मति से परसवाड़ा संयुक्त विभाग पेंशनर्स संघ की तहसील कार्यालय का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष लेखराम गौतम, सचिव वाहिद शेख, उपाध्यक्ष मिलापसिंह उईके, मेघराज बिसेन, सुश्री सावित्री भंडारी एवं पी.एस. ठाकरे, कोषाध्यक्ष

उधवलाल ठाकरे को दायित्व सौंपा गया है।नवनिर्वाचित तहसील कार्यकारिणी को जिलाध्यक्ष बी.एल. चौधरी ने बधाई देते हुए कहा है कि वह तहसील क्षेत्रीय संगठन को मजबूत करें और ज्यादा से ज्यादा पेंशनर्स साथियों को संघ से जोड़कर उनके हक और अधिकार के लिए संघर्ष करें। उन्होंने बताया कि जिले में लगातार संगठन का विस्तार किया जा रहा है, अब तक जिले की चार तहसीलो में संयुक्त विभाग पेंशनर्स संघ की तहसील स्तरीय कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है, जल्द ही अन्य शेष तहसीलों की कार्यकारिणी का भी गठन जल्द किया जाएगा।

प्रकृति, नदी, पहाड़ और जंगल से जुड़ी बैगा संस्कृति की जीवंत प्रस्तुतियां मनमोहक रहीं!

बैगाओं की संस्कृति, परम्परा और लोक विरासत के प्रदर्शन का बैगा महोत्सव का समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में निवास करने वाली विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा की संस्कृति, परंपराओं एवं लोक विरासत के संरक्षण के उद्देश्य से कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन में प्रगति मैदान मलाजखंड में 17 एवं 18 जनवरी को आयोजित दो दिवसीय बैगा महोत्सव का 18 जनवरी को भव्य एवं समारोहपूर्वक समापन किया गया। समापन कार्यक्रम में बैगा जनजाति के छात्र-छात्राओं एवं समुदाय के लोगों द्वारा मनमोहक पारंपरिक एवं जनजातीय नृत्यों की प्रस्तुतियां दी गईं। इन नृत्यों के माध्यम से प्रकृति, नदी, पहाड़ और जंगल से जुड़ी बैगा संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया गया, जिसे दर्शकों ने सराहा।

समापन अवसर पर बैगा समाज के प्रदेश अध्यक्ष झामसिंह तेकाम, उपाध्यक्ष छन्नू बैगा, बिरसा ब्लॉक अध्यक्ष धन सिंह धुर्वे, नागा बैगा-बैगीन समाज के श्री पहल सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता दशरथ सिंह धुर्वे, विधायक संजय उईके, विधायक मधु भगत, श्रीमती अनुभा मुंजारे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सम्राट सिंह सरस्वार, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, पूर्व विधायक भगत सिंह नेताम, कलेक्टर मृणाल मीना, बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता, परसवाड़ा एसडीएम श्रीश प्यासी, सांसद प्रतिनिधि गुड्डा मरकाम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मरकाम, जनपद पंचायत परसवाड़ा अध्यक्ष श्री समल सिंह धुर्वे, जनपद उपाध्यक्ष हेमन्त साहू, रंजीत बैस, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर, नगरपालिका मलाजखंड अध्यक्ष मानसिंह मेरावी, पार्षदगण, विद्यालयों के प्राचार्य, पीटीआई, बैगा जनजाति के छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में जनसमुदाय उपस्थित रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री संजय उईके ने कहा कि बैगा जनजाति की परंपराओं और संस्कृति के संरक्षण हेतु बालाघाट जिला प्रशासन द्वारा की गई यह पहल सराहनीय है। उन्होंने आयोजन को सफल बताते हुए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया और कहा कि बैगा जनजाति के विकास के साथ-साथ उन्हें सम्मान देना भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बैगा, भारिया एवं सहारिया तीन विशेष पिछड़ी जनजातियां हैं तथा बैगा जनजाति प्रदेश के छह जिलों में निवास करती है। अन्य जिलों में निवास करने पर जाति प्रमाण पत्र संबंधी समस्याओं पर भी ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने बैगा जनजाति के शिक्षित युवाओं को शासकीय सेवा में सीधी भर्ती एवं परंपरागत कार्यों में कौशल उन्नयन प्रशिक्षण देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम को विधायक मधु भगत, श्रीमती अनुभा मुंजारे, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन एवं पूर्व विधायक भगत सिंह नेताम ने भी संबोधित किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अंतर्गत कन्या शिक्षा परिसर बिरसा, बैहर, परसवाड़ा, दमोह एवं परसामऊ छात्रावास की बैगा छात्राओं ने कर्मा, शैला एवं बैगा नृत्य प्रस्तुत किए, वहीं मलाजखंड की छात्राओं द्वारा गोंडी नृत्य और कोरका एवं मोहनपुर के बैगा समुदाय द्वारा पारंपरिक बैगा नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम के समापन पर दो दिनों तक आयोजित खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पदक प्रदान किए गए। महोत्सव के दौरान कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, बोरा दौड़, तीरंदाजी, कंचे, पिट्ठू एवं रस्साकस्सी की बालक एवं बालिका वर्ग की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस महोत्सव में बैगा जनजाति के पुरुष और महिलाएं अपनी पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर आए थे।

दो दिवसीय बैगा महोत्सव ने बैगा जनजाति की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं एवं खेल विरासत को मंच प्रदान करते हुए सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक संरक्षण का सशक्त संदेश दिया।

हल्की कुमकुम, युवक-युवती परिचय सम्मेलन सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ

प्रतिभावान छात्र छात्राओ सहित वरिष्ठों का किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले 2 वर्षों की भांति इस वर्ष भी जैन कलार समाज बालाघाट द्वारा वार्षिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रम संपन्न कराए गए। रविवार 18 जनवरी को स्थानीय कमला नेहरू महिला मंडल भवन में आयोजित इस तृतीय वार्षिक सम्मेलन में वर-वधु परिचय सम्मेलन, प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं हल्दी कुमकुम कार्यक्रम का आयोजन किया गया।आयोजित कार्यक्रमो का शुभारंभ भगवान सहस्त्रबाहु व मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण व पूजा अर्चना कर किया गया। इस दौरान अतिथियों के आगमन पर स्वागत सत्कार कर, गीत संगीत नृत्य भाषण सहित अन्य कार्यक्रम सम्पन्न कराए गए। तो वही विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन व प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। वहीं समाज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। महिलाओं द्वारा अखण्ड सौभाग्य की कामनाओ के साथ हल्दी कुमकुम का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारी व स्वजातीयजन बड़ी संख्या में शामिल रहे।

समाज का भवन प्राथमिक आवश्यकता, पर पहले संगठित होना जरूरी

जैन कलार समाज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मंचासीन पदाधिकारी ने समाज संगठन को मजबूत कर आगे बढ़ाने की बात कही। पदाधिकारी ने बताया कि समाज का व्यक्ति चाहे कहीं पर भी हो, वह एक दूसरे के संपर्क में रहे। संगठित रहे सभी को लेकर साथ चले, समाज के उत्थान व संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करें।उन्होंने बताया कि समाज की प्राथमिक आवश्यकता समाज का अपना खुद का भवन निर्माण है। लेकिन उसके भी पहले हम सभी को संगठित होने की जरूरत है।वक्ताओं ने कार्यक्रम के दौरान आयोजित किए गए गीत, संगीत ,भाषण, वर वधु परिचय सम्मेलन,प्रतिभामान छात्र-छात्राओं व बुजुर्गों का सम्मान, हल्दी कुमकुम, सुरुचि भोज सहित अन्य कार्यक्रमों की सरहाना करते हुए आगामी समय में भव्य रूप से कार्यक्रम आयोजित किए जाने की भी बात कही है।

समाज संगठन को एकजुट करने आयोजन किया गया है- सोनवाने

आयोजीत कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान जैन कलार समाज के सचिव धनंजय सोनवाने ने बताया कि समाज को एकजुट करने संगठन द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। गत 2 वर्षो की तरह इस वर्ष भी वार्षिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता निभाई है।

इनकी रही प्रमुख उपस्थिति

कार्यक्रम को सफल बनाने में, जैन कलार समाज संरक्षक रविंद्र कुमार सोनवाने, सुरेंद्र सोनवाने, शेषराम दहीकर, लक्ष्मीकांत रामटेककर, झनकराम मानेपुरे, श्रीमती माधुरी सोनवाने, राधेश्याम आसटकर,अध्यक्ष तोड़बाजी (प्रभाकर) रणदिवे, सचिव धनंजय सोनवाने, उपाध्यक्ष महेन्द्र सोनवाने, योगेन्द्र दहीकर, कोषाध्यक्ष प्रभात मुरकुटे, सहसचिव वासुदेव आसटकर, सुनील मुरकुटे, श्रीमती अलका रामटेककर, मिडिया प्रभारी महेन्द्र पलान्दुरकर, महेन्द्र आसटकर, सांस्कृतिक प्रभारी श्रीमती प्रीति दुरूगकर, अनिल मानेपुरे, श्रीमती सीमा रामटेक्कर, कार्यकारिणी सदस्य रमेश पलान्दुरकर, संतोष सोनवाने, सतीश सोनवाने, दिलीप मुरकुटे, गिरीश दुरूगकर, अशोक आसटकर सहित अन्य का सराहनीय सहयोग रहा।

दो दिवसीय ओपन स्टेट कराते टूर्नामेंट में प्रदेशभर के खिलाड़ियों ने दिखाया दम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट में आयोजित ओपन स्टेट कराते टूर्नामेंट के अंतर्गत 17 एवं 18 जनवरी को विभिन्न वर्गों, आयु और भार श्रेणियों में मुकाबले कराए गए। प्रतियोगिता में सब-जूनियर, कैडेट, जूनियर, सीनियर एवं मास्टर मोस्ट सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस राज्य स्तरीय आयोजन में प्रदेश के लगभग 30 जिलों से करीब 550 खिलाड़ी, जबकि बालाघाट जिले से लगभग 150 खिलाड़ी शामिल हुए। प्रतियोगिता का समापन रविवार देर रात किया जाएगा।

रविवार 18 जनवरी को आयु और भार वर्ग के अंतर्गत कराते एवं कुमिते विद्या में आयोजित मुकाबलों के विजेता खिलाड़ियों को पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य मौसम हरिनखेड़े, समाजसेवी सोहन वैद्य, टूर्नामेंट आयोजन समिति अध्यक्ष राजेश पाठक, इंडियन कराते संघ जिलाध्यक्ष तपेश असाटी सहित अन्य अतिथियों के हाथों सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इंडियन कराते संघ के कोषाध्यक्ष रूपेंद्र बनकर ने बताया कि दो दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान काता एवं कुमिते दोनों विधाओं में मुकाबले कराए गए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ब्लू एवं ब्लैक बेल्ट प्रदान की गईं, जो उनकी तकनीकी दक्षता और योग्यता का प्रमाण हैं। आयोजित इस स्टेट टूर्नामेंट में छिंदवाड़ा, बालाघाट, सिवनी, झाबुआ, इंदौर, नर्मदापुरम, भोपाल, उमरिया, शहडोल, डिंडोरी, बैतूल, मंडला, श्योपुर, छतरपुर, कटनी, रायसेन, नीमच, उज्जैन, सीहोर, पांढुरना, रतलाम सहित अन्य जिलों से कराते खिलाड़ी पहुंचे और अपनी कला का प्रदर्शन किया। स्टेट ओपन कराते टूर्नामेंट आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश पाठक ने बताया कि बालाघाट में पहली बार इस स्तर का ओपन स्टेट कराते टूर्नामेंट आयोजित किया गया है, जिसमें प्रदेश एवं जिले से लगभग 700 खिलाड़ी शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से 100 खिलाड़ियों का चयन मध्यप्रदेश कराते टीम के लिए किया जाएगा, जो आगामी दिनों में देहरादून में आयोजित राष्ट्रीय कराते प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने इसे बालाघाट के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि कबड्डी के बाद यह पहला अवसर है, जब किसी खेल में बालाघाट से मध्यप्रदेश की टीम का चयन हो रहा है, जिससे जिले की खेल पहचान को नई दिशा मिलेगी। इस दौरान आयोजन को सफल बनाने में संरक्षक रमेश रंगलानी, महेंद्र सुराना, पासवेंद्र पारधी, देवेंद्र सिंह चंदेल, संयोजक सत्यनारायण अग्रवाल, उपाध्यक्ष आदित्य पंडित, संदीप सौगादे, विपिन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम चावला, सह-कोषाध्यक्ष रूपेंद्र बनकर, सचिव दिनेश कोरे, सहसचिव रूपल गौतम, सुधीर तोमर और शैलेंद्र यादव सहित आयोजन समिति के अन्य पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

राजा भोज क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-2 का समापन, कार्तिक 11 बनी चैंपियन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय के जागपुर घाट स्थित मैदान में 7 जनवरी से आयोजित जिला स्तरीय राजा भोज क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-2 का फाइनल मुकाबला रविवार, 18 जनवरी को खेला गया। फाइनल में कार्तिक 11 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य 11 को 56 रनों से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। लक्ष्य 11 उपविजेता रही। रविवार दोपहर 1 बजे खेले गए फाइनल मुकाबले में कार्तिक 11 ने लक्ष्य 11 को 56 रनों से पराजित कर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कार्तिक 11 ने निर्धारित 12 ओवर में 8 विकेट खोकर 148 रन बनाए। कार्तिक 11 की शुरुआत धीमी रही। ओपनर शैलेंद्र ठाकरे ने 14 गेंदों में 19 रन बनाए, जबकि दीपक ने 4 गेंदों में 7 रन जोड़े। टीम के 28 रन के स्कोर पर शैलेंद्र ठाकरे रन आउट हुए और दीपक भी इसी स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद रिंकू ने 8 रन बनाए और राहुल बघेल बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। मध्यक्रम में आतिश बिसेन ने 15 गेंदों में 20 रन बनाए, जबकि कुलदीप पटले ने 7 गेंदों में 17 रनों का योगदान दिया। अंतिम ओवरों में मनीष बिसेन ने 16 गेंदों में 51 रनों की तेज पारी खेली, जिसमें 7 छक्के और 1 चौका शामिल रहा। ओम ठाकरे ने 16 रन और हिमांशु ने 1 रन जोड़ा। निर्धारित ओवरों की समाप्ति पर कार्तिक 11 का स्कोर 148 रन रहा। 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लक्ष्य 11 की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। जीतू राहंगडाले जल्दी आउट हो गए। कप्तान राजेश राहंगडाले ने 16 गेंदों में 18 रन बनाए। मोजेश बघेल ने 17 गेंदों में 27 रन बनाकर सर्वाधिक योगदान दिया। अन्य बल्लेबाजों में भार्गव पारधी ने 6, कुलदीप तुरकर ने 2, सतीष ने 5 और योगेश तुरकर ने 19 रन बनाए। पूरी टीम 12 ओवर में 92 रन ही बना सकी। कार्तिक 11 की ओर से गेंदबाजी में आतिश बिसेन ने 4 विकेट लिए। कुलदीप पटले को 2 विकेट मिले, जबकि ओम ठाकरे ने 1 विकेट लिया। आतिश बिसेन को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच में अंपायरिंग की जिम्मेदारी सुजल और ऋतिक राहंगडाले ने निभाई । पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज सत्यम राहंगडाले कटंगी 11, बेस्ट विकेटकीपर संकेत राहंगडाले कटंगी 11,बेस्ट फील्डर अतुल टेमभरे वैनगंगा भाऊ 11,बेस्ट बॉलर भार्गव पारधी लक्ष्य 11, बेस्ट बैट्समैन राजेश राहंगडाले लक्ष्य 11 को दिया गया ।

फाइनल मुकाबले में ये रहे अतिथि

टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले के अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीमती मौसम हरिनखेडे सदस्य, पिछड़ा वर्ग आयोग, मधु भगत विधायक, परसवाड़ा, खिलेंद्र टेमभरे अध्यक्ष, राम मंदिर ट्रस्ट बैहर, विशाल बिसेन जिला अध्यक्ष, क्षत्रिय पवार समाज संगठन, डुलेन्द्र उर्फ मुन्ना ठाकरे कोषाध्यक्ष, पवार महासभा तथा श्रीमती पुष्पा बिसेन पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष, कांग्रेस शामिल रहे। इसके अलावा एफ.एल. बिसेन पूर्व जिला अध्यक्ष, क्षत्रिय पवार समाज संगठन, देवेंद्र उर्फ गोलू ठाकरे एवं संतोष उर्फ बबलू ठाकरे, डॉ. बी. गौतम और श्रीमती विद्या गौतम की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में रामेश्वर कटरे उपाध्यक्ष, क्षत्रिय पवार महासभा, सूरज लाल कटरे अध्यक्ष, पवार सर्किल कमेटी पोंडी, लोकराम ठाकरे वरिष्ठ समाजसेवी, प्रमोद ठाकरे सरपंच, चांगोटोला, योगेश बिसेन नगर पालिका उपाध्यक्ष, सुरेंद्र चौधरी युवा समाजसेवी, बी.आर. भैरम पालक संरक्षक, पवार समाज, किशोर चौधरी, ओमकार राहंगडाले एवं मेहसिंह बिसेन वरिष्ठ समाजसेवी सहित निशांत बिसेन और सुनील गौतम संवाद सचिव, पवार समाज भी उपस्थित रहे। टूर्नामेंट समिति के अध्यक्ष मनोज भैरम, महासचिव दीपक पटले, कोषाध्यक्ष गुनेंद्र पटले, उपाध्यक्ष तपन राजा चौधरी एवं महात्मा हनवत, मीडिया संयोजक ओमेंद्र बिसेन सहित समिति के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, खिलाडियों, क्रिकेट प्रेमियों और सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन का वार्षिक मिलन समारोह आज

बालाघाट केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन का वार्षिक मिलन समारोह 19 जनवरी को गोंदिया रोड स्थित शुभारंभ लॉन में हर्षोल्लास और उत्साहपूर्वक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ऑल इंडिया केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन के महासचिव राजीव सिंघल उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष गौतमचंद धींग करेंगे। विशेष अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन के संगठन सचिव मनोज पमनानी, पीआरओ सुरेश चौकसे, कोषाध्यक्ष दीनदयाल तिवारी तथा सहसचिव अशोक जैन की उपस्थिति रहेगी। इस अवसर पर विशेष आमंत्रित सदस्यों में सिवनी से अरुण राठौर एवं विजय चंदानी, छिंदवाड़ा से संतोष चौरे एवं अजय मालवीय, मंडला से सुनील पांडे एवं विपिन बजाज, नरसिंहपुर से राकेश सोनी एवं श्रीराम अग्रवाल, जबलपुर से आजाद जैन एवं बॉबी जायसवाल तथा कटनी से चंदु जाधवानी एवं राम आहूजा शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान ऑर्केस्ट्रा फेंड्स म्यूजिकल, बालाघाट द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी जाएगी। बालाघाट केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश सोनी, जबलपुर जोन उपाध्यक्ष प्रियंक वर्मा, सचिव संदीप पिछोड़े, कोषाध्यक्ष रिशु जायसवाल, सहसचिव अविरल चावड़ा सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने जिले के सभी केमिस्ट एवं ड्रगिस्टों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है।

विभाग की लापरवाही: टेकाड़ी ला. से बोरी-मानपुर माइनर नहर में सफाई के नाम पर हुई महज खानापूर्ति

सड़क किनारे दिखावे की सफाई, खेतों के पास अब भी झाड़ियों का अंबार, किसानों में भारी आक्रोश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

जल संसाधन विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय से निकली बोरी-मानपुर माइनर नहर में झाड़ियों की सफाई को लेकर विभाग द्वारा अपनाये गये ढुलमुल रवैये से क्षेत्र के किसानों में शासन और प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। माइनर नहर में उगी लंबी-लंगी झाड़ियों से किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पाने एवं वन्यप्राणियों के छुपे रहने की संभावना को लेकर विगत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित कर इस समस्या को प्रमुखता से उठाया गया था। जिसके बाद जल संसाधन विभाग ने सुध तो ली, लेकिन वह सिर्फ कागजी खानापूर्ति और दिखावे तक ही सीमित रही। टेकाड़ी ला. से बोरी-मानपुर माइनर नहर के दोनों किनारे पर उगी झाड़ियो की सफाई का कार्य तो किया गया है। लेकिन विभाग के द्वारा सिर्फ सड़क किनारे की झाड़ियों की सफाई की गई है। अंदर भाग की सफाई नही की गई है जिसके कारण झाड़ियों का अंबार लगा हुआ है और किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पा रहा है। साथ ही झाड़ियों के कारण किसानों को खेतों तक पहुंचने में परेशानी हो रही है एवं वन्यप्राणियों के छुपे रहने का भी डर बना हुआ है। जबकि मानपुर एवं बोरी में पूर्व में बाघ एवं तेंदुए ने मवेशियों का शिकार भी कर चुके है और उनका मुवमेंट उसी क्षेत्र में बना हुआ रहता है। इस तरह से माइनर नहर की आंधी-अधुरी सफाई होने एवं नहर के दोनों किनारों में घनी और बड़ी-बड़ी झाडियां होने के कारण उनके अंदर बाघ सहित अन्य वन्यप्राणियों के छुपे रहने की हर समय संभावना बनी रहती है। ऐसी स्थिति में किसान अपने खेत जाने से डर रहे है। इस तरह से जल संसाधन विभाग के द्वारा सड़क किनारे की झाड़ियों की सफाई कर खानापूर्ति की गई है। जिससे किसानों एवं क्षेत्रीयजनों में आक्रोश व्याप्त है।

पानी का अवरोध और जंगली जानवरों का भय

आपकों बता दे कि जल संसाधन विभाग के द्वारा टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय से निकली बोरी एवं मानपुर माइनर नहर का विगत वर्ष पूर्व करोंड़ों रूपयों की लागत से सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण किया गया है। लेकिन इन दोनों माइनर नहर के पारों में उगी झाड़ियों की लंबे समय से साफ-सफाई नही होने के कारण माइनर नहर के पार के दोनों किनारें पर लंबे समय से घनी और बड़ी-बड़ी झाड़ियां उगी हुई हैं। इन झाड़ियों के कारण नहर में फसल के लिए छोड़ा गया पानी का बहाव बाधित हो रहा है, जिससे टेल (अंतिम छोर) पर स्थित किसानों के खेतों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। वहीं यह माइनर नहर जंगल क्षेत्र से लगा हुआ है और इन क्षेत्रों में बाघ, तेंदुए सहित अन्य वन्यप्राणियों का मुवमेंट भी बना रहता है। विगत दिवस पूर्व मानपुर माइनर नहर के समीप बरघाट मार्ग पर बाघ ने एक गाय का शिकार कर दिया था और नहर के आसपास बाघ का मुवमेंट बना हुआ था। वहीं नहर में उगी झाड़ियों की वजह से खेतों में काम करने वाले किसानों को हमेशा जंगली जानवरों और जहरीले जीव-जंतुओं का डर सताता रहता है। पूर्व में कई बार किसानों ने इस संबंध में शिकायत दर्ज करवाई थी। लेकिन प्रशासन ने ध्यान नही दिया, जिसके बाद बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में इस समस्या को लेकर विगत दिवस समाचार प्रकाशित कर जल संसाधन विभाग का ध्यानाकर्षण करवाया गया था। जिसके बाद सिंचाई विभाग के जिम्मेदारों ने सफाई कार्य तो शुरू करवाया। लेकिन सफाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई है। सड़क किनारे से गुजरी नहर की पारों की सफाई करवाई गई है, बाकी की सफाई करना भूल गये है। इस तरह से जल संसाधन विभाग के द्वारा अधुरी सफाई करवाई गई है। वहीं ग्रामीण एवं किसानों का आरोप है कि यह केवल आंखों में धूल झोंकने जैसा है। विभाग ने केवल सड़क के किनारे से दिखाई देने वाली झाड़ियों को कटवाकर औपचारिकता पूरी कर ली है। नहर का वह हिस्सा जो खेतों के समीप है, वहां आज भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। घनी झाड़ियां अभी भी मौजूद हैं, जिन्हें साफ करने की जहमत विभाग ने नहीं उठाई। इस तरह से विभाग के ठेकेदार और संबंधित अधिकारी केवल मुख्य मार्ग पर सफाई दिखाकर बजट ठिकाने लगाने का प्रयास कर रहे हैं। जल संसाधन विभाग से मांग है कि टेकाड़ी ला. से लेकर बोरी-मानपुर माइनर नहर के अंतिम छोर तक नहर के पारों में उगी घनी एवं लंबी-लंबी झाडियों की जल्द सफाई करवाये।

सफाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई है - प्रेमसुन्दर

बोरी सरपंच प्रतिनिधि प्रेमसुंदर बारमाटे ने बताया कि जल संसाधन विभाग के द्वारा मानपुर, बोरी माइनर नहर के पारों में उगी घनी एवं लंबी झाड़ियों की पूरी सफाई न करते हुए सड़क किनारे की सफाई कर सिर्फ खानापूर्ति की गई है और आधी अधूरी ही सफाई की गई है जिससे किसानों को खेतों तक पानी पहुंचाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है एवं झाड़ियों के कारण खेतों तक पानी भी नही पहुंच रहा है। श्री बारमाटे ने बताया कि यह क्षेत्र जंगल से लगा हुआ है और वन्यप्राणियों

का मुवमेंट इस क्षेत्र में बना रहता है। घनी झाड़ियों में बाघ, तेंदुए सहित वन्यप्राणी छुपे रह सकते है, इस डर से किसान खेतों में जाने से डर रहे है इसलिए प्रशासन से मांग है कि पुरी नहर की झाड़ियों की सफाई करवाये।

झाड़ियों में बाघ, तेंदुए छुपे रह सकते है - मुनेन्द्र

किसान कांग्रेस लालबर्रा अध्यक्ष मुनेंद्र ठाकरे ने बताया कि किसानों को दिन-रात खेती के काम से अपने खेतों की ओर जाना होता है लेकिन सर्राटी जलाशय से निकली माइनर नहर मानपुर-बोरी के पारों में उगी झाडियों की पुरी सफाई नही होने से किसानों को खेतों तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। साथ ही नियमित रूप से खेतों तक पानी भी नही पहुंच पा रहा है, जिससे किसान परेशान है। श्री ठाकरे ने बताया कि नहर में उगी झाडियों की सफाई नही होने से किसानों को हो रही परेशानी को लेकर समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जल संसाधन विभाग के द्वारा सिर्फ सड़क किनारे सफाई की गई है, अंदर की नही की गई है, घनी झाड़िया बनी हुई है जिससे किसानों को हर समय वन्यप्राणियों के छुपे रहने का डर बना रहता है। इसलिए जल संसाधन विभाग से मांग है कि टेकाड़ी ला सर्राटी जलाशय से निकली बोरी-मानपुर माइनर नहर में उगी झाडियों का जल्द सफाई करवाये।

कटंगटोला लालबर्रा में संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कार्यक्रम 28 से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटंगटोला (लालबर्रा) स्थित लॉन में सार्वजनिक समाज ग्राम कटंगटोला के तत्वाधान में आगामी 28 जनवरी से संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि नववर्ष के अवसर पर ग्राम कटंगटोला स्थित लॉन में सार्वजनिक समाज ग्राम कटंगटोला (लालबर्रा) के द्वारा 28 जनवरी से 8 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कार्यक्रम का

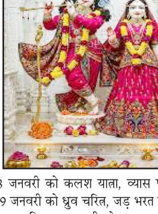

आयोजन किया गया है। जिसमें 28 जनवरी को कलश यात्रा, व्यास पूजन, भागवत कथा प्रारंभ किया जायेगा, 29 जनवरी को ध्रुव चरित्र, जड़ भरत कथा, 30 जनवरी को अजामिल प्रसंग, प्रहलाद चरित्र, 31 जनवरी को वामन अवतार, रामकथा, कृष्ण जन्मोत्सव, 1 फरवरी को बाल लीला, गोवर्धन धारण, 2 फरवरी को महारास, रूखमणी विवाह, 3 फरवरी को सुदामा चरित्र, परिक्षित मोक्ष, 4 फरवरी को गीतापाठ, कथा विराम, हवन पूर्णाहुति एवं महाप्रसादी वितरण कर 8 दिवसीय कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। आगे बताया कि इस 8 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कार्यक्रम में माँ बम्लेश्वरी धाम डोंगरगढ़ (छ.ग.) के राष्ट्रीय सुप्रसिध्द कथावाचक पं.पू. श्री मुकुन्दकृष्ण जी महाराज के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवनलीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील सार्वजनिक समाज ग्राम कटंगटोला के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

खेलो एमपी यूथ गेम्स- तृतीय दिवस 5 खेलों की स्पर्धाएं संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खेलो एमपी यूथ गेम्स के तृतीय दिवस आज जिले में उत्साहपूर्ण वातावरण में 5 खेलों की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बास्केटबॉल, तैयारी, योगासन, वॉलीबॉल एवं फुटबॉल खेलों की स्पर्धाएं विभिन्न खेल स्थलों पर आयोजित की गईं। प्रतियोगिताएं ग्रीन वैली स्कूल पुलिस लाइन मैदान, मुलना स्टेडियम, कराते हॉल एवं म्युनिसिपल बास्केटबॉल ग्राउंड में संपन्न हुईं। आयोजन जिला खेल

अधिकारी श्री राहुल बारेसा के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें सभी खेल संघों के अध्यक्ष, सचिव व पदाधिकारी, खेल शिक्षक, युवा समन्वयक, जिला खेल प्रशिक्षक तथा विभागीय कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग रहा। तृतीय दिवस के आयोजनों में जिले के 10 विकासखंडों से लगभग 350 खिलाड़ियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता एवं चयनित खिलाड़ी आगामी संभागीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इन प्रतियोगिताओं से संबंधित आगे की जानकारी खिलाडि़यों को संबंधित विकासखंड समन्वयक, खेल संघों के कोच तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला कार्यालय स्टेडियम बालाघाट के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल लालबर्रा के अध्यक्ष बने लिखीराम हरिन्द्रवार

बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन कर समाजोत्थान पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी स्थित गढ़वाल समाज मंगल भवन में अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढरवानी (लालबर्रा) के तत्वाधान में 18 जनवरी को गढवाल समाज लालबर्रा मंडल की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल लालबर्रा के कार्यवाहक अध्यक्ष श्रीमती मीना कुरमजी की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन, पूर्व मंडल के कार्यकाल के आय-व्यय एवं समाजोत्थान पर विस्तार से चर्चा कर नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया और लिखीराम हरिन्द्रवार को सर्वसम्मति से अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल लालबर्रा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी तरह देवेन्द्र बनवाले, श्रीमती मीना कुरमजी, श्रीमती सुनीता हरिद्वाज को उपाध्यक्ष, गणेश नागेश्वर को सचिव, चंद्रकुमार ब्रम्हे को कोषाध्यक्ष, शरद धानेश्वर को सहसचिव, पिंटु नागेश्वर को मीडिया प्रभारी, संतोष नागेश्वर को सदस्य नियुक्त किया गया है। चर्चा में अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल लालबर्रा के नवनियुक्त अध्यक्ष लिखीराम हरिन्द्रवार ने बताया कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर समाज के वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर काम किया जायेगा। आगे बताया कि आगामी 25 जनवरी को प्रात: 8 बजे गढ़वाल मंगल भवन परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा, शाम में लाईटिंग की रोशनी की जायेगी एवं 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर ध्वजारोहण कर स्वतंतता संग्राम सेनानियों को स्मरण किया जायेगा और दोपहर 12 बजे से समाज का नववर्ष मिलन समारोह के अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान भी किया जायेगा। इस अवसर पर नारायणप्रसाद बनवाले, देवेन्द्र वराडकर, अरूण गोयल, निरंजन सूर्यवंशी, अजय भारद्वाज, छबि नागेश्वर, भवन भारद्वाज, बेनीराम बनवाले, अनिल परिमल, उम्मेद चावले, उमाशंकर सूर्यवंशी, पुन्नू, सदन, अविनाश ब्रम्हे, हेमलता धानेश्वर, बिन्दुबाई ब्रम्हे, प्रदीप सूर्यवंशी, तुलसीदास ब्रम्हे, शीला ब्रम्हे, भरत सूर्यवंशी, सज्जनसिंह ब्रम्हे सहित पांढ़रवानी, कटंगटोला, आमाटोला, अतरी, छोटी पनबिहरी, बड़ी पनबिहरी, मानपुर, औल्याकन्हार, अमोली एवं लालबर्रा के स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से आदिवासी युवाओं ने जानी अपनी संस्कृति और गोंडी भाषा

गोंडी भाषा में कोयापुनेम प्रश्नोत्तरी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन में रविवार को क्रांतिसूर्य टंटया मामा भील की जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन लालबर्रा के तत्वाधान में गोंडी भाषा (कोयापुनेम) पर आधारित विकासखण्ड स्तरीय प्रश्नोत्तरी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा संपन्न हुई। आयोजित इस परीक्षा में क्षेत्र के बड़ी संख्या में आदिवासी छात्र-छात्राओं और युवाओं ने शामिल हुए और इस परीक्षा में गोंडी भाषा में बुनियादी शब्द, व्याकरण, कोयापुनेम (गोंडवाना दर्शन) के महत्व, उद्देश्य, आदिवासी समाज की परंपराएं, महापुरूषों के इतिहास से संबंधित प्रश्न पुछे गये थे। जिसका उत्तर गोंडी भाषा में सभी ने हल किये। साथ ही इस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले और सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को आगामी समय में पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया जायेगा। वहीं गोंडी भाषा में आयोजित कोयापुनेम प्रश्नोत्तरी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य आदिवासी समाज की युवा पीढ़ी और विद्यार्थियों को अपनी पारंपरिक गोंडी भाषा, कोयापुनेम के सिध्दांतों और समृध्द सांस्कृतिक विरासत से अवगत करवाना था। आयोजक समिति का मानना है कि आधुनिकता के दौर में युवा अपनी जड़ों से जुड़े रहें और अपनी संस्कृति का गौरव के साथ पालन करें। इसी लक्ष्य के साथ इस परीक्षा का आयोजन किया गया है। गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन लालबर्रा के पदाधिकारियों ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल भाषा का संरक्षण होता है, बल्कि युवाओं में अपनी पहचान को लेकर आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इस अवसर पर गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन जिलाध्यक्ष राकेश वाडिवा, ब्लॉक अध्यक्ष एंजलसिंह उइके, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश परते, जिला समन्वयक सुक्कू उइके, सदस्य नरेन्द्र वरकड़े, अभिषेक मर्सकोले, अनिल कंगाली, राजा वरकड़े, रितेश उइके, यशवंत मर्सकोले, राहुल गोंड, चंद्रकुमार पन्द्रे, रवि मर्सकोले, शिव उइके, सुशांत मर्सकोले, राहुल मर्सकोले, शुभम कुसराम, संदीप कोवाचे, विजय उइके, दुर्गेश अड़मे, रविन्द्र उइके, रोहित अड़मे, अरविंद उइके, दुर्गेश मड़ावी, विकास उइके, संदीप धुर्वे, हेमलता उइके, कविता कड़पेती, सानू टेकाम, सविता सलामे, रक्षा खंडाते सहित छात्र-छात्राएं एवं युवा व स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों में दिखा भारी उत्साह - राकेश

गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन जिलाध्यक्ष राकेश वाड़िवा ने बताया कि गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन के द्वारा आदिवासी संस्कृति और गोंडी भाषा के संरक्षण हेतु कोयापुनेम सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें आदिवासी समाज के विद्यार्थी एवं युवाओं ने शामिल होकर पर्चा हल किये है और इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य युवाओं को उनकी विलुप्त होती विरासतों और रीति-रिवाजों से जोड़ना है। श्री वाड़िवा ने बताया कि आधुनिकता के दौर में शिक्षित युवा अपनी जड़ों से दूर हो रहे हैं, जबकि हमारी भाषा और नेग-नियम ही हमारी असली पहचान हैं और परीक्षा के माध्यम से युवा व विद्यार्थियों को अपनी पारंपारिक गोंडी भाषा के उद्देश्य एवं उनकी संस्कृति के बारे में जानकारी देना था और कोयापुनेम से अवगत करवाना था। ताकि वे अपनी संस्कृति को अच्छे से जानकर उसका पालन करते हुए आगे बढ़ सके। साथ ही यह भी बताया कि परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं व युवाओं का पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया जायेगा और इस परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखा गया।

श्री श्याम सेवा मंडल का प्रथम वार्षिकोत्सव 28 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित लॉन में श्री श्याम सेवा मंडल, श्री श्याम सेवा महिला मंडल लालबर्रा के तत्वाधान में आगामी 28 जनवरी को शाम 6 बजे से श्री श्याम सेवा मंडल का प्रथम वार्षिकोत्सव के अवसर पर भव्य श्याम संकीर्तन का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि श्री श्याम सेवा मंडल, श्री श्याम सेवा महिला मंडल लालबर्रा का आगामी 28 जनवरी को एक वर्ष पूर्ण होने जा रहा है। आगे बताया कि 28 जनवरी को शाम 6 बजे मंडल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा और इस अवसर पर श्री श्याम भजन का आयोजन किया गया है। जिसमें भजन गायक छिंदवाड़ा के आकाश नागवंशी, खाटुधाम से अंकित-दीपिका, इंदौर के शिवम रावल के द्वारा भजनों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील श्री श्याम सेवा मंडल, श्री श्याम सेवा महिला मंडल लालबर्रा के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

बर्बाद होती खेती से किसानों में जबर्दस्त आक्रोश!!

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बुदबूदा के नदीटोला महादेव नाले में ५५ लाख रुपये करीब की लागत से स्टॉप डेम रिटर्निंग वॉल पनघट का निर्माण कार्य करवाया गया था। जो निर्माण के कुछ महीनो बाद ही क्षतिग्रस्त हो गया जिससे महादेव नाले के आसपास के किसानों को समस्या बनी हुई है। जहां उन्हें रबी और खरीफ के लिए पर्याप्त पानी तो नहीं मिल पा रहा है तो वहीं किसानों के खेतों की मिट्टी कटाव हो रहा है। जिससे उनकी भूमि नाले में समाती जा रही है जिसको लेकर किसानों के द्वारा जिला कलेक्टर जिला पंचायत जनपद पंचायत सभी स्तर पर शिकायत की जा चुकी है। परंतु जिम्मेदार अधिकारियों ने वर्तमान तक मौका स्थिति का निरीक्षण नहीं किया हैं। वहीं किसानो की समस्या का निराकरण करने का कार्य नहीं किया गया है जिसको लेकर किसान काफी परेशान है। वह लगातार प्रशासनिक कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं जहां उनके द्वारा दोषियों पर कार्यवाही कर निर्माण कार्य को व्यवस्थित करने और उनकी भूमि को बचाने नुकसान का मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

बुदबूदा के महदेव नाले में ५५ लाख के निर्माण कार्य में लापरवाही

बर्बाद होती खेती से किसान आक्रोश

प्राप्त जानकारी अनुसार के ग्राम का जलस्तर बढ़ने किसानों को सिंचाई के लिए जल स्त्रोत उपलब्ध कराने की मंशा से रमरमा से बुदबूदा नदी में नदी टोला के पास महादेव नाले पर ग्राम पंचायत बुदबूदा के द्वारा ५५ लाख रूपये की लागत से स्टाफ डैम का निर्माण कार्य करवाया गया था। इसमें १८ लाख रूपये करीब से अर्थ वर्क साफ सफाई १४ लाख रूपये करीब से स्टाप डेम १४ लाख रूपये करीब से रिटर्निंग वॉल एवं १० लाख रूपये करीब से पनघट शामिल थे। यह निर्माण कार्य वर्ष २०१६ से २०२१ के बीच करीब ५५ लाख रुपये की लागत से करवाया गया था। परंतु निर्माण के एक वर्ष से ६ माह के मध्य में स्टापडेम पनघट रिटर्निंगवॉल टूटते गये। तो वही अंधाधुंध झाड़ी सफाई से पानी का बहाव किसानों के खेतों का कटाव कर रहा है। ऐसे में किसानो की यह मांग किसानों पर ही भारी पड़ती दिखाई दे रही है जिसको लेकर किसानों में भारी आक्रोश भरा हुआ है। वर्तमान में किसानों के खेतों में भारी नुकसान हो रहा है जिसको लेकर उनके द्वारा निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग कर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया जा रहा है। साथ हीं इसकी शिकायत किसानों के द्वारा जिला पंचायत, जिला कलेक्टर ,जनपद पंचायत को की जा चुकी है। किंतु वर्तमान तक केवल जांच दल गठित किया गया है किंतु जांच नहीं की गई है ऐसे में किसान काफी परेशान है। वहीं उनका नुकसान खेती के कटाव एवं सिचांई की समस्या के रूप में हो रहा है। ऐसे में किसान शासन प्रशासन से खेतों का कटाव रोकने और स्टाफडेम का घटिया निर्माण करने वाले दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग कर रहे है। इसके लिए किसान बहुत परेशान है और उनके द्वारा लगातार प्रशासनिक कार्यालय के चक्कर लगाए जा रहे हैं परंतु उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिल पा रहा हैं।

५५ लाख रूपये का निर्माण कार्य ६ महीने में ही सब टूट गया-घनश्याम

किसान घनश्याम पटले ने बताया कि हम जनपद कार्यालय अपनी समस्या को लेकर आए हुए थे। हमारे यहां स्टाफडेम रिटर्निंग वॉल पनघट जो भी बनाया गया था वह सब टूट गया है। हम सभी आसपास के किसान की खेती बर्बाद हो रही है खेती करने के लिए पानी की समस्या बनी हुई है। इस समस्या को रोकने में हम असमर्थ है हम चाह रहे हैं कि अधिकारी निर्माण स्थल का निरीक्षण कर दोषियों पर कार्यवाही करें। करीब आठ माह बीत गया है हम शिकायत कर रहे हैं जिसमें तीन बार जनसुनवाई फिर जिला पंचायत जनपद पंचायत और मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल १८१ पर भी शिकायत किये है। किन्तु अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है यह सब लिपापौती कर रहे हैं कोई अधिकारी जांच पर नहीं आ रहा है। हमें लेटर आते हैं पोस्ट ऑफिस के माध्यम से की एक सप्ताह में जांच होगी पर अभी तक कुछ नहीं हुआ। यह १४ लाख का स्टाफ डेम १४ लाख के रिटर्निंग वॉल १० लाख का पनघट १८ लाख की साफ सफाई पूरा काम ५५ लाख करीब का है। यह सब निर्माण कार्य अलग अलग वर्ष में लाइन से मई जून में बने बरसात में टूट गए। इनमें लोहा सीमेंट सही उपयोग नहीं हुआ इंजीनियर की लापरवाही रही इसमें जांच कर नुकसानी की भरपाई की जानी चाहिए। किसानों के खेत में पानी नहीं मिल रहा है मिट्टी कटाव हो रही है रबी और खरीफकी हम फसल नहीं लग पा रहे हैं।

आरईएस को जांच करने के लिए निर्देश दिए हुए है-दीक्षा जैन

मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री दीक्षा जैन ने बताया कि यह मामला हमारे संज्ञान में आया इसके पहले जिला स्तर में जांच के लिए टीम बनी थी। उस समय जांच नहीं हो पाई फिर हमने संज्ञान लेकर इसमें टीम बनाई पर मामला बहुत बड़ा था तो हम जांच नहीं कर पा रहे थे। अभी यह मामला फिर जनसुनवाई में गया हुआ था जहां जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा आरईएस को जांच करने के लिए निर्देश दिए हुए हैं। इसमें जांच की कार्यवाही प्रचलन में है जांच होने तक क्या निष्कर्ष निकलेगा यह पता नहीं। परंतु जांच के बाद जो भी निकलेगा उसी से स्पष्ट होगा कि आगे कार्यवाही क्या करना है।

२ प्रतिष्ठानों सहित मंदिर में चोरी का आरोपी तबरेज गिरफ्तार

पुलिस ने चोर से किया सामान बरामद, न्यायालय ने भेजा जेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस ने नगर में बीते दिनों हुई तीन चोरी की वारदात के आरोपी तबरेज खान को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता अर्जित की है। जिसमें पुलिस ने आरोपी को न्यायालय पेश किया जहां न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया।

इसमें तबरेज खान ने नगर के दो प्रतिष्ठान और एक मंदिर में चोरी की घटना करना स्वीकार किया है। जिसमें पुलिस के द्वारा विवेचना की जा रही है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के विभिन्न स्थानों पर छोटी बड़ी चोरी की वारदात हुई थी जिसमें लगातार पुलिस के द्वारा पतासाजी की जा रही थी। ऐसे में बस स्टैंड में महात्मा गांधी कांप्लेक्स के पीछे स्थित कायनात होटल में १३ जनवरी की रात्रि में होटल संचालक के द्वारा होटल बंद कर दी गई। जहां काउंटर पर प्रतिदिन की तरह सुबह सामग्री लाने के लिए नकद राशि काउंटर के ड्राज में रख दी गई थी। इसके बाद होटल बंद कर सभी अपने घर चले गए १४ जनवरी की सुबह होटल में सो रहे कर्मचारी सुबह उठकर देखे तो काउंटर के सभी ड्राज खुले हुए थे और कुर्सियां बिखरी थी। जिसकी सूचना उनके द्वारा तत्काल होटल संचालक को दी गई जिसने होटल में आकर देखा तो ड्राज में रखे रुपए एवं मोबाइल गायब था। इसके बाद सीसीटीवी कैमरे को चेक किया गया तो रात करीब १.४५ बजे एक अज्ञात युवक आया जिसके द्वारा कुर्सियां हटाकर सरिया की सहायता से सभी ड्राज के लॉक तोड़कर देखा गया। जहां उसे रुपए और मोबाइल मिलने पर वह उसे निकाल चोरी कर भाग गया। वहीं उसी रात नगर के चौधरी हार्डवेयर में भी चोरी की वारदात हुई थी जहां लोहे के सरिया से ड्राज को तोड़कर चोरी की गई थी। जिसमें पुलिस के द्वारा कायनात होटल के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर युवक की पताशाजी प्रारंभ की गई। जिसकी पहचान तबरेज पिता महेमूद खान १९ वर्ष वार्ड नं. ३ सम्राट नगर वारासिवनी निवासी के रूप में की गई। जिसे गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ करने पर उसके द्वारा कायनात होटल, चौधरी हार्डवेयर एवं सिद्ध श्री जागृत हनुमान मंदिर जोड़ा पीपल की दान पेटी में बहुत पहले चोरी करने की वारदात स्वीकार की गई। इसमें पुलिस ने तबरेज खान के पास से कायनात होटल की सरिया मोबाईल ३०१० रुपए नकद, चौधरी हार्डवेयर के नकद ४०० रूपये एवं मंदिर जोड़ा पीपल हनुमान मंदिर दान पेटी के १३०० रुपए बरामद कर जप्त किये हैं। वहीं पुलिस के द्वारा तीनों अपराधों में तबरेज खान को गिरफ्तार कर वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया। उक्त मामलों में पुलिस के द्वारा विवेचना की जा रही है।

ट्रेन में बैटरी की स्पार्किंग हुई यात्रियों में मची आग लगने की अफरा-तफरी

ट्रेन स्टाफ ने अग्निशामक सिलेंडर से पाया आग पर काबू

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी कटंगी मार्ग पर स्थित ग्राम शेरपार की रेलवे क्रॉसिंग पर 18 जनवरी की सुबह करीब 10.30 बजे अचानक ट्रेन के इंजन में धुंआ निकलने से आग लगने का अंदेशा हुआ.तत्काल चालक के द्वारा रोका गया। यात्री घबरा कर ट्रेन से उतर गए . धुंआ निकलते देख ट्रेन में सवार स्टाफ के द्वारा समय रहते इंजन से निकल रहे धुएं को अग्निशामक सिलेंडर के माध्यम से समय रहते काबू किया गया। जिसके बाद आगे की यात्रा ट्रेन ने तय की।

शेरपार रेल्वे क्रांसिंग पर हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया, बालाघाट, वारासिवनी, कटंगी, तिरोड़ी के लिए प्रतिदिन रेल सेवा संचालित की जाती है। जहां सुबह से रात तक विभिन्न शेड्यूल पर ट्रेनों का आवागमन बना रहता है। ऐसे ही सुबह गोंदिया से एक ट्रेन छुटी जो बालाघाट होते हुए वारासिवनी पहुंची और यहां से कटंगी के लिए रवाना हो गई। इसी बीच वारासिवनी से कटंगी के मध्य ग्राम शेरपार की रेलवे क्रॉसिंग के पहले अचानक इंजन से धुआँ निकलते हुए देखा गया। जिस पर चालक के द्वारा रेलवे क्रॉसिंग के पास में ट्रेन को रोक दिया गया तभी इंजन से तेजी से धुआँ बाहर निकलने लगा। मौके पर ट्रेन में सवार स्टाफ के द्वारा धुआँ निकल रहे स्थान की जांच की गई जहां आग लगी हुई थी। जिस पर तत्काल अग्निशामक सिलेंडर लेकर कर्मचारी पहुंचा और तत्काल उसने इंजन में आग लगने वाले स्थान पर अग्निशामक की सहायता से स्पार्किंग पर काबू पा लिया गया।

इनका कहना हैं

हम गोंदिया से इस ट्रेन के माध्यम से आ रहे हैं। यहां पर ट्रेन में अचानक आग लग गई और बहुत ज्यादा धुआँ निकालने लगा। तो यह देखकर हम बाहर खड़े हैं यह घटना यही शेरपार चौकी पर हुई है। अब हम यात्री लोग परेशान हो रहे हैं विभाग को सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए।

अजबलाल लिल्हारे
यात्री

मौखिक चर्चा में बताया कि शेरपार क्रॉसिंग के पास ट्रेन की बैटरी में थोड़ी स्पार्किंग हो गई थी। बाकी कुछ नहीं हुआ है वह ट्रेन आगे यात्रियों को छोडने के बाद गोंदिया के लिए वापस भी चल गई है।

अमन कुमार
स्टेशन मास्टर वारासिवनी

ग्राम येरवाघाट में श्रीमद् भागवत महापुराण महोत्सव कथा का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/ कटंगी। कटंगी एवं वारासिवनी तहसील के ग्राम येरवाघाट और दिनेरा में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण एवं भक्ति ज्ञान यज्ञ महोत्सव का समापन हुआ। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। ग्राम येरवाघाट में कथा वाचन साध्वी चेतना गिरी अमृतसर पंजाब तथा ग्राम दिनेरा में पूज्य देवी पूजा किशोरी श्रीधाम वृंदावन के सानिध्य में किया गया। आयोजन स्थल पर प्रतिदिन प्रात: एवं सायंकाल कथा प्रवचन आयोजित किए गए। महोत्सव के अंतिम दिन श्रीमद् भागवत महापुराण का विश्राम हवन एवं महाप्रसादी का आयोजन हुआ। जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। ग्राम वासियों और आयोजन समिति के सहयोग से यह आयोजन सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। जिससे क्षेत्र में धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण सुदृढ़ हुआ। विधायक गौरव पारधी दोनों ग्रामों में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए। उन्होंने व्यासपीठ का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा भक्तों के साथ पंडाल में बैठकर कथा श्रवण किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से संवाद भी किया और धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज में सकारात्मक वातावरण बनने की बात कही। इस दौरान सरपंच येरवाघाट श्रीमती कंचना रामप्रसाद सिंदराम, संतोष लिल्हारे, डिलेश्वर डहारे, तुलाराम लिल्हारे, कंकर मसखरे, गणेश लिल्हारे, दिनेश लिल्हारे, हितेश नगपूरे ,सुनील बिसेन, पप्पू पटले, शैलेश पटले ,सुरेश पटले ,दिलीप बिसेन ,सत्यम बिसेन ,गुड्डू पटले, विष्णु हनवत सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विधायक गौरव सिंह पारधी ने व्यासपीठ का आशीर्वाद प्राप्त किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक सोच, आपसी सद्भाव और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति के द्वारा आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धार्मिक आयोजनों के लिए उनका सहयोग सदैव रहेगा। जिससे क्षेत्र में सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो सके और युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिले।

चंदोरी शिव मंदिर में चोरी के आरोपी को न्यायालय ने भेजा जेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर ८ चंदोरी के शंकर तालाब स्थित शिव मंदिर में हुई चोरी के अपराध में पुलिस ने आरोपी उमेश द्विवेदी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवेंद्र राठौर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि मैं नगर के वार्ड नं.८ चंदोरी रहता हूं स्टेट बैंक वारासिवनी में नौकरी करता हूं। मेरे पडोस में शिवजी का मंदिर है जिसकी कोई समिति नहीं है। मैं तथा पडोस का संतोष पारधी, शिवा आशापुरे ,गुड्डू पटले, शैलेष राऊत, धानू लांजेवार सभी लोग मंदिर में पूजा पाठ एवं देखरेख करते है। १४ नवंबर को रात्रि करीबन १० बजे की बात है मंदिर का दरवाजा लगा कर सभी लोग अपने अपने घर चले गये थे। १५ नवंबर को प्रात: ६ बजे संतोष पारधी मंदिर में पूजा करने गये तो मंदिर में लगी तांबे की गुन्डी एवं शंकर जी के पिन्डी पर लगा तांबे का बना हुआ साप नहीं दिखा। तो उन्होने मुझे तथा गोंविद पंचेश्वर, सुशील चौरागडे, सोनेलाल हरदे, अनिल खैरवार को फोन करके हम लोगो को बतायें की मंदिर में रखा समान नहीं है। तब हम सभी लोग मंदिर आये और मंदिर का सामान देखे तो मंदिर में रखी तांबे की गुन्डी शंकर जी की पिन्डी पर रखा तांबे का सांप एवं चांदी की पार्वती जी, लक्ष्मीजी एवं पीतल की छोटी तीन मूर्तियां एवं तांबे के १० कलश नहीं थे। इस सामान की कीमत करीबन ७००० रूपये है। तब हम लोगो ने इधर उधर पता किये लेकिन कही कोई पता नहीं चला। मंदिर का सामान किसी अजात चोर के द्वारा चोरी कर ले गया है। घटना में पुलिस के द्वारा भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी वहीं सरगर्मी से अपराधी का पता किया जा रहा था। तभी १६ जनवरी को ग्रामीणों के द्वारा उमेश पिता स्व. जानकी प्रसाद द्विवेदी ४० वर्ष वार्ड नं.८ निवासी पर संदेह व्यक्त होने पर थाने में लाकर उसे पुलिस के सुपुर्द किया गया। जहां पुलिस ने उक्त व्यक्ति से पूछताछ की जिसने चोरी करना स्वीकार किया और पुलिस के द्वारा सामान भी आरोपी के कब्जे से बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने उमेश द्विवेदी को गिरफ्तार कर १७ जनवरी को वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया। उक्त मामले में पुलिस के द्वारा विवेचना की जा रही है।

आवश्यकता है

वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है

स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता

- संपर्क करें -

पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

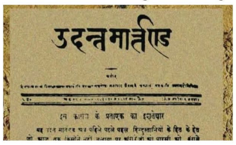

महाराष्ट्र के महारथी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सत्ता हासिल करने के ठीक एक साल बाद बीएमसी समेत नगर निगमों के चुनाव में हुई भारी जीत पर यदि भाजपा-शिंदे सेना गठबंधन फूला नहीं समा रहा, तो इसे समझा जा सकता है, क्योंकि जिन 29 स्थानीय निकायों में मतदान हुए, उनमें से अधिकांश में महायुति ने जीत दर्ज कर जमीनी स्तर पर अपना दबदबा दिखाते हुए ठाकरे बंधुओं और पवार की योजना पर पानी फेर दिया है। हैरान करने वाला प्रदर्शन तो असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम का रहा, जिसने न सिर्फ समाजवादी पार्टी को पीछे छोड़ दिया, बल्कि कई जगहों पर कांग्रेस को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। भाजपा और शिवसेना के 227 सदस्यों वाली बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में जीत का मतलब है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) 25 वर्षों में पहली बार इस नगर निकाय की सत्ता में नहीं होगी। इन नतीजों से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि भाजपा ने महाराष्ट्र की राजनीति में न केवल अपना सिक्का जमा लिया है, बल्कि विपक्ष को भी किनारे लगा दिया है, जो 2024 के विधानसभा चुनावों में मिली हार से अब तक उबर नहीं सका था। भाजपा के इस दबदबे का मतलब है कि अब उसका प्रभाव केवल नागपुर या कुछ क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे महाराष्ट्र में फैल गया है। ये नतीजे न केवल विपक्ष को आत्ममंथन करने का संदेश देते हैं, बल्कि उसके सहयोगियों के लिए भी संकेत है कि अब उन्हें भाजपा को अपना बड़ा भाई मानने से कोई संकोच नहीं करना चाहिए। ऐसे समय में, जब ठाकरे बंधुओं और पुणे व पिंपरी-चिंचवड़ में पवार एवं उनके भतीजे की एकजुटता भी काम नहीं कर पाई, तो विपक्ष के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि अब उनकी रणनीति क्या होगी। इन नतीजों से यह भी स्पष्ट है कि मराठी बोट बैंक ठाकरे बंधुओं के हाथ से निकल गया है, जिनके समर्थक अक्सर उत्तर भारतीय लोगों के साथ दुर्व्यवहार पर उतर आते थे। देश के सबसे समृद्ध नगर निगम पर जिस दल का नियंत्रण होता है, वही मुंबई की राजनीति को आकार देने में अहम भूमिका निभाता है और अक्सर राज्य की राजनीति की दिशा को भी प्रभावित करता है। इस लिहाज से महाराष्ट्र के स्थानीय निकायों के चुनावी नतीजों ने भाजपा को राज्य की राजनीति में महारथी बना दिया है। नतीजों से निस्संदेह ठाकरे बंधुओं और पवार परिवार की रणनीति की कमजोरियां उजागर हुई हैं और मतदाताओं के साथ उनके जमीनी जुड़ाव पर प्रश्नचिह्न भी लगा है।

भू-राजनीतिक जादुई यथार्थवाद और मादुरो

-एस प्रसन्नराजन (संपादक, ओपन मैगजीन)

दक्षिण अमेरिका के क्रूर इतिहास की हवाओं में जादुई यथार्थवादी कहानियां तैरती हैं और कल्पना अब भी उसके कथित मुक्तिदाता तानाशाहों का घर है, मगर असलियत उतनी शानदार नहीं है। मादुरो के बिना दुनिया (ठीक वैसे ही जैसे सद्दाम के बिना) एक बेहतर जगह है।

सर्द लंदन, जहां मुख्यधारा के कंजर्वेटिव और लेबर दोनों दल जमे हुए हैं, जबकि दक्षिणपंथी और वामपंथी कट्टरपंथी लगातार उभर रहे हैं, यह सवाल पूछने के लिए एक अच्छी जगह है कि क्या निकोलस मादुरो उन विलापों के पात्र हैं, जो ज्यादातर नायकों से वंचित वामपंथियों की तरफ से किए जा रहे हैं। ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं है, क्योंकि ट्रंपवाद के खिलाफ लिखे गए पन्नों में प्रावदा (सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी का मुखपत्र) की झलक साफ दिखती है। प्रधानमंत्री सर कीर स्टार्मर घर पर तो पक्के समाजवादी हैं-अमीरों पर शिकंजा कसते हैं और उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता कि यदि वे उसी तेजी से द्वीप छोड़कर भाग जाते हैं, जिस तेजो से आप्रवासी नावें किनारों पर आती हैं-लेकिन वैश्विक मंच पर वे एक बेदाग नैतिकतावादी हैं।

यूक्रेन खुशकिस्मत है कि उसके पास सर कीर जैसा कोई रक्षक है, साथ ही उतने ही परेशान और साथी अंतरराष्ट्रवादी इमैनुएल मैक्रों भी हैं। वामपंथी विचारधारा के धुरंधरों के विपरीत, सर कीर ने मादुरों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया में बहुत सावधानी बरती, जिन्हें, सभी के अनुसार, सद्दाम हुसैन जैसा बर्ताव नहीं मिला पायजामे में उठाकर ले जाना और हथकड़ी लगाना, मकड़ी के बिल से बाहर निकाले जाने से कम अपमानजनक है, जहां उसके अपहरणकर्ता दाढ़ी वाले, बिखरे बालों वाले आदमी के खुले मुंह में झांक रहे थे, जिसने सत्ता में रहते हुए खुद को बाधवाद का नेबुचादनेजर (सबसे लंबे समय तक शासन करने वाला) बताया था।

स्टार्मर ने मादुरो के लिए सार्वजनिक रूप से आंसू नहीं बहाए, जैसा कि उन्होंने अला अब्देल फतह के लिए किया था, जिसने कुछ समय पहले यहूदियों को मारने और डाउनिंग स्ट्रीट को जलाने की बात कही थी। पछतावा करने वाले, नफरत फैलाने वाले और हाल ही में ब्रिटिश नागरिक बने इस व्यक्ति को अब्देल फतह अल-सिसी (मिस्र के राष्ट्रपति) के मिस्र से बहुत धूमधाम से घर लाया गया। मादुरो के मामले में, स्टार्मर बस अमेरिका के साथ खड़े रहे, और गिरफ्तारी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहा। पर ब्रिटेन की विपक्षी कंजर्वेटिव नेता केमी बेडेनोच ने ट्रंप की कार्रवाई को नैतिक रूप से सही बताकर अपनी दक्षिणपंथी विचारधारा वाली पहचान दिखाई है। ऐसा नहीं है कि हर कंजर्वेटिव उनकी तरह ही ट्रंप के योगदान की तारीफ करने में आगे था। नव-रूढ़िवादियों (नियोकॉन्स) के लिए, सत्ता बदलना एक विचारधारात्मक सोच थी। लेकिन अमेरिका को फिर से महान बनाने वाले (मागा) रूढ़िवादियों (कंजर्वेटिव्स) के लिए यह एक त्वरित साहसिक कार्य है, भले ही ट्रंप दावा करते हैं कि वह सिर्फ अपने 19वीं सदी के पूर्ववर्ती जेम्स मोनरी के सिद्धांत को अद्यतन कर रहे हैं, जो लैटिन अमेरिका को यूरोपीय उपनिवेशवाद से बचाना चाहते थे।

नया उपनिवेशवादी बीजिंग से नियंत्रित करता है। यह हमें एक ऐसे सवाल पर वापस लाता है, जो पक्के साम्राज्यवाद विरोधी लोगों को नाराज करेगा- क्या साम्राज्यवाद नैतिक मूल्यों वाला हो सकता है? नील फर्ग्यूसन जैसे उच्च कुलीन %शाही% इतिहासकार यह तर्क देंगे कि ब्रिटिश साम्राज्यवाद ने उपनिवेशों को आधुनिक बनाया, जबकि अमेरिका ने अपनी शाही जिम्मेदारियों को बुरी तरह से छोड़ दिया है। वह विस्तारवाद के लिए नहीं, बल्कि लागू किए गए आदर्शवाद की बात कर रहे थे।

हाल में, अमेरिका अपनी नैतिक जिम्मेदारियों की कीमत पर अपनी घरेलू चिंताओं में सिमट रहा था, जिसका सबसे अच्छा उदाहरण ओबामा और बाइडन के कार्यकालों में देखा जा सकता है। ट्रंप भी शुरुआत में दुनिया से दूर रहते थे, जब तक कि दुनिया ऐसा मैदान न हो, जहां वह अपने प्रतिद्वंद्वी

को धमका सकें। जैसा कि बेडेनोच कहती हैं, मादुरो के साथ उन्होंने साम्राज्यवाद को एक नैतिक संदर्भ दिया है, भले ही कुछ लोगों को यह तरीका गलत लगे। मादुरो के बिना दुनिया (ठीक वैसे ही जैसे सद्दाम के बिना) एक बेहतर जगह है। द रिपब्लिक ऑफ फियर (भय का गणराज्य) शब्द, जिसका इस्तेमाल असंतुष्ट लेखक कानन मकिया ने सद्दाम के इराक के लिए किया था, ऐसी किसी भी जगह पर लागू होता है, जहां यातना, भुखमरी, चुनाव में धांधली और बड़े पैमाने पर अमानवीयकरण के साधनों की देखरेख तानाशाह करता है। वामपंथ के उन रोमांटिक लोगों के लिए नहीं, जो बिना नायक वाली दुनिया में उदास होकर भटक रहे थे। लैटिन अमेरिका वह जगह थी, जहां उन्हें काफी वैचारिक हिम्मत मिल सकती थी, और जहां क्रांति एक शुद्ध थ्रिलर थी, जिसमें ऐसे क्रांतिकारी रहते थे, जो ईसा मसीह जैसे दिखते थे। अगर चे क्रांति के सर्वाधिक पूजे जाने वाले शहीद और पॉप कल्चर के सबसे ज्यादा बिकने वाले याद रखने लायक थे, तो सिगार पीने वाले शीर्ष नेता कास्त्रो ने सत्ता में रहते हुए सबसे बड़े साम्राज्यवाद विरोधी होने का रुतबा बनाए रखा। भले ही क्रांति को बनाए रखना सोशलिस्ट देश के लिए काफी मुश्किल था, फिर भी उन्होंने कम्युनिज्म की पहचान को जिंदा रखा, और दुनिया भर में वामपंथ को प्रेरित किया।

मादुरो के पूर्ववर्ती, ह्यूगो चावेज, कास्त्रो की नकल थे। चावेजवाद, व्यक्तिगत मिथक के इर्द-गिर्द बनाई गई वैचारिक प्रणाली, असल में, अमेरिका-विरोधी मर्दानगी थी, जिसमें मूल मुक्तिदाता सिमोन बोलिवर का आह्वान किया जाता था। चावेज ने ऐसे देश में खुद को कास्त्रो के हल्के संस्करण के तौर पर पेश किया, जो दुनिया के सबसे बड़े पेट्रोलियम भंडार होने के बावजूद आर्थिक रूप से टूट रहा था। लैटिन अमेरिका में हर तानाशाह ने मिथक बनाने की कला में महारत हासिल की, और वे सभी सिमोन बोलिवर का एक ताजा संस्करण बनना चाहते थे।

गेब्रियल गार्सिया मारखेज को अपनी किताब द जनरल इन हिज लेबिरिंध में बोलिवर को इन्सान जैसा दिखाने, उन्हें उनके विशाल ऐतिहासिक कद से छोटा दिखाने में काफी मेहनत करनी पड़ी। कहानियों ने लैटिन अमेरिका के क्रूर इतिहास को नया जीवन दिया है, और कल्पना अब भी उसके ठेठ मुक्तिदाता तानाशाहों का घर है, जैसे मारियो वर्गास ल्योसा की किताब द फीस्ट ऑफ द गोट में डोमिनिकन रिपब्लिक के राफेल टूजिलो। मगर असलियत उतनी शानदार नहीं है; यह उतनी ही अजीब है जितनी कि ट्रंप की नकल करने वाले मादुरो का %नार्को टेररिस्ट% के तौर पर खत्म होना, जिसे साम्राज्यवाद के फरिश्तों ने रात में छापा मारकर उसके घर से उठा लिया। शायद यह 21वीं सदी के लिए भू-राजनीतिक जादुई यथार्थवाद है।

अनंत में अर्थ की खोज

ब्रह्मांड ने हमें कोई अर्थ देकर नहीं भेजा है। हमारा जीवन सीमित व क्षणिक है और यही उसकी सबसे बड़ी सुंदरता है, क्योंकि जो अनंत होता है, वह अक्सर मूल्य खो देता है, वहीं जो क्षणभंगुर होता है, उसकी कीमत हमारे लिए ज्यादा होती है।

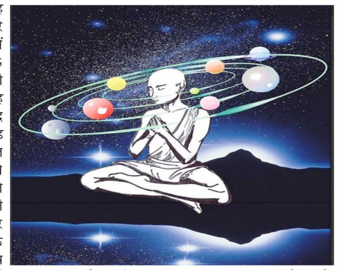

जब हम यह जानते हैं कि हमारे ब्रह्मांड में सैकड़ों अरब 5 आकाशगंगाएं फैली हुई हैं, और यह संभावना भी मौजूद है कि हमारा ब्रह्मांड स्वयं अनगिनत ब्रह्मांडों में से केवल एक है, तो हमारी पहली प्रतिक्रिया अक्सर यही होती है कि हमारा अस्तित्व कितना छोटा है। इतने विशाल ब्रह्मांड के सामने एक ग्रह, उस पर एक प्रजाति, और उसके भीतर एक व्यक्ति आखिर क्या मायने रख सकता है! लेकिन इसी भावना के भीतर एक और विचार जन्म लेता है, जो उतना ही गहरा और प्रेरक है।

ब्रह्मांड का अधिकांश हिस्सा निर्जीव, ठंडा, और जीवन के लिए प्रतिकूल है, पर उसी में जीवन का उभरना अपने आप में चमत्कार है। उस जीवन के भीतर चेतना का जन्म, यानी वह क्षमता कि हम सोच सकें, सवाल पूछ सकें, और तारों की ओर देखकर उनके अर्थ को समझने की कोशिश कर सकें, शायद ब्रह्मांड की सबसे दुर्लभ घटनाओं में से एक है।

ब्रह्मांड ने हमें कोई तय उद्देश्य देकर नहीं भेजा है। तारे हमारे लिए नहीं चमकते, न ही आकाशगंगाएं हमारे लिए घूमती हैं। हमारा जीवन सीमित है, क्षणिक है और यही उसकी सबसे बड़ी सुंदरता है, क्योंकि जो अनंत होता है, वह अक्सर मूल्य खो देता है, और जो क्षणभंगुर होता है, उसकी कीमत हमारे लिए ज्यादा होती है।

विज्ञान हमें यह बताता है कि हम कितने दुर्लभ हैं। इसी की बदौलत आज ब्रह्मांड स्वयं को हमारे माध्यम से देख और समझ पा रहा है। हम इसलिए विशेष नहीं हैं कि ब्रह्मांड हमारे चारों ओर घूमता है, बल्कि इसलिए कि हम उसे समझने की क्षमता रखते हैं। और यही समझ हमारे ऊपर एक जिम्मेदारी भी रखती है कि हम अपने जीवन की कद्र करें, एक-दूसरे का ख्याल रखें और इस नाजुक ग्रह की रक्षा करें।

ब्रह्मांड हमें यह नहीं बताता कि हमें क्या करना चाहिए, पर यह हमें स्पष्ट रूप से दिखाता है कि हमारे पास क्या है। शायद जीवन का अर्थ यही है कि इस असीम ब्रह्मांड के एक छोटे-से कोने में, जब तक हमें यह क्षण मिला है, हम इसे पूरी संवेदनशीलता और गहराई के साथ जिएं।

-ब्रायन कॉक्स

मुद्दा

अब हिमालय भी हांफ रहा है

- विजय सिंह रावत

आईसीमोड के 2025 के अध्ययन में पूर्वी हिमालय में ब्लैक कार्बन की बढ़ती सांद्रता के कारण बर्फ की गहराई में 30 से 40 फीसदी तक की कमी दर्ज की गई है।

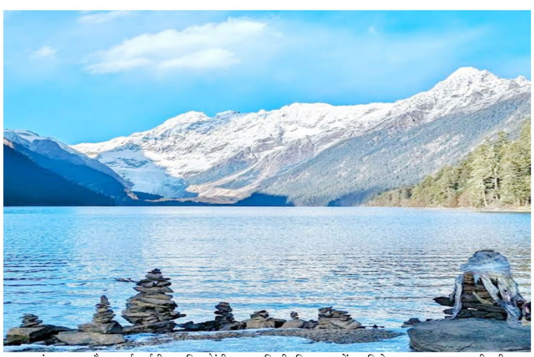

दिल्ली जैसे महानगरों की प्रदूषित हवा लोगों के स्वास्थ्य को तो नुकसान पहुंचा ही रही है, इन हवाओं का प्रदूषण हिमालय को भी बीमार कर रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, शहरी क्षेत्रों से उठने वाला वायु प्रदूषण सीमाओं को लांघकर हिमालय तक पहुंच रहा है। यह सीमापार प्रदूषण (ट्रांसबाउंडरी पॉल्यूशन) न केवल हिमालयी हिमनदों के पिघलने की गति को तेज कर रहा है, बल्कि पूरे क्षेत्र के जलवायु चक्रों को भी प्रभावित कर रहा है। काठमांडो स्थित आईसीमोड, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे तथा नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान अनुसंधान संस्थान (एरीज) के अध्ययनों के अनुसार, ब्लैक कार्बन हिमालयी बर्फ पर जमकर उसके परावर्तन गुण (एल्बीडो) को 20 से 30 फीसदी तक कम कर देता है। इससे सूर्य की अधिक ऊर्जा बर्फ द्वारा अवशोषित होने के कारण हिमनदों के पिघलने की दर तेज हो जाती है और हिमानी झील विस्फोट की घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। ब्लैक कार्बन वह सूक्ष्म कण है, जो डीजल, कोयला, लकड़ी और अन्य जैव ईंधनों के अपूर्ण दहन से उत्पन्न होता है। इसका आकार ढाई माइक्रोमीटर से भी कम होता है, जिससे यह लंबे समय तक वायुमंडल में बना रहता है और श्वसन के माध्यम से फेफड़ों तक पहुंच जाता है। आईआईटी, दिल्ली व कानपुर और टेरी के अध्ययनों के मुताबिक, दिल्ली जैसे महानगरों में ब्लैक कार्बन, पीएम 2.5 प्रदूषण का 10 से 30 प्रतिशत तक हिस्सा बनाता है। 2013 से 2023 तक के दशकीय विश्लेषण से यह भी सामने आया है कि केंद्रीय सिंधु-गंगा मैदान में ब्लैक कार्बन की औसत सांद्रता पांच से 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहती है, जो सर्दियों में लगभग दोगुनी हो जाती है। आईआईटीएम और अमेरिकी राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन के विश्लेषण के मुताबिक, नगरों से उठने वाले वायु द्रव्यमानों का 23 से 40 प्रतिशत हिस्सा हिमालयी जगहों तक पहुंचता है। धूल भरी आंधियां इस प्रक्रिया को और तेज कर देती हैं। आईसीमोड, स्विट्जरलैंड के ईटीएच ज्यूरिख और वाडिया संस्थान के अध्ययनों में पाया गया कि केंद्रीय व पश्चिमी हिमालय में ब्लैक कार्बन का 60 से 70 प्रतिशत हिस्सा जीवाश्म ईंधनों से आता है। वहीं, नासा के अनुसार, ब्लैक कार्बन की एक पतली परत भी बर्फ के एल्बीडो को पांच से 10 प्रतिशत तक घटा देती है, जिससे सतह का तापमान दो से चार डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है। आईसीमोड के 2025 के अध्ययन में पूर्वी हिमालय में ब्लैक कार्बन की बढ़ती सांद्रता के कारण बर्फ की गहराई में 30 से 40 फीसदी तक की कमी दर्ज की गई है। विश्व बैंक व आईसीमोड के अनुसार, ब्लैक कार्बन हिमनदों की वापसी को 20 से 25 प्रतिशत तक तेज कर रहा है, जिससे गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों के जल प्रवाह में अस्थिरता बढ़ रही है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि दक्षिण एशियाई देश उत्सर्जन मानकों को सख्ती से लागू करें, तो हिमालयी हिमनदों पर ब्लैक कार्बन का निक्षेपण लगभग 23 फीसदी तक कम किया जा सकता है। यूएनईपी के अनुसार, स्वच्छ ईंधनों का उपयोग, विद्युत वाहनों को बढ़ावा देकर और फसल अवशेष जलाने पर नियंत्रण से ब्लैक कार्बन उत्सर्जन को 50 से 80 फीसदी तक घटाया जा सकता है। हिमालय, जिसे एशिया का जलस्तंभकहा जाता है, को बचाने के लिए क्षेत्रीय सहयोग अब अनिवार्य हो गया है। आईसीमोड के अनुसार, ब्लैक कार्बन के अनियंत्रित उत्सर्जन से वर्ष 2050 तक हिमालयी बर्फ का 30 से 40 फीसदी हिस्सा नष्ट हो सकता है। शहरी प्रदूषण की यह छाया अब हिमालय की चोटियों पर गहरी होती जा रही है और समय रहते हस्तक्षेप ही इसका एकमात्र समाधान है।

तकनीक

एआई कभी कुछ नया नहीं खोज सकता

वास्तविक खोज के लिए तथ्यों को जोड़ने के बजाय नए व अप्रत्याशित ढंग से सोचना पड़ता है, जो एआई के बस की बात नहीं।

इटली के फ्लोरेंस शहर में, प्रसिद्ध फ्लोरेंस कैथेड्रल के ठीक सामने एक बहुत पुराना चर्च है, सैन जियोवानी का बैपटिस्टी। प्राचीन रोम की वास्तुकला की स्पष्ट छाया होने के बावजूद, यह आज भी एक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है कि किसने और किन परिस्थितियों में इसका निर्माण करवाया। 2020 की शुरुआत में मैंने इसकी ऐतिहासिक जड़ों की तलाश शुरू की। वर्षों तक दस्तावेजों को खंगालने और गहन शोध के बाद, मैं एक अहम निष्कर्ष पर पहुंचा। यह चर्च 1073 में पोप ग्रेगरी सप्तम के चुनाव के बाद, उनके ही नेतृत्व में बनवाय गया था। मेरा यह शेष उस समय पूरा हुआ, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और बड़े भाषा मॉडल अभी आम चर्चा का विषय नहीं बने थे।

हाल ही में, मेरे मन में यह सवाल उठने लगा है कि क्या आज का कोई चैटजीपीटी सरीखा एआई टूल ऐसे सदियों पुराने रहस्य को मुझसे ज्यादा तेजी से सुलझा सकता था? एक व्यक्तिगत प्रयोग के तौर पर मैंने अपनी खोज के अलग-अलग पहलुओं पर तीन एआई चैटवॉट-चैटजीपीटी, क्लाउड और जेमिनी को आजमाया। मेरा उद्देश्य यह जानना था कि क्या ये टूल वही सुराग पहचान पाते हैं. उनकी अहमियत समझ पाते हैं और उसी निष्कर्ष तक पहुंच पाते हैं, जिन तक में वर्षों की जांच के बाद पहुंचा था। नतीजा निराशाजनक रहा, क्योंकि चैटवॉट इसमें असफल साबित हुए।

हालांकि, ये एआई टूल बैपटिस्टी को उत्पत्ति से जुड़े जटिल व कठिन तथ्यों को समझने में सक्षम थे, लेकिन वे किसी नए विचार या मौलिक निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सके। उनमें वह बुनियादी गुण नहीं था, जो किसी खोज के लिए आवश्यक होता है।

इसके पीछे कई कारण हैं। दरअसल, बड़े लैंग्वेज मॉडल किसी भी इन्सान से कहीं ज्यादा पढ़ चुके होते हैं, पर जब एआई पढ़ता है, तो यह असल में अर्थ नहीं, बल्कि पैटर्न पहचानता है। ऐसे विचार, जो प्रचलित सोच को चुनौती देते हैं, अक्सर इस प्रक्रिया में छूट जाते हैं। जबकि वास्तविक खोज इन्हीं असामान्य बिंदुओं से जन्म लेती है। यदि में इन पर ध्यान न देता, तो शायद में भी कभी इस खोज तक नहीं पहुंच पाता। उदाहरण के तौर पर, फ्लोरेंस विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राइजो टिगलर की किताब टरकाना रोमनिका में बैपटिस्टी के निर्माण से जुड़े तर्क को अधिकांश विद्वान स्वीकार नहीं करते। जब मैंने चैटवॉट से वैपटिस्टी के रहस्य को सुलझाने के स्रोतों के बारे में पूछा, तो उन्होंने इस किताब का कोई जिक्र नहीं किया ।

सदियों तक यह माना जाता रहा कि 1059 में पोष निकोलस द्वितीय ने सैन जियोवानी के ब्रेपटिस्टी को पवित्र किया था। पर वास्तव में, इसका कोई ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। यह धारणा केवल दस्तावेजों से निकाले गए अनुमान पर आधारित है, जिनमें उस वर्ष पोप निकोलस द्वितीय की अन्य फ्लोरेंटाइन चर्चों से जुड़ी गतिविधियों का उल्लेख मिलता है। जब मैंने एआई चैटवॉट्स से कहा कि वे इस विसंगति को पहचानने की कोशिश करें, तो नतीजे चौंकाने वाले थे। चैटजीपीटी और क्लाउड इस विरोधाभास तक तो पहुंच गए, लेकिन वे यह समझने में असफल रहे कि यह तथ्य संदिग्ध जयों है। वहीं जेमिनी ने तो ऐसे सबूत ही गढ़ दिए, जिनसे यह भ्रम दूर होता हुआ प्रतीत होने लगा। किसी भी शोध के लिए यह एक नया एआई एजेंटिक ट्स है. जिसे एंथ्रोपिक कंपनी ने विकसित किया है। यह साधारण चैटबॉट्स से अलग है, क्योंकि यह सिर्फ सलाह नहीं देगा, बल्कि एक डिजिटल सहकर्मी की तरह उपयोगकर्ताओं के लिए काम भी कर सकता है। उपयोगकतां इसे अपने कंप्यूटर के किसी खास फोल्डर का एक्सेस दे सकते हैं। यह उस फोल्डर की फाइल्स को पढ़कर उसे एडिट कर सकता है और नई फाइल्स बना भी सकता है। जब इसे कोई काम सौंपा जाता है, तो यह खुद एक योजना बनाकर चरण-दर-चरण प्रक्रिया तय करके काम पूरा करता है। इसके लिए कोटिंग सीखने की जरूरत नहीं है। उपयोगकर्ता इसे हिंदी या अंग्रेजी में निर्देश दे सकते हैं। तीन बातें जरूरी होती हैं-स्थिति का सटीक आकलन, समस्या की पहचान करना और यह स्पष्ट करना कि वह क्यों गंभीर है? बड़े भाषा मॉडल इन तीनों स्तरों पर संघर्ष करते दिखाई दिए। वास्तव में, इस रहस्य की असली कुंजी बैपटिस्टी की वास्तुकला में ही छिपी थी कि इसे किसने बनाया था। दरअसल, इसकी संरचना प्राचीन रोम के पेंवियन से गहराई से प्रेरित है। यह इमारत ठीक उसी प्रकार की चर्च वास्तुकला थी, जिसे ग्रेगरी सप्तम बढ़ावा देना चाहते थे।

-एलन डैनजिगर (द न्यूयॉर्क टाइम्स)

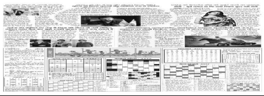

एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 31 करोड़ व इंफोसिस का 39 करोड़ बढ़ा

मुंबई। एजेंसी। बीएसई की शीर्ष 10 कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इंफोसिस के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह जबरदस्त तेजी देखी गई। सार्वजनिक क्षेत्र के एसबीआई का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) एक सप्ताह में 39,046 करोड़ रुपये बढ़ा। वहीं आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंफोसिस का एमकैप 31,015 करोड़ रुपये बढ़ गया। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण भी 5,795 करोड़ रुपये बढ़ा, जिससे इन बैंकों और आईटी कंपनियों की मजबूती का संकेत मिला। शीर्ष 10 कंपनियों में शामिल अन्य सात कंपनियों को बाजार पूंजीकरण के मामले में नुकसान उठाना पड़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 23,952 करोड़ रुपये और निर्माण एवं अभियांत्रिकी क्षेत्र की एलएंडटी का 23,502 करोड़ रुपये घट गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 11,615 करोड़ रुपये गिर गया। इसी तरह, भारती एयरटेल का 6,443 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस का 6,254 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण एमकैप 3,313 करोड़ रुपये कम हुआ, जबकि टीसीएस का 470 करोड़ रुपये घटा। बाजार पूंजीकरण के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे आगे है, जिसका कुल बाजार पूंजीकरण 19,72,493 करोड़ रुपये है। एचडीएफसी बैंक 14,32,535 करोड़ रुपये के साथ दूसरे और टीसीएस 11,60,212 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर है।

1000 रुपए के पार जा सकता है जस्ट डायल का शेयर

मुंबई। एजेंसी। शेयर बाजार में मुकेश अंबानी की कंपनियों से जुड़ा कोई भी स्टॉक निवेशकों के बीच खास आकर्षण रखता है। ऐसी ही एक कंपनी है जस्ट डायल लिमिटेड, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) की बड़ी हिस्सेदारी है। शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार रिलायंस रिटेल के पास जस्ट डायल के 5,42,89,574 शेयर यानी 63.84 फीसदी हिस्सेदारी है। इस तरह कंपनी का नियंत्रण पूरी तरह मुकेश अंबानी समूह के पास है। वर्तमान में जस्ट डायल का शेयर 718.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बीते शुक्रवार को इंट्रा-डे में शेयर 749 रुपये तक पहुंच गया था। स्टॉक का 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर 1,049.85 रुपये है। ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने स्टॉक पर अपनी बाय रेटिंग बरकरार रखी है और इसका नया टारगेट प्राइस 1,060 रुपये तय किया है, जो पहले के 1,050 रुपये से थोड़ा अधिक है। वित्त वर्ष 26-28 के लिए ब्रोकरेज ने रेवेन्यू अनुमानों में मामूली बदलाव किया है, जबकि एबिडा मार्जिन के अनुमान में 37-71 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी की है। वहीं सिटी ब्रोकरेज ने भी स्टॉक पर बाय रेटिंग बनाए रखी है, लेकिन लगातार ट्रैफिक में गिरावट के चलते वैल्यूएशन मल्टीपल को 12 गुना से घटाकर 10 गुना कर दिया है। सिटी का टारगेट प्राइस 1,000 रुपये है। दिसंबर तिमाही में जस्ट डायल का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 10.2 फीसदी घटकर 117.9 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, पिछली तिमाही के मुकाबले प्रॉफिट में 1.2 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान नए लेबर कोड से जुड़ी सर्विस कॉस्ट के कारण 21 करोड़ रुपये के एकमुश्त खर्च का असर पड़ा। अगर यह खर्च नहीं होता तो प्रॉफिट करीब 139 करोड़ रुपये होता है। कंपनी का तिमाही रेवेन्यू करीब 303 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा। कुल ट्रैफिक 14.5 करोड़ यूनिक विजिटर्स रहा, जिसमें मोबाइल प्लेटफॉर्म की हिस्सेदारी 86.2 फीसदी रही।

तेल-तिलहन बाजार में मजबूती, सोयाबीन की कीमत में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। एजेंसी। देश के तेल-तिलहन बाजार ने बीते सप्ताह मजबूती का रुख दिखाया। विदेशी बाजारों में सुधार, रुपये के कमजोर होने और जाड़े व शादी-विवाह के मौसम में बढ़ी मांग ने दामों को ऊंचा धकेला। विशेषज्ञों का कहना है कि सोयाबीन, सरसों, मूंगफली और सूरजमुखी में यह मजबूती घरेलू और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर है। महाराष्ट्र में मांग बढ़ने और किसानों की बिक्री घटने के कारण सोयाबीन के दाम 100 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाए गए। हाजिर भाव लगभग 5,300 रुपए क्विंटल है, जबकि एमएसपी 5,328 रुपए क्विंटल है। सोयाबीन की बढ़ती मांग और आयात में कमी ने इसे बाजार में मजबूत बनाए रखा। सरसों की पैदावार अच्छी रही, लेकिन उच्च दाम और आगामी खड़ी फसल के कारण उठाव सीमित रहा। मूंगफली और सूरजमुखी के दाम अभी भी एमएसपी से नीचे हैं। जाड़े में साबुत खाने वालों और उच्च गुणवत्ता वाले तेल की मांग से मूंगफली तेल में हल्का सुधार देखा गया। सरकार ने पाम तेल का आयात शुल्क 41 रुपये क्विंटल और सोयाबीन डीगम का आयात शुल्क 24 रुपये क्विंटल बढ़ाया। रुपये के कमजोर होने से आयातित तेल महंगा हुआ, जिससे घरेलू दाम मजबूती पाई। बीते सप्ताह सरसों दाना 85 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,075 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 175 रुपये के सुधार के साथ 14,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,435-2,535 रुपये और 2,435-2,580 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश- 290-290 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 5,400-5,450 रुपये और 5,100-5,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 200 रुपये के सुधार के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 13,700 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 200 रुपये के सुधार के साथ 11,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन 100 रुपये के सुधार के साथ 6,675-7,050 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये के सुधार के साथ 16,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 45 रुपये के सुधार के साथ 2,575-2,875 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। बीते सप्ताह दाम ऊंचा बोले जाने की वजह से समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 11,600 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपये के सुधार के साथ 13,500 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 100 रुपये के सुधार के साथ 12,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। तेजी के आम रुख के बीच, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल के दाम भी 300 रुपये सुधार के

वैश्विक संकेत और कंपनियों के तिमाही नतीजे तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

अमेरिकी आर्थिक आंकड़े, बेरोजगारी के दावे और पीएमआई पर आधारित आंकड़े भी बाजार को प्रभावित करेंगे

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार इस सप्ताह विभिन्न कारकों से प्रभावित होगा, जिनमें प्रमुख तिमाही नतीजे, वैश्विक आर्थिक आंकड़े, और भू-राजनीतिक घटनाक्रम शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन सभी फैक्टर्स के आधार पर निवेशकों का रुख तय होगा। इस सप्ताह बड़ी कंपनियों के तिमाही परिणाम बाजार की दिशा तय करेंगे। शुरुआती दौर में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे प्रमुख दिग्गजों के नतीजे निवेशकों का ध्यान आकर्षित करेंगे। इसके बाद बीएचईएल, एलटीआईमाइंडट्री, पीएनबी, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस जैसे अन्य महत्वपूर्ण कंपनियों के तिमाही परिणामों

पर भी बाजार की प्रतिक्रियाएं देखी जाएंगी। अमेरिकी आर्थिक आंकड़े, जैसे कि जीडीपी वृद्धि दर, बेरोजगारी के दावे और पीएमआई (प्रचालनात्मक गतिविधि) पर आधारित आंकड़े भी इस सप्ताह भारतीय बाजार को प्रभावित कर सकते हैं। इन आंकड़ों से वैश्विक बाजार की धारणा और मुद्रा की गति पर असर पड़ेगा, जिससे भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। निवेशक इस सप्ताह भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भी विशेष ध्यान देंगे। यदि कोई महत्वपूर्ण घटनाएं घटित होती हैं, तो इसका असर बाजार पर पड़ सकता है। आम बजट के नजदीक आने से विभिन्न क्षेत्रों में बजट-पूर्व उम्मीदें हलचल पैदा कर सकती हैं। विशेष रूप से बैंकिंग, ऊर्जा, और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र पर इस हफ्ते अधिक गतिविधि हो सकती है।

जोनजुआ ओवरसीज ने किया बोनस शेयर का ऐलान

नई दिल्ली। एजेंसी। पेनी स्टॉक जोनजुआ ओवरसीज लिमिटेड ने अपने निवेशकों को बोनस शेयर देने का ऐलान किया है। कंपनी की ओर से योग्य शेयरधारकों को 40 शेयर पर 5 बोनस शेयर दिए जाएंगे। यह बोनस इश्यू उन निवेशकों के लिए होगा, जिनके पास रिकॉर्ड डेट तक कंपनी के शेयर होंगे। कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि इस बोनस इश्यू के लिए 23 जनवरी को रिकॉर्ड डेट तय की गई है। यानी इस तारीख तक जिन निवेशकों के डीमैट खाते में जोनजुआ ओवरसीज के शेयर मौजूद होंगे, वही बोनस शेयर पाने के हकदार होंगे। रिकॉर्ड डेट में अब बहुत कम समय बचा है। जोनजुआ इससे पहले भी कई बार बोनस शेयर जारी कर चुकी है- 2019 में 25 शेयर पर 1 बोनस शेयर, 2021 में 37 शेयर पर 5 बोनस शेयर, 2022 में 23 शेयर पर 4 बोनस शेयर और 2023 में 50 शेयर पर 9 बोनस शेयर। अब यह कंपनी का लगातार पांचवां बोनस इश्यू है। शुक्रवार को बाजार बंद होने के समय कंपनी का शेयर 8.08 फीसदी की तेजी के साथ 6.02 रुपए पर बंद हुआ। हालांकि, लंबी अवधि में स्टॉक का प्रदर्शन कमजोर रहा है। कंपनी का 52 सप्ताह हाई 12.38 रुपए और लो 5.51 रुपए रहा है। जोनजुआ ओवरसीज लिमिटेड का मौजूदा मार्केट कैप करीब 14.60 करोड़ रुपए है। लंबी अवधि में देखें तो स्टॉक ने निवेशकों को खास रिटर्न नहीं दिया है।

चेटजीपीटी में आएंगे पहली बार विज्ञापन, अमेरिका में ट्रायल शुरू

नई दिल्ली। एजेंसी। ओपनएआई ने घोषणा की है कि वह चेटजीपीटी में विज्ञापन को ट्रायल आधार पर पेश करने जा रहा है। यह परीक्षण फिलहाल केवल अमेरिका में रहने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए होगा। कंपनी के अनुसार विज्ञापन चैट के उत्तरों के ऊपर या नीचे दिखाई देंगे, लेकिन सीधे एआई के उत्तरों के अंदर शामिल नहीं किए जाएंगे। ओपनएआई ने साफ किया है कि विज्ञापन कभी भी चेटजीपीटी के जवाबों को प्रभावित नहीं करेंगे। कंपनी ने बताया कि विज्ञापन केवल वयस्क उपयोगकर्ताओं को ही दिखाए जाएंगे और वह भी तभी, जब चैट के विषय से जुड़ा कोई संबंधित स्पॉन्सर्ड उत्पाद या सेवा उपलब्ध होगी। 18 वर्ष से कम आयु के उपयोगकर्ताओं को किसी भी तरह के विज्ञापन नहीं दिखाए जाएंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और राजनीति जैसे संवेदनशील विषयों से जुड़े उत्तरों के आसपास विज्ञापन नहीं लगाए जाएंगे। ओपनएआई उपयोगकर्ताओं को यह सुविधा भी देगा कि वे जान सकें कि उन्हें कोई विशेष विज्ञापन क्यों दिखाया गया। कंपनी का कहना है कि यूज़र्स की निजता पूरी तरह सुरक्षित रहेगी और उनके चैट डेटा को विज्ञापनदाताओं के साथ साझा नहीं किया जाएगा। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने एक्स पर जानकारी दी कि यह विज्ञापन परीक्षण चेटजीपीटी के फ्री यूज़र्स और हाल ही में लॉन्च किए गए चेटजीपीटी गो प्लान (8 डॉलर प्रति माह) में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई लोग बिना सब्सक्रिप्शन के एआई टूल का इस्तेमाल करना चाहते हैं और विज्ञापन इस सुविधा को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। ओपनएआई आने वाले वर्षों में एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर पर एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक निवेश की योजना बना रहा है। कंपनी की सालाना आय 13 बिलियन डॉलर से अधिक बताई गई है। ओपनएआई का कहना है कि विज्ञापन, सब्सक्रिप्शन और एंटरप्राइज मॉडल के जरिए वह लागत और उपयोगकर्ता पहुंच के बीच संतुलन बनाना चाहता है। शुरुआती ट्रायल के बाद यूज़र्स की प्रतिक्रिया के आधार पर आगे की नीति तय की जाएगी।

मेष- आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में बढ़िया रहने वाला है। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा और आपको अपने कामों में भी अच्छी सफलता मिलेगी। किसी कोर्ट कचहरी से संबंधित मामले में भी आपको जीत मिलती दिख रही है। आप अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे, जिससे आपको एक पहचान मिलेगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको किसी सामाजिक आयोजन में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा, जहां आपको किसी सम्मान की प्राप्ति भी हो सकती है। आप अपने जीवन साथी के लिए कोई उपहार लेकर आएंगे और अपने रिश्ते में चल रही समस्याओं को भी बातचीत के जरिए दूर करेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में अपने बॉस से किसी काम को लेकर डांट खानी पड़ सकती है, इसलिए आप अपना पूरा फोकस काम पर रखें। किसी के प्रति ईर्ष्या द्वेष की भावना अपने मन में ना रखें। मित्रों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा और आपका कोई अपना आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है, जिसे लेकर आप लंबे समय से परेशान थे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सुखद परिणाम लेकर आएगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला आपकी टेंशनों को बढ़ा सकता है। आपको भाइयों की मदद से कोई उपहार प्राप्त हो सकता है। आपकी अपनी माताजी से किसी बात को लेकर कोई गलतफहमी उत्पन्न हो सकती है। यदि ऐसा हो, तो आप उसे मिल बैठकर दूर करने की कोशिश करें।

सिंह- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा और आपकी बिजनेस को लेकर कोई पार्टनरशिप हो सकती है। संतान को किसी नई नौकरी की प्राप्ति होने से आपका मन काफी खुश रहेगा, लेकिन आप किसी प्रकार का कोई जोखिम लेने से बचें। अविवाहित जातकों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए साहस व पराक्रम में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको कुछ नया करने की इच्छा जागृत होगी, जिससे आप अपने बिजनेस में कुछ बदलाव करने की सोचेंगे। विद्यार्थी शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और संतान ने यदि किसी परीक्षा को दिया था, तो उसके परिणाम आ सकते हैं। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा। आपको अपने परिवार के सदस्यों का पूरा सहयोग मिलेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए शौक मौज की चीजों में वृद्धि लेकर आने वाला है। वरिष्ठ सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपको किसी काम को लेकर बेवजह यात्रा पर जाना पड़ सकता है, इसमें आपको अपने सामानों पर पूरा ध्यान देना होगा। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। कोई निवेश आप थोड़ा सोच समझकर करें और किसी एक्सपर्ट की सलाह लेकर ही करें।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए बुद्धि व विवेक से निर्णय लेने के लिए रहेगा। आप अपनी घरेलू जरूरतों को लेकर लापरवाही ना करें। वैवाहिक जीवन में आपको कुछ समस्याएं महसूस होंगी, इसलिए आपको तालमेल बनकर चलना होगा। परिवार में किसी सदस्य को रिटायरमेंट मिलने से उनके लिए सरप्राइज पार्टी का आयोजन हो सकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपको आवेश में आकर कोई निर्णय लेने से बचना होगा और आपके विरोधी भी आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे। आप किसी नए घर की खरीदारी की यदि योजना बना रहे थे, तो आपको उसमें जरूरी कागजातों पर पूरा ध्यान देना होगा। आप यदि ऑनलाइन काम करते हैं, तो उसमें पूरी समझदारी से ही आगे बढ़ें। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को अच्छा मुनाफा मिलेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। व्यवसाय में आज किसी तकनीकी समस्या के कारण आपके काम में रुकावट आएंगी। आपको यदि किसी काम को लेकर कोई समस्या महसूस हो, तो आप उसमें बिल्कुल आगे ना बढ़ें। आपकी जिम्मेदारियां अधिक रहेंगी, जिससे आपको टेंशन भी होगी। आप अपने तनाव को कम करने के लिए कहीं बाहर जा सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से अटके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा और आप अपनी इनकम को बढाने पर भी पूरा ध्यान देंगे। किसी पैतृक संपत्ति से आपको लाभ मिल सकता है और कोई कानूनी मामला यदि आपका लंबे समय से विवाहित था, तो उसमें भी फैसला आपके पक्ष में आने की संभावना है। कार्य क्षेत्र में आपको अपने ओर से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। कामकाज से जुड़े मामले बेहतर रहेंगे। आपका कोई मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है। आपका यदि कोई बात को लेकर मन परेशान चल रहा था, तो उसको आप अपने जीवनसाथी से सलाह मशवरा कर सकते हैं। संतान की नौकरी को लेकर आपको भाग दौड़ हो सकती है।

शब्दजाल - 8145

शब्दजाल में दस गायक एवं गायिकाओं के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

गं	रा	जें	द्र	कु	मा	मो.	वा	ज	के.	यी
द	कि	ल	प्रे	व	जी	र	द	ह	ए	रा
वि	स	शो	म	त	ह	फी	म	ल	ल.	म
मि	स	स	र	दि	ल	ज	ध	क	स	दु
म	आ	चि	ग	कु	ज	त	तू	प	ह	प
हें	ल	न	र	दि	मा	उ	म	व	ग	मु
द्र	व	दे	फ्यू	जी	प	र	ज	ह	ल	के
क	एं	व	ई	द	ब	ई	डू	ए	मू	श
पू	ड	ब	फू	आ	शा	भो	स	ले	शी	द
र	गॉ	र्म	प	ल	ता	मं	गे	श	क	र
वि	ज	न	म	न्ना	डे	डि	त	ब	प	म

मो.रफी, किशोर कुमार, मुकेश, महेंद्र कपूर, मन्ना डे, तलत महमूद, सचिनदेव बर्मन, लता मंगेशकर, आशा भोसले, के.एल.सहगल

शब्दजाल - 8144 का हल

रा	क	ल	ट्री	म	बि	हा	र	सी	ल	ज
र	ज	ल	दे	क्रां	हि	झ	इं	म	ट	वा
त	स	स्था	ल	र्म	मा	रा	रा	हा	ख	द
म	ज	ज	न	पु	च	रा	प	रा	ली	ब
म	ध्य	दो	ग	ल्ला	ल	क	तू	ष्ट्र	झ	उ
स	क	प्र	प	ह	प्र	र्ना	ना	ता	घ	त्त
गु	अ	स	दे	या	दे	ट	श	ज	ला	र
पे	ज	दा	ई	श	श	क	फ	रा	श	प्र
स	बा	रा	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	दे
त्ता	पा	ला	त	शो	पं	जा	ब	ल	स्त्री	श
ह	रा	जी	व	गां	धी	उ	ड़ी	सा	म	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

19 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मकर में	मकर	06.25 बजे से
चंद्र	मकर में	कुंभ	08.16 बजे से
मंगल	मकर में	मीन	09.48 बजे से
बुध	मकर में	मेष	11.19 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	12.59 बजे से
शुक्र	मकर में	मिथुन	14.57 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	17.11 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	19.27 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	21.39 बजे से
राहुकाल		तुला	23.49 बजे से
7.30 से 9.00		वृश्चिक	02.04 ब.से
बजे तक		धनु	04.20 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 19 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 02.15 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 11.53 बजे को समाप्त। **योग** वज्र 20.45 बजे को समाप्त। **करण** किस्तुघ्न 13.51 बजे तदनन्तर बव 02.15 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 0.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 20° 23'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872594
जूलियन दिन 2461059.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब
तारीख 29
विशेष गुप्त नवरात्रि प्रारम्भ।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः राजा की प्रशंसा

लगभग डेढ़ हजार साल पहले बोधिधर्म नामक एक भिक्षु चीन की यात्रा पर गया। वहां का राजा वू बहुत ही धार्मिक प्रवृत्ति का था। उसने बहुत से मंदिर व मूर्तियां बनवाई हुई थीं। लोग राजा वू की प्रशंसा करते नहीं थकते थे। जब वू को पता चला कि भारत से कोई बौद्ध भिक्षु आए हैं, तो वह मिलने पहुंचा। उसने बोधिधर्म से पूछा, 'हे बोधि, मैंने इतने मंदिर बनवाए, मूर्तियां बनवाईं, धर्म के लिए अथाह पैसा बहाया, लेकिन मुझे यह सब करने से क्या मिलेगा?' राजा वू का प्रश्न सुनकर बोधिधर्म मुस्कुराते हुए बोले, 'कुछ भी नहीं।' सुन कर राजा चकित रह गया। उसने सोचा था कि उसे खूब वाहवाही मिलेगी। अभी तक जिन भिक्षुओं से भी उसकी बातचीत हुई थी, सभी ने उसकी मुक्त कंठ से सराहना की थी और उसकी दान भावना को सराहा था। वू ने बोधिधर्म का जवाब सुनकर पूछा, 'ऐसा क्यों? मैं धार्मिक व्यक्ति हूं। खुले हाथों से दान करता हूं। मंदिरों व धार्मिक कार्यों के लिए धन देने में किसी भी बाधा की परवाह नहीं करता। फिर आपने ऐसा क्यों कहा?' उसकी बात पर बोधिधर्म बोले, 'इसलिए क्योंकि यह सब कुछ तुमने अपनी प्रशंसा व स्वार्थ के ध्येय से किया है, श्रद्धावश नहीं किया। श्रद्धावश किया होता तो मन में यह प्रश्न ही नहीं उठता कि मुझे क्या मिलेगा। राजा ने पूछा, तब मुझे क्या करना चाहिए? बोधिधर्म ने समझाया, अपने मन से पूछो कि क्या तुम अपनी प्रजा की प्रसन्नता के लिए व्याकुल रहते हो, उनकी मदद को आतुर रहते हो। भला ईश्वर को मंदिरों या मूर्तियों का क्या मोह? सच्चे मन से याद करो तो एक निर्धन-लाचार में भी नारायण के दर्शन हो सकते हैं। ईश्वर तो कण-कण में है, उसे रूप देने की क्या आवश्यकता? मात्र ईश्वर का गुणगान करने से ही तुम धार्मिक सिद्ध नहीं हो जाते। बोधिधर्म की बातें सुनकर राजा वू की आंखें खुल गईं और उसने मंदिर बनवाने की जगह सच्चे दिल से प्रजा की सेवा करनी आरंभ कर दी।

फिल्म वर्ग पहेली- 7089

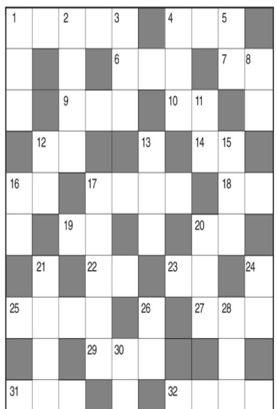

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरुख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 7088

बा	ग	बा	न		त्रि		धू	म
रू		द		स्व	दे	श		र्या
द	ला	ल			व		दा	दा
	ड़		प्या	सा		सी	मा	
दु	ला	रा		ज	ख्मी		द	म
श्म		ज	मी	न		ने		म
नी	तू		ना		म	हा	न	ता
		आ		दो	स्त		गी	
दि	ल	ज	ले			बे	ना	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7398

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7397 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 8613

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वरीय कृपा-4
4.कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6.दुर्बल का विलोम-3
8.सुनसान,नीरव-3
9.प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11.घोषवाक्य-2
13.चित्रपट,मायानगरी -3,2
15.सूर्य,भास्कर-2
16.उपनदी,कैनाल-3
18.व्यंग,परिहास-3
19.कौर,ग्रास-3
20.दफन करना-4
22.भूल,असावधानी-4

ऊपर से नीचे

1.अगुवा,रास्ता दिखाने वाला-4
2.सरुर,नशा,गरुर-2
3.चिंतन,विचारना-3
4.परजन भावना,गैरपन-5
5.भिड़ना,मुठभेड़-4
7.रेखा,लाईन-3
10.झाग बनना-5
12.सीमा,हद,बॉर्डर-4
14.शाखा,डाली-3
17.रिवाज,परंपरा-4
18.पाबंदी,रोक-3
21.स्वच्छ-2

शब्द पहेली -8612 का हल

ह	ज	र	त		क	र	त	ब
र	न		र	म	ल		था	ह
द			ल		म	त		ला
म	हा	न		म	ना	क	र	ना
		र		ना		रा		
हा	थ	मा	र	ना		र	स	द
स		ई	ख		र			ल
नि	त		वा	द	क		क	द
क	र	ब	ला		म	ल	म	ल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मंगलसिंह बुढानसाय मौत की अब तक अनसुलझी गुत्थी!!

मेरे बेटे की हत्या हुई है, परिजनों ने एसपी से लगाई गुहार होनी चाहिये निष्पक्ष जांच

पद्मेश न्यूज। लांजी।

पुलिस अनुभाग लांजी अन्तर्गत थाना बहेला क्षेत्र के कान्द्रीघाट दुर्गा मंदिर से लगभग 1 किमी दुर जंगल क्षेत्र में 7 अक्टूबर को एक शव बरामद होता है वह शव था मंगलसिंह पिता खुन्नूलाल बुढानसाय उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम सिरेगांव जो कि दशहरा पर्व दो अक्टूबर से लापता था, 6 अक्टूबर को मंगलसिंह की मोटर सायकल लांजी खैरागढ़ मार्ग पर कान्द्रीघाट बटालियन कैंप के पास बरामद हुई थी। तभी संदेह व्यक्त किया गया था कि मंगल का भी पता आसपास ही चलेगा हुआ भी वैसे ही मंगल सिंह का शव कान्द्रीघाट दुर्गा मंदिर से करीब 1 किमी दुर एक बडे से पैर में उंचे स्थान पर लटका हुआ था जहां बहेला पुलिस के द्वारा पंहुचकर शव को पेड़ से उतारकर शव का मर्ग पंचनामा कर मर्ग पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

आत्महत्या करने के पीछे कोई कारण होना चाहिये

इसी प्रकरण को लेकर शुरूवाती दौर से ही मंगल सिंह के परिजन उसके पिता खुन्नूलाल बुढानसाय, पत्नि, बच्चे, भाई सभी ने पुलिस अधीक्षक बालाघाट से इस पुरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुये मीडिया से चर्चा में कहा कि किसी भी व्यक्ति को आत्महत्या करने के लिये किसी कारण की आवश्यकता होती है। मंगल के साथ ऐसा कुछ घटित नही हुआ। घर मे कोई क्लेश नही, कोई परेशानी नही, अच्छा कमाता खाता, घर वालों का भी पोषण करता था, दो साल पहले अपने हाथ से घर बनाया था जो कि वह मिस्त्री था उसे सब काम आते थे। जिस दिन आत्महत्या बताई जा रही है वह भी दशहरे वाला दिन था बडे मजे खाना पिना खाकर हम बैठे थे। यह दुर्गा पण्डाल की ओर गया फिर वापस नही आया। लेकिन इन सब में ऐसी कोई परेशानी नही था जहां मंगल सिंह को आत्महत्या करने जैसा कोई कदम उठाना पडे यदि होता तो घर के लोगो, भाई, बेटी या पत्नि को तो पता ही रहता लेकिन किसी ने भी आत्महत्या करने जैसा कदम उठाने की बात नही की, गांव में भी मंगल सिंह को अच्छे से सब जानते थे वह बहुत ही मिलनसार और खुश रहने वाला व्यक्ति होना बताया जाता था। हर किसी ने इस बात से इंकार किया है मंगल सिंह आत्महत्या कर सकता है।

जिस मार्ग पर आज तक नही गया वहां कोई आत्महत्या करने क्यों जायेगा

इस आत्महत्या के पीछे कुछ वजह होगी यदि आप मंगलसिंह बुढानसाय का घर देखेंगे तो वह उनके खेत के आस पास ही एक टेकरी बना हुआ है खेत के पास से ही जंगल भी लगा हुआ है जहां बडे बडे पेड़ देखे जा सकते है। अब यदि मंगल सिंह को तो आत्महत्या ही करनी थी तो अपने गांव सिरेगांव से 40 से 50 किमी दुर कान्द्रीघाट के जंगल में क्यों गया, जबकि इसके पहले वह कभी भी इस रोड पर से गुजरा ही नही है। भाई ने बताया कि वह केवल गांव के आस आस पास मिस्त्री कार्य करता था अधिक से अधिक वह लांजी जाता था लेकिन कान्द्रीघाट की ओर कोई काम नही था। अब सवाल यह उठता है कि मंगलसिंह के घर के आस पास ही तमाम बडे पेड़ और जंगल है यदि उसे आत्महत्या करनी होती तो वह इतनी दुर यदि मरना ही था तो नही आता, घर के पास ही लगे जंगल मे कही भी फंदें मे लटक कर अपनी जान दे देता। लेकिन ऐसा नही हुआ वह घर से 40 से 50 किमी दुर एक घने जंगल मे आया, वहा भी उसने एक उंचा पेड़ चुना और आत्महत्या कर ली, जो कि यह संपूर्ण वाक्या किसी बनावट या पिक्चर के सीन जैसा लग रहा है। परिजनों ने इसी मुद्दे को लेकर भी संदेह उत्पन्न किया है अव्वल तो उसने आत्महत्या नही की है। इस संपूर्ण विषय पर पुलिस गंभीरता से दोबारा अनुसंधान करे और सभी तथ्यो के आधार पर कार्यवाही कर मेरे बेटे को न्याय दिलाया जाये।

घर से किस के साथ गया इसके भी गवाह

परिजनों ने संदेह व्यक्त कर पुलिस अधीक्षक को कुछ नाम भी बताये है जिनको लेकर शक संदेह व्याप्त होता है। पहले तो मंगल सिंह के परिजनो को नही पता था वह किस के साथ गया है लेकिन जब किसी गवाह दार ने बताया तो अब उनके द्वारा नाम भी लिया जा रहा है कि मंगलड्क्षसह किस के साथ घर से गया था। पुलिस को इन लोगो से भी पुछताछ करना चाहिये ताकि कोई तथ्य निकलकर सामने आये। यदि परिजन इतने आत्मविश्वास से बोल रहे है कि मंगलसिंह आत्महत्या नही कर सकता और वे इस मामले को पुलिस अधीक्षक के पास भी गुहार लगाने पंहुचे तो निश्चित रूप से कोई बात है। इस प्रकरण में पुलिस सभी तथ्यो को दोबारा खंगाल कर शुरूवाती दौर से अनुसंधान करे ताकि परिजनों को ऐसा ना लगे की पुलिस ने अपना काम पुरी तरह से नही किया है। बहुत विश्वास के साथ परिजनों ने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है कि संपूर्ण मामले की गंभीरता से जांच की जाये और यदि हमारे मंगल सिंह की हत्या की गई तो दोषियों के विरूद्ध कडी से कड़ी कार्यवाही होनी चाहिये।

एकल अभियान संच महिला समिति के द्वारा सरस्वती विद्यालय में हल्दी कुमकुम का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मकर संक्रांति के पावन पर्व से महिलाओं का विशेष कार्यक्रम या आयोजन हल्दी कुमकुम पर्व प्रारंभ हो जाता है जहां महिलाऐं एक दुसरे के घरो में या सार्वजनिक स्थलों पर हल्दी कुमकुम का आयोजन कर वाण रूपी भेंट दी जाती है। इसे महिलाओं का मिलन समारोह भी कहा जा सकता है। इसी कड़ी में 18 जनवरी को एकल अभियान संच महिला समिति के द्वारा दोपहर 2 बजे शाम 5 बजे तक विद्याभारती सरस्वती विद्यालय के सभागार में हल्दी कुमकुम पर्व का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम उपस्थित महिलाओं के द्वारा माँ सरस्वती एवं माँ भारती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर पूजन आरती की गई। इस हल्दी कुमकुम कार्यक्रम में लांजी नगर की समस्त महिलाऐं, एकत्रित हुई जहां इनके द्वारा माता रानी के विभिन्न भजन कीर्तन गायन किया गया, एक दुसरे को हल्दी कुमकुम लगाकर वाण रूपी भेंट देकर उक्त कार्यक्रम आयोजित किया अंत सभी साथ में स्वल्पाहार कर कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की। संपूर्ण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से हेमा वाधवानी ग्राम स्वराज अध्यक्ष बालाघाट, श्वेता सेठिया अंचल अध्यक्ष, सुरभि कारडा अंचल सदस्य, अल्का अग्रवाल, लांजी संच से वीणा उपराड़े अध्यक्ष, दुर्गा रामटेक्कर संच माता, ज्योति दुरूगकर, लक्ष्मी किरनापुरे, जितेन्द्री बडघैया, माधुरी सोनवाने, वंदना तिडके, रीना उपराड़े, छाया भण्डारकर, लता किरनापुरे, विनीता मोरघड़े, और पल्लवी खरगाल, नंदनी सेन, और जय कुँवर उपराडे, मनीषा धारने, केसर चन्ने, सोनम चौरसिया, लीला बाई मोरघड़े, वंदना वैष्णव, वैशाली हट्टेवॉर, अंजलि सिकन्दरपूरी, मंगला कटरे सहित सैकड़ो महिलाओं ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की तथा आदर्श महिला मण्डल के द्वारा भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एकल संच के द्वारा संचालित 21 विद्यालयों के प्राचार्य एवं दीदीयॉ उपस्थित रहे।

कारोपाट जंगल में आयोजित हुआ 'अनुभूति कार्यक्रम'

विद्यार्थियों ने वन भ्रमण, ट्रेकिंग का लिया प्रत्यक्ष अनुभव ली प्रतिज्ञा

पद्मेश न्यूज। कटंगी। दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के वन परिक्षेत्र कटंगी के समतपुरी बीट के कक्ष क्रमांक 765 कारोपाट में रविवार 18 जनवरी को अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति, वन और वन्य प्राणियों के महत्व से प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से परिचित कराना रहा। इस वर्ष 'हम हैं धरती के दूत' की थीम पर अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन हुआ और विद्यार्थियों को वन भ्रमण करवाया गया। मध्यप्रदेश वन विभाग, म.प्र. इको पर्यटन विकास बोर्ड, मध्यप्रदेश लघु वनोपज संघ और कैम्पा के संयुक्त प्रयास से यह कार्यक्रम चल रहा है। मुख्य वन संरक्षक गौरव चौधरी, वन मंडल अधिकारी नित्यानंदन एल के निर्देशन पर आयोजित हुए अनुभूति कार्यक्रम में सांदीपनि स्कूल, शासकीय हाईस्कूल देवरी, टेकाड़ी, सांवगी और माध्यमिक शाला समतपुरी के कुल 120 विद्यार्थी शामिल हुए। सुबह 08 बजे कारोपाट वन क्षेत्र में सभी विद्यार्थी अपने स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ एकत्रित हुए। जहां विद्यार्थियों को 04 अलग-अलग ग्रुपों में बांटा गया। अनुभूति कार्यक्रम की शुरुआत पक्षी दर्शन से हुई। विद्यार्थियों ने जंगल के भीतर पक्षी दर्शन किए उनकी आवाज को सुनने के बाद प्रकृति से अपने स्वयं के जुड़ाव को महसूस किया। विद्यार्थियों को वन क्षेत्र में ट्रेकिंग कराई गई इस दौरान उन्हें वनों के महत्व, वन्यप्राणियों के पगचिह्न, विष्ठा पहचान, जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को जंगल में मौजूद औषधिय पेड़-पौधों की भी जानकारी दी और उनके फायदे बताएं गए। विद्यार्थियों ने ट्रेकिंग के दौरान अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए कई तरह के सवाल किए जिनका साथ में मौजूद वन कर्मचारियों ने सहजता से जवाब दिया।

जंगल नहीं भारत की धड़कन हुं मैं

अनुभूति कार्यक्रम के अंतिम चरण में आयोजित होने वाली कार्यक्रम में मुख्य वन संरक्षक गौरव चौधरी, प्रशिक्षु आईएफएस जितेन्द्र कुमार, लघु वनोपज संघ जिलाध्यक्ष रामेश्वर बिसेन बतौर प्रमुख अतिथि के रुप में शामिल हुए। इनके अलावा वन सुरक्षा समिति समतपुरी अध्यक्ष शिव प्रसाद गड़पाल, बासी अध्यक्ष सुरेन्द्र पटले, कालीमाटी अध्यक्ष डेलचंद पटले, बीसापुर ईको विकास समिति अध्यक्ष जयसिंह भगत, ग्राम पंचायत समतपुरी सरपंच राखी बोपचे, बासी सरपंच भेमन पटले अतिथि के रुप में शामिल हुए। इन अतिथियों की उपस्थिति में मास्टर ट्रेनर्स ज्ञानचंद शर्मा, सुरेन्द्र वड़ीचार, एस.ठवरे ने विद्यार्थियों को मानव-वन्यप्राणी, पारिस्थितिक तंत्र की क्रियाशीलता, वन्यप्राणी संरक्षण, जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सरल और बेहद ही व्यवहारिक माध्यमों से जानकारी दी। स्कूल की छात्राओं ने जंगल नहीं भारत की धड़कन हुं की थीम पर नृत्य की प्रस्तुति दी और जमकर वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम स्थल में चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तनमय पटले, भाग्यश्री गोपाले, रीना पटले ने क्रमश: पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में तेजस्विनी चौहान ने पहला, नव्या ठाकरे ने दूसरा और आर्यन वर्षेकर ने तीसरा स्थान पाया। इन विजेताओं को अतिथियों के हाथों पुरस्कार प्रदान किए गए।

वनों और वन्य प्राणियों का संरक्षण की दिलाई शपथ

इस अवसर पर विद्यार्थियों को वन विभाग की पदावलि से भी रूबरू करवाया गया और वन रक्षक, डिप्टी रेंजर, रेंजर, एसडीओ, डीएफओ, सीसीएफ, पीसीसीएफ कैसे बना जाता है उनके दायित्व और जिम्मेदारियों की जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यार्थियों को संवहनीय जीवन शैली की शपथ दिलाई गई। अंत में उपवन मंडल अधिकारी विनीता फूलबेल ने कार्यक्रम में सहभागी समस्त छात्र-छात्राओं, विद्यालयीन शिक्षकों, आमंत्रित जनप्रतिनिधियों, अतिथियों का आभार व्यक्त किया। वन क्षेत्रपाल बाबूलाल चढ़ार, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी कांतीलाल उइके, बीटगार्ड समतपुरी अमोल गौतम, वनरक्षक निशा चौधरी, दीपक माली, एन.डी.शर्मा, अतुल कंगाली, गया प्रसाद चौधरी एवं कटंगी का कार्यक्रम में सराहनीय योगदान रहा।

मुख्य नहर की छोटी केनाल में अतिक्रमण

व्यर्थ बह रहा पानी, गहरी नींद में सोया सिंचाई विभाग

पद्मेश न्यूज। कटंगी। कटंगी शहर के अर्जुननाला के वार्ड क्रमांक 02 का एक हिस्सा जिसमें कृषि भूमि यानी खाली खेत और आवास शामिल है। वह जलमग्न हो गया है। जिस कारण स्थानीय रहवासियों को परेशानी हो रही है। जलभराव के बाद पानी में कई तरह के कीट-पतंगे पनप रहे है जो शाम होते ही घरों में आ रहे है। यहां पर मध्यम सिंचाई परियोजना नहलेसरा जलाशय की मुख्य नहर का पानी व्यर्थ में जमा हो रहा है जबकि यह पानी जरूरतमंद किसानों के खेतों तक पहुंचना था। दरअसल, जल संसाधन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की घोर लापरवाही की वजह से कुछ स्थानीय लोगों ने मुख्य नहर की छोटी नाली पर अवैध अतिक्रमण कर लिया है। यह अतिक्रमण काफी पुराना है। जिसे हटाने की हिम्मत आज तक विभाग नहीं जुटा पाया है। जिससे नहर का पानी छोटी नाली के जरिए आगे किसानों के खेतों तक नहीं बढ़ पाता। पानी नहीं मिलने से कई किसानों से रबी की फसल लगानी ही बंद कर दी है। वहीं कई जगह पर कुछ लोगों ने नहर की पार को तोड़ दिया है। इस वजह से भी पानी नहर से बहने की बजाए खाली खेतों और आवासीय कालोनी के आस-पास जमा हो रहा है। रविवार की सुबह 10 बजे अपनी इस परेशानी को लेकर स्थानीय रहवासी मनोज चौहान ने जल संसाधन विभाग के उपयंत्री से शिकायत की। उपयंत्री ने कर्मचारियों को भेजकर टूटी हुई नहर की मरम्मत करवाई। स्थानीय रहवासियों की माने तो जब भी नहर में पानी छोड़ा जाता है। यह समस्या खडी हो जाती हैं इस समस्या का स्थाई समाधान नहर की छोटी नाली से अतिक्रमण को हटाकर ही किया जा सकता है जिस ओर विभाग के अधिकारी ध्यान नहीं है। नहर या उसके किनारे की सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से कब्जा होने से सिंचाई बाधित हो रही है। इस कारण कई किसानों ने रबी के सीजन में फसल लगाना ही बंद कर दिया है। छोटी केनाल में जल निकासी रुक रही है और अर्जुननाला में जलभराव की समस्या बन रही है। काफी लंबे अर्से से विभाग का ध्यान इस ओर आकर्षित करवाया जाता रहा है ताकि नहर का अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हो परंतु विभाग के कानों में जूं नहीं रेंग रही। बता दें कि नहरों की सफाई का काम विभाग का है किंतु जब अर्जुननाला के कुछ किसानों को पानी की आवश्यकता होती है तो वह स्वयं के व्यय पर छोटी नहर की सफाई करवाते थे। इसी से परेशान होकर किसानों ने अब रबी के सीजन में फसल लगानी छोड़ दी है।

इनका कहना है

किसी ने नहर फोड़ दी थी। जिस कारण अर्जुननाला में जलभराव की स्थिति बनी पता करवाया जा रहा हैं कि किसने नहर फोड़ा था उसे नोटिस जारी करवाया जाएगा।

आकाश मेश्राम
उपयंत्री

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

तीसरी आंख की निगरानी में होंगी बोर्ड परीक्षाएं

पहली बार 200 परीक्षा केंद्रों में लग रहे कैमरे

भोपाल। एमपी बोर्ड परीक्षाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए इस बार निगरानी व्यवस्था को और सख्त किया जा रहा है। प्रदेश में सीसीटीवी कैमरों की तीसरी आंख के जरिए परीक्षा केंद्रों पर हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। पायलट प्रोजेक्ट के तहत पहले चरण में करीब 200 परीक्षा केंद्रों पर कैमरे लगाए जाएंगे, जिनमें राजधानी भोपाल के 8 केंद्र भी शामिल हैं। बोर्ड परीक्षाओं की शुरुआत 13 फरवरी से होने जा रही है। इस साल परीक्षाओं में रिकॉर्ड संख्या में छात्र शामिल होंगे। बोर्ड के मुताबिक 10वीं और 12वीं मिलाकर करीब 16.60 लाख विद्यार्थी परीक्षा देंगे। इनमें 9.53 लाख छात्र हाईस्कूल और 7.06 लाख छात्र हायर सेकेंडरी परीक्षा में बैठेंगे।

माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से यह कदम पिछले वर्षों में सामने आए पेपर लीक और नकल के मामलों को देखते हुए उठाया गया है। जिन केंद्रों पर पहले अनियमितताओं की शिकायतें मिली थीं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सीसीटीवी कवरेज में लाया गया है। योजना के अनुसार 25 जनवरी तक कैमरे लगाने का कार्य पूरा कर लिया जाएगा, ताकि फरवरी से शुरू हो रही परीक्षाओं में इसका पूरा लाभ मिल सके।

- सीबीएसई की 12वीं के एग्जाम कैंसिल होने के बाद लिया निर्णय।
- एक्सपर्ट की राय लेकर मंत्रियों का समूह तय करेगा कि रिजल्ट कैसे बनेगा
- सीबीएसई 12वीं के प्रदेश में करीब 1.30 लाख विद्यार्थी।
- इससे पहले सीबीएसई और एमपी बोर्ड की 10वीं की परीक्षा रद्द कर दी गई थी।

कंट्रोल रूम से होगी सीधी निगरानी

परीक्षा केंद्रों की लाइव निगरानी के लिए राज्य और जिला स्तर पर कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे। परीक्षा सामग्री के स्ट्रॉन्ग रूम से लेकर परीक्षा कक्ष तक की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। जिला कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी और मंडल के अधिकारी जरूरत पड़ने पर किसी भी केंद्र की स्थिति तुरंत देख सकेंगे।

कम होंगे परीक्षा केंद्र, बढ़ेगा अनुशासन

इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में करीब 50 हजार विद्यार्थी कम शामिल होंगे, जिसके चलते परीक्षा केंद्रों की संख्या भी घटाई गई है। अधिकारियों का मानना है कि कम केंद्र और सीसीटीवी निगरानी से परीक्षा व्यवस्था ज्यादा अनुशासित और सुरक्षित बनेगी।

नकल रोकने के साथ जवाबदेही भी

सीसीटीवी कैमरों का उद्देश्य केवल नकल रोकना नहीं, बल्कि परीक्षा ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों की जवाबदेही तय करना भी है। किसी भी लापरवाही या गड़बड़ी की स्थिति में रिकॉर्डिंग के आधार पर कार्रवाई की जा सकेगी। शिक्षा विभाग का दावा है कि यह व्यवस्था भविष्य में सभी परीक्षा केंद्रों पर लागू की जाएगी।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज के संसदीय क्षेत्र की सड़कों में गड्डे का दर्द आया जुबान पर

भोपाल। कभ्री प्रदेश की सड़कों को अमेरिका से भी अच्छी बताने वाले पूर्व मुख्यमंत्री ओर वर्तमान केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान अब अपने संसदीय क्षेत्र की संड़कों के गड्ढों को लेकर परेशान है। इस बात का जिक्र शनिवार को उन्होंने केन्द्रीय संड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के सामने करते हुए सड़कों की मरम्मत के लिए जल्द राशि देने की मांग कर दी। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने भी सहृदयता से कहा जो भी आपने मांगा सब दे देंगे। सरकार आपके साथ है। दरअसल शिवराज सिंह विदिशा में राष्ट्रीय राजमार्ग के लोकापर्ण और शिलान्यास समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विदिश नगरपालिका की अंदर की संडके परेशान कर रही है। गडडों के साथ लोग मामा (शिवराज) का फोटो डाल रहे है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से कहा कि पहले आप आए थे तो 30 करोड़ की घोषणा की थी। यह पैसा जल्द मिल जाए, अभी हमने 12 करोड़ की व्यवस्था कर ली है। इस दौरान उन्होंने विदिशा वालों से कहा कि इस काम में कोई गड़बड़ी हुई तो वह छोड़ेंगे नहीं।

पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह को टोका

जब केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह भाषण दे रहे थे तो प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह मुख्यमंत्री से किसी बात को लेकर चर्चा करने के लिए उनके पास पंहुच गए। इस पर शिवराज सिंह ने उन्हें टोकते हुए कहा कि राकेश जी डिस्टर्ब मत करो, अभी हम बोल रहे है।

इस पर राकेश सिंह ने भी जवाब देते हुए कहा कि डिस्टर्ब कैसा , मैं तो आपके समर्थन में खड़ा हुआ हूं, डिस्टर्ब नहीं कर रहा हूं।

सीबीएसई 10-12 वीं बोर्ड के प्रवेश पत्र जारी

भोपाल। सीबीएसई ने शनिवार को दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिया है। प्राइवेट स्टूडेंट्स इसे अब डाउनलोड कर सकते हैं। ये परीक्षाएं 17 फरवरी में शुरू होने वाली है। बोर्ड ने कहा है कि विद्यार्थी वेबसाइट पर जाकर इसे डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए आवेदन क्रमांक/पिछले वर्ष का रोल नंबर/उम्मीदवार का नाम दर्ज करनी होगी। एडमिट कार्ड में उम्मीदवार का नाम, रोल नंबर, रजिस्ट्रेशन नंबर, आईडी नंबर, केंद्र का नाम व पता, फोटोग्राफ और हस्ताक्षर, विषय का नाम, कोड, तारीख, समय और जरूरी गाइडलाइंस उपलब्ध रहेगी। नियमित विद्यार्थियों के लिए प्रवेश पत्र स्कूलों में उपलब्ध होंगे। सीबीएसई ने सभी विद्यार्थियों को दिशानिर्देशों को अच्छे से पढने् और इनका पालन करने की सलाह दी है।

मंडीदीप में प्रदूषण पर एनजीटी सख्त

नर्मदापुरम में 1242 पेड़ों की कटाई पर मांगा जवाब

भोपाल। मप्र में वायु प्रदूषण और पेड़ों की कटाई पर नेशनल ग्रीन ट्रूब्नल (एनजीटी) सख्त हुआ है। दोनों ही मामलों को स्वत- संज्ञान में लेते हुए एनजीटी ने जिम्मेदारों से जवाब मांगा है। एनजीटी की केंद्रीय क्षेत्र पीठ भोपाल ने नर्मदापुरम वन मंडल के अंतर्गत इटारसी जोन की छिपीखापा बीट में 1242 पेड़ों की अवैध कटाई के मामले में स्वत- संज्ञान (सुओ मोटो) लिया है। पीठ ने पाया कि अवैध कटाई में 1242 सागौन (टीक) और 38 सटकटा पेड़ शामिल हैं। जिससे राज्य को 2.04 करोड़ रुपए से अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ है। यह तथ्य 14 सितंबर 2025 की निरीक्षण रिपोर्ट में सामने आया। एनजीटी ने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अवैध कटाई की पुष्टि होने के बावजूद स्थानीय वन अधिकारियों ने जानकारी दबाई और कोई उचित वन अपराध प्रकरण दर्ज नहीं किया, जो कर्तव्य में घोर लापरवाही को दर्शाता है। अधिकरण ने इसे पर्यावरण से

संबंधित गंभीर मुद्दा मानते हुए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय नगर निगम ग्रेटर मुंबई बनाम अंकिता सिन्हा (2022) के अनुरूप सुओ मोटो अधिकार का प्रयोग किया।

अधिकरण ने मध्यप्रदेश राज्य, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वरिष्ठ वन अधिकारियों एवं नर्मदापुरम नगर निगम को प्रतिवादी बनाते हुए चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, एक संयुक्त समिति का गठन किया है। जिसमें प्रधान मुख्य वन संरक्षक, पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आदि शामिल हैं। समिति को स्थल निरीक्षण कर चार सप्ताह के भीतर तथ्यात्मक एवं कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। एमपीपीसीबी को नोडल एजेंसी बनाया गया है। अधिकरण ने संबंधित वन मंडलाधिकारी एवं मुख्य वन संरक्षक को यह भी निर्देश दिया है कि दोषी अधिकारियों के विरुद्ध की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई और राज्य को हुए नुकसान की भरपाई, अवैध लकड़ी बिक्री से अर्जित लाभ की वसूली की जानकारी प्रस्तुत की जाए। अगली सुनवाई 20 अप्रैल को होगी।

एनजीटी ने मंडीदीप में गंभीर वायु प्रदूषण के मामले में स्वत- संज्ञान लिया है। पीठ ने पाया कि मंडीदीप में पिछले 15 दिन से लगातार वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर बनी हुई है और एक्यूआई 353 तक पहुंच गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। अधिकरण ने यह भी नोट किया कि कारखानों से निकलने वाला धुआं, सडकों की धूल तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं जिला प्रशासन की निष्क्रियता के कारण लगभग दो लाख नागरिकों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। अधिकरण ने मध्यप्रदेश राज्य, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नगर पालिका सीएमओ मंडीदीप को प्रतिवादी बनाते हुए चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। अगली सुनवाई 20 अप्रैल को होगी।

अमृत 2.0 के तहत चल रहे कामों पर चर्चा आज

पानी व सीवेज योजनाओं की दिक्कतें दूर करने होगी समीक्षा

भोपाल। मप्र में अमृत 2.0 के तहत चल रहे कामों में आ रही दिक्कतों पर चर्चा के लिए सोमवार को राजधानी में कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजन होगा। संभागवार पानी और सीवेज के कामों में ठेकेदारों को आ रही दिक्कतों पर बात होगी। चर्चा में ठेकेदार, विभाग के अधिकारी और योजनाओं से जुड़े प्रोजेक्ट डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट कंसलटेंट (पीडीएमसी) के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

भोपाल-इंदौर सहित कई बड़े शहरों में अमृत 2 के तहत चल रहे पेयजल और सीवेज प्रोजेक्ट की प्रगति धीमी रही है। इंदौर की भागीरथपुरा की दूषित जल वाली घटना के बाद विभाग इन कामों को लेकर और अलर्ट हो गया है। इसी के चलते अब प्रदेश स्तर पर समीक्षा करके प्रोजेक्ट से जुड़ी समस्याओं को देखा जाएगा। सोमवार को होने वाले आयोजन में संभागवार अमृत 2 के कामों की समीक्षा होगी। इस चर्चा में संभाग के अधीक्षण / कार्यपालन यंत्री, ठेकेदार और संबंधित कंसलटेंट चर्चा करेंगे। चर्चा की शुरुआत भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर और चंबल संभागों से होगी।

परेशानियां ऐसी-ऐसी

विभाग लगातार अमृत 2 के कामों की समीक्षा करता रहा है। इसमें कई प्रोजेक्ट में डीपीआर में गड़बड़ी, जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी नहीं करने और जिला स्तर पर ट्रैफिक पुलिस सहित स्थानीय प्रशासन से समन्वय में कमी जैसे विषय सामने आए हैं। मप्र के सभी निकाय वित्तीय साधनों की कमी से जूझ रहे हैं।

दूषित जल अभियान में 58 प्रदूषित जल वाले ट्यूबवेल

10 जनवरी से शुरू हुए दूषित जल के खिलाफ अभियान में 413 निकायों में 7755 ट्यूबवेल की जांच हुई। इसमें 58 में प्रदूषित जल मिला। विभाग द्वारा इन्हे बंद किया गया है और इनका बिजली का कनेक्शन भी बंद हुआ है। अब तक लीकेज, टूट -फूट में 4893 जगह सुधर हो चुका है, वहीं, 2903 जगह पानी की टंकियों की सफाई हुई है। कुल 1024 अमृत मित्रों ने 45749 पाने के सैंपल लेकर जांच की है। आयुक्त नगरीय प्रशासन के मुताबिक सीएम हेल्पलाइन पर मिली पानी से जुड़ी 515 शिकायतों का निराकरण हो गया है।

एसआईटी करेगीं स्लॉटर हाउस में गौवंश काटने के मामले की जॉच

पुलिस कार्यवाही को लेकर संगठन उठा रहे सवाल : अवैध स्लॉटिंग भी नहीं लग पा रही लगाम

भोपाल। राजधानी के जहांगीराबाद इलाके में स्थित जिंसी स्लॉटर हाउस में गोकशी के मामले में जहॉ शहर सरकार के खिलाफ लगातार आरोप लग रहे हैं। वहीं, दूसरी और प्रदेश सरकार पर भी अनेक संगठन सवाल उठा रहे हैं। ऐसे में मामले के हर बिंदु की बारीकी से जांच करने के लिए पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र ने एसआईटी का गठन किया है। यह एसआईटी पूरे मामले की जांच कर आरोपियों के संबंध में जानकारी जुटाएगी। एसआईटी में एक एसीपी और दो टीआई समेत अन्य स्टॉफ शामिल किया गया है, जो स्लॉटर हाउस के बनने, चालू होने से लेकर गौवंश काटने तक की जांच करेगी। बताया जा रहा है कि पुलिस आयुक्त मिश्र ने लगातार आरोपों के कारण जहांगीराबाद थाना प्रभारी मान सिंह चौधरी से जांच को वापस लेकर एसआईटी को सौंपी है। इस एसआईटी में एडिशनल डीसीपी जोन-1 रश्मि अग्रवाल दुबे के परिवेक्षण में एसीपी हबीबगंज उमेश तिवारी के नेतृत्व में थाना प्रभारी जहांगीराबाद मान सिंह चौधरी और थाना प्रभारी शाहपुरा लोकेंद्र सिंह के अलावा अन्य पुलिसकर्मी शामिल किए गए हैं। पुलिस कार्यवाही को लेकर कई संगठन इसलिये सवाल उठा रहे है की, इतने दिन बीत जाने पर भी अब तक इस मामले में न तो आरोपियों से बयान लिए गए हैं, और न ही नगर निगम कर्मचारियों से किसी तरह की पूछताछ की गई है।

- जारी है अवैध स्लॉटिंग

जिंसी में स्लॉटर हाउस करीब एक सप्ताह से बंद किये जाने के बाद शहर में अवैध स्लॉटिंग के जरिए शहर में मांस की सप्लाई जारी है। सूत्रो के अनुसार लोग घरों में स्लॉटिंग कर रहे हैं। शहर के इस्लामपुरा, काजीकैंप, बुधवारा, इतवारा, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के आसपास कई जगह मीट बेचा जा रहा है, और अवैध स्लॉटिंग के जरिए काम किया जा रहा है। प्रशासन ने राजधानी में अवैध स्लॉटिंग को रोकने में असफल नजर आ रही है, जिसके चलते इन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

सांसद से लेकर पक्ष -विपक्ष के पार्षदो, एमआईसी सदस्यो ने भी उठाए सवाल

इस मामले को लेकर बीते कई दिनो से शहर भर में माहौल गर्माया हुआ है। हाल ही में सांसद आलोक शर्मा ने शहर सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे। उन्होंने इस गंभीर मामले में संगठन स्तर पर चर्चा की और हर बिंदु की जांच कराने की बात कही है।

मप्र की जेलों में 50 प्रतिशत विचाराधीन कैदी

- नेता प्रतिपक्ष उमंग बोले- सबसे अधिक आदिवासी

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रदेश की जेलों में क्षमता से अधिक कैदी होने पर चिंता जताई है। सिंघर ने कहा कि 50 प्रतिशत विचाराधीन कैदी में से सबसे अधिक आदिवासी है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मध्य प्रदेश की 132 जेलों में देश में तीसरे सबसे अधिक 45,543 कैदी बंद हैं। पहले और दूसरे स्थान पर बिहार तथा उत्तर प्रदेश हैं।

राज्य की जेलों की कुल क्षमता लगभग 30 हजार के आसपास है, लेकिन वर्तमान में कैदियों की संख्या क्षमता से 152 प्रतिशत अधिक है, जिससे गंभीर भीड़भाड़ की स्थिति बनी हुई है। इनमें से 22,946 कैदी यानी पूरे 50 प्रतिशत विचाराधीन (अंडरट्रायल) हैं, जिनके खिलाफ अभी आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं या जिनकी सुनवाई चल रही है। विचाराधीन कैदियों की बात करें तो इनमें 21 प्रतिशत आदिवासी हैं-जो देश में सबसे अधिक है। इसके अलावा 19 प्रतिशत दलित और 40 प्रतिशत ओबीसी समुदाय से हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणियां की

इस प्रकार प्रदेश की जेलों में 80 प्रतिशत विचाराधीन कैदी आदिवासी, दलित और ओबीसी समुदाय से आते हैं। ये आंकड़े यह संकेत देते हैं कि सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोग न्यायिक प्रक्रिया में अधिक प्रभावित हो रहे हैं, जहां गरीबी और जमानत न जुटा पाने के कारण लंबे समय तक जेल में रहना पड़ रहा है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने विचाराधीन कैदियों के लंबे समय तक जेल में बंद रहने पर कड़ी टिप्पणियां की हैं।

राज्य सरकारें सुधारों में उदासीन

कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि बिना दोष सिद्ध हुए किसी व्यक्ति को लंबे समय तक जेल में रखना संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। कोर्ट का कहना है कि विचाराधीन कैदी, खासकर गरीब वर्ग के लोग, सालों तक जेल में रह रहे हैं क्योंकि वे जमानत राशि जुटा नहीं पाते। 2024 में कोर्ट ने जेलों की खराब स्थिति पर नाराजगी जताई और कहा कि राज्य सरकारें सुधारों में उदासीन हैं। कई प्रदेशों में 70त्न से अधिक कैदी विचाराधीन हैं।

एनसीआरबी की रिपोर्ट और संसद में दिए आंकड़े चिंताजनक

कोर्ट ने विचाराधीन कैदियों की नियमित समीक्षा और जमानत प्रदान करने के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। वहीं अगर दोषी कैदियों की बात करें तो प्रदेश में कुल लगभग 22 हजार कैदी है इसमें करीब 50त्न आबादी आदिवासी और दलितों की है। एनसीआरबी कि प्रिजन रिपोर्ट और संसद में दिए यह आंकड़े बेहद चिंताजनक हैं। मेरा अनुरोध है कि सरकार और न्यायालय को मिलकर विचाराधीन कैदियों की सुनवाई शीघ्र पूरी करने, जमानत प्रक्रिया सरल बनाने तथा जेल सुधारों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

डीपीआई में आज धरना देंगे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

भोपाल। प्रदेश के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सोमवार डीपीआई में धरना देंगें। यह सभी अंशकालीन कर्मचारी हैं और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पदों पर स्कूलों-छात्रावासों में भृत्य व रसोईयां की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। बावजूद इसके कलेक्टर दर पर वेतन का इंतजार कर रहे है।

आउटसोर्स व अस्थाई कर्मचारी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने बताया कि कलेक्टर दर पर वेतन देने के निर्णयों पर गजट नोटिफिकेशन होने व आदेश जारी होने के बाद भी अमल में नहीं लाया जा रहा है। इससे स्कूलों-छात्रावासों के रसोईयों, भृत्यों और चौकीदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसलिये 19 जनवरी को विभिन्न जिलों से आए इस संवर्ग के कर्मचारी 11 बजे से डीपीआई यानी लोकशिक्षण संचालनालय पर न्यूनतम वेतन की मांग करेंगे।

नौ माह में टिकट चेकिंग के 4 लाख 75 हजार प्रकरण, 30.48 करोड़ रुपये का राजस्व

भोपाल। पश्चिम मध्य रेल में चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से दिसंबर 2025 तक कुल 14 लाख 65 हजार मामले पकड़े और अतिरिक्त किराया एवं जुर्माना सहित कुल 101 करोड़ 16 लाख रूपए का राजस्व अर्जित किया है। जो इसी अवधि में पिछले वर्ष वसूले गये जुर्मने (कुल 87 करोड़ 36 लाख रूपए) की तुलना में 15.80 प्रतिशत अधिक है। भोपाल मण्डल के टिकट निरीक्षकों ने टिकिट जाँच अभियान से बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के विरुद्ध 4 लाख 75 हजार प्रकरण से रेलवे ने 30 करोड़ 48 लाख रुपये का जुर्माना यात्रियों से वसूल किया है, जो गत वर्ष की तुलना में 04.45 प्रतिशत की राजस्व में वृद्धि हुई है।

झाबुआ की गुडिय़ा से लेकर मंडला की जूलरी तक जाएगी पर्यटकों के साथ...

प्रदेश के कुछ जिलों के 10 गांवों को पहले चरण में प्रशिक्षण के लिए चुना गया

भोपाल ।एमपी टूरिज्म बोर्ड ने प्रदेश के कुछ जिलों की मशहूर चीजों और क्राफ्ट को सोवेनियर के रूप में प्रचारित करने की तैयारी की है। प्रदेश के कुछ जिलों के 10 गांवों को पहले चरण में प्रशिक्षण के लिए चुना गया है, जिसमें मंडला की जूलरी और झाबुआ की गुडिय़ा शामिल है। यहां पांच विशेष एजेंसियां फरवरी से प्रशिक्षण शुरू करेगी।

पर्यटन विभाग चाहता है कि प्रदेश में आने वाले पर्यटक जब यहां से जाए, तो इस प्रदेश की कुछ ऐसी याद लेकर जाए, जो वर्षों तक सहेजी जा सके और उन पर स्थान, लोगों और संस्कृति-परंपरा की छाप हो। एमपी टूरिज्म बोर्ड ऐसे ही खास क्राफ्ट और मशहूर चीजों पर काम करेगा, इसे एक स्मृति चिन्ह (सोवेनियर) के रूप में तैयार किया जाएगा। विभाग ने पहले चरण के जिन 10 गांव को चुना है, वे मंडला, बैतूल, बालाघाट और झाबुआ के हैं। एजेंसियां इन्हें बनाने से लेकर पैकेजिंग तक का प्रशिक्षण देगी। हर गांव के करीब 100 लोगों को इनके प्रशिक्षण के लिए चुना जाएगा। झाबुआ की कपड़े की गुडिय़ा और मोती का काम मशहूर है। मंडला, जूलरी और बैतूल का क्राफ्ट मशहूर है, जिसे भी प्रशिक्षण में शामिल किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, इस प्रशिक्षण में यह बात ध्यान रखी जाएगी कि डिजाइन, फिनिशिंग और पैकेजिंग तक बाजार में सीधे जाने लायक हो। डिजाइन भी ऐसी तैयार की जाएगी, जो पर्यटकों को अपने साथ सहेजने के लिए आकर्षित करेगी। बोर्ड इन तैयार सोवेनियर को पर्यटन स्थलों के साथ ही प्रदेश के विरासत स्थलों और अपनी होटल की सोवेनियर शॉप में भी रखेगा। अगर पहले चरण में यह सफल होता है, तो प्रदेश के अन्य क्षेत्रों को भी इसमें शामिल किया जाएगा, ताकि स्थानीय लोगों को इसके माध्यम से रोजगार मिल सके।

सोवेनियर शॉप भी खोलेगा विभाग

इसी के साथ विभाग ने क्षेत्रीय कलाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के ऐतिहासिक शहरों, पर्यटन स्थलों पर सोवेनियर शॉप खोलेगा। विभाग के रिजॉर्ट और होटलों में ये शॉप खोली जाएंगी। विभाग इसके लिए भी तैयारी कर चुका है। इसमें क्षेत्रीय कलाकारों की कलाकृतियों और इन तैयार सोवेनियर को बिक्री के लिए रखा जाएगा।

ब्लू लाइन मेट्रो के लिये कटेंगे 6 हजार पेड़

- दूसरे चरण में रत्नागिरी से भदभदा के बीच होगा निर्माण

भोपाल। एमपी मेट्रो रेल कार्पोरेशन के पहले चरण में सुभाष फाटक से एम्स तक मेट्रो जहां दौड़ रही है, वही दूसरे चरण के ब्लू लाइन मेट्रो परियोजना के निर्माण में भी तेजी आ गई। शनिवार को बोगदा पुल से प्रभात चौराहे तक सडक् के बीचों बीच पेड़ काटने का काम शुरू हो गया है। इससे पहले रत्नागिरी और भदभदा क्षेत्र के पेड़ कट चुके हैं।

जानकारी के अनुसार ब्लू लाइन मेट्रो के लिए लगभग 6 हजार पेड़ों की कटाई होनी है। इसकी अनुमति हाईपॉवर कमेटी द्वारा दे दी गई है। महत्वपूर्ण है कि इस कमेटी के अध्यक्ष नगरीय प्रशासन एसीएस संजय दुबे मेट्रो रेल कारपोरेशन के भी अध्यक्ष हैं। भदभदा से रत्नागिरी मेट्रो के लिए 14 स्टेशन बनाए जाएंगे। इसके लिए लागत करीब 1006 करोड़ रुपए आएगी।

अभी तक कटे 1500 पेड़

बताया जाता है कि भदभदा की ओर पियर्स का निर्माण शुरू हो चुका है। पियर्स के लिए रोड के बीच में 67 पेड़ काट दिए गए हैं, वही रत्नागिरी के आसपास 667 पेड़ों की कटाई की जा चुकी है। फिलहाल रत्नागिरी से बोगदा पुल तक मेट्रो कारपोरेशन ने रोड के बीचोंबीच बाधित 1500 पेड़ों की कटाई कर चुकी है। इन पेड़ों में करंज, नीम, कैसिया, सियामिया, नीलगिरी, शीशम, बदनीम, अंकोला, कनेर आदि शामिल है।

बोगदा पुल बनेगा इंटरचेंज सेक्शन

14 वें स्टेशन के तौर पर बोगदा पुल इंटरचेंज सेक्शन बनाया जा रहा है, जहां करोंद चौराहा से एम्स के बीच बनने वाली ऑरेंज लाइन और भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा के बीच चलने वाली ब्लू लाइन का इंटरचेंज होगा। यह एक ऐसा सेक्शन होगा, जहां यात्री एक मेट्रो से उतरकर दूसरी में सवार हो सकेंगे। पुल बोगदा के पास का हिस्सा सुभाष नगर से एम्स प्रायोरिटी ट्रैक के पास ही है, इसलिए इंटरचेंज सेक्शन पर कार्य चालू हो चुका है। इस रूट पर भदभदा चौराहा, डिपो चौराहा, जवाहर चौक, रोशनपुरा चौराहा, केटीसीसी, परेड ग्राउंड, प्रभात चौराहा, गोविंदपुरा, औद्योगिक क्षेत्र, जेके रोड, इंद्रपुरी, पिपलानी व रत्नागिरी तिराहा स्टेशन बनेंगे।

बाधित 531 संपत्तियां भी हटेगी

पेड़ों को काटने के बाद रत्नागिरी से भदभदा तक प्रस्तावित लाइन में करीबन 531 संपत्तियों को हटाने चिन्हित कर दिया गया है। इस लाइन में 6725 वर्गमीटर की जमीन पर अनाधिकृत कब्जा है। यानि इनके पास संपत्ति को लेकर कोई दस्तावेज है। उनके पास 4218 वर्गमीटर जमीन है। इनके अलावा 1249 वर्गमीटर की अतिरिक्त संपत्ति भी प्रभावित होगी। मेट्रो प्रबंधन ने सभी अनाधिकृत कब्जेधारियों को कब्जे हटाने का नोटिस दे चुकी है। ब्लू लाइन के लिए हटने वाली संपत्तियों में सबसे ज्यादा प्रभावित मिंटो हॉल, प्रभात चौराहा व रोशनपुरा चौराहा होगा। मिंटो हॉल के पास रोड का आधा हिस्सा बंद कर काम जल्द शुरू होने जा रहा है। इसी तरह पुल बोगदा, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, रोशनपुरा से डिपो चौराहा तक की करीब आधी संपत्तियां और निर्माण प्रभावित होंगे।

38 साल में पहली बार न्यूजीलैंड ने भारत में जीती वनडे सीरीज, मेजबान सात साल बाद घर में हारे सीरीज

इंदौर । 38 साल बाद न्यूजीलैंड ने भारत की सरजमीं पर इतिहास रच दिया। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेले गए तीसरे और निर्णायक वनडे मुकाबले में कीवियों ने भारत को 41 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। यह भारत में न्यूजीलैंड की आठ कोशिशों में पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीत है, इससे पहले टीम 1988 से लगातार असफल रही थी। इस हार के साथ भारत को इंदौर में भी पहली बार वनडे में शिकस्त झेलनी पड़ी, जहां उसने इससे पहले लगातार सात मैच जीते थे। इतना ही नहीं, अक्टूबर 2022 के बाद पहली बार ऐसा हुआ जब टॉस जीतने के बावजूद भारत को घरेलू वनडे में हार का सामना करना पड़ा। लगातार 13 जीत के बाद यह सिलसिला भी टूट गया।

रविवार को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स के शानदार शतकों की बदौलत निर्धारित 50 ओवरों में आठ विकेट पर 337 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 46 ओवर में 296 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से विराट कोहली ने बेहतरीन 124 रन की पारी खेली, जबकि हर्षित राणा ने 52 रन का योगदान दिया।

शीर्ष क्रम ने किया निराश

भारत की शुरुआत खराब रही। कप्तान रोहित शर्मा 11 रन बनाकर आउट हुए जबकि शुभमन गिल 23 रन ही बना सके। श्रेयस अय्यर और केएल राहुल भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे, जिससे भारत का स्कोर 71/4 हो गया। इसके बाद कोहली ने नीतीश कुमार रेड्डी (57 गेंदों पर 53 रन) के साथ अहम साझेदारी कर मैच में जान फूंकी। कोहली ने सटीक ड्राइव्स, नियंत्रित पुल शॉट्स और जरूरत के हिसाब से बड़े शॉट खेलते हुए रन गति बनाए रखी। उन्होंने अपना शतक पूरा किया तो स्टेडियम तालियों से गूंज उठा।

कोहली का 85वां अंतरराष्ट्रीय शतक

इंदौर में कोहली ने 92 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह विराट का 85वां अंतरराष्ट्रीय शतक रहा। वह शानदार फॉर्म में नजर आए और न्यूजीलैंड के खिलाफ सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। यह उनका वनडे में 54वां शतक है और भारत में यह कोहली के बल्ले से निकला 41वां शतक है। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में वह सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए। 36 पारियों में उनके नाम सात शतक दर्ज हो गए हैं। इस मामले में उन्होंने रिकी पोंटिंग, वीरेंद्र सहवाग, सचिन तेंदुलकर और सनथ जयसूर्या को पीछे छोड़ दिया। 338 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की टीम 46 ओवर में 296 रन पर सिमट गई। विराट कोहली ने दबाव में एक छोर संभालते हुए 108 गेंदों पर 124 रन की बेहतरीन पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी में संयम, आक्रामकता और अनुभव साफ झलक रहा था। जब एक के बाद एक विकेट गिरते रहे, तब भी कोहली क्रीज पर डटे रहे, लेकिन उनके आउट होते ही भारतीय पारी की आखिरी उम्मीद भी खत्म हो गई। अंत में हर्षित राणा (43 गेंदों पर 52 रन) की तेजतर्रार पारी ने कुछ देर के लिए उम्मीद जगाई, लेकिन बढ़ता रनरेट भारी पड़ा।

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए महिला क्रिकेट टीम घोषित की

फुलमाली, श्रेयंका की वापसी, कमलिनी और वैष्णवी पहली बार शामिल

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले माह होने वाली टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। 15 फरवरी से होने वाले इस दौरे में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 3 टी20 और इतने ही एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसके अलावा दौनो ही टीमें एक टेस्ट भी खेलेंगी। टेस्ट टीम की घोषणा अभी नहीं हुई है। इस दौरे से दोनो ही टीमों को टी20 विश्वकप की तैयारी का भी अच्छा अनुभव मिलेगा। इस दौरे में नये खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। टी20 टीम में भर्ती फुलमाली की वापसी है हुई है। फुलमाली को साल 2019 के बाद पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किय गयाहै। इसके अलावा युवा ऑफ-स्पिनर श्रेयंका पाटिल को भी टीम में जगह मिली है। वहीं एकदिवसीय दल में भी युवाओं को अवसर मिले है। 17 साल की विकेटकीपर जी कमलिनी और स्पिनर वैष्णवी

शर्मा को पहली बार टीम में जगह मिली है। इसके अलावा काशवी गौतम को भी शामिल किया गया है पर अरुंधति रेड्डी को एकदिवसीय व रधा यादव को एकदिवसीय के अलावा टी20 प्रारुप में भी शामिल नहीं किया गया है। हरलीन देओल को एकदिवसीय टीम में बनाये रखा गया है पर उन्हें टी20 से बाहर कर दिया गया है।

टी20 टीम इस प्रकार है -

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, भर्ती फुलमाली, श्रेयंका पाटिल।

एकदिवसीय

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), काशवी गौतम, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल।

अफगान क्रिकेट के साइलेंट वॉरियर शफूर जादरान जिंदगी की सबसे बड़ी लड़ाई में

नई दिल्ली। विश्व क्रिकेट में अफगानिस्तान ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी एक मजबूत और जुझारू टीम के रूप में पहचान बनाई है। बड़े मंचों पर उलटफेर कर दुनिया को चौंकाने वाली इस टीम के पीछे पूर्व खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और संघर्ष की लंबी कहानी छिपी है। इन्हीं खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से वह नींव रखी, जिस पर आज राशिद खान, मोहम्मद नबी और रहमानउल्ला गुरबाज जैसे सितारे चमक रहे हैं। लेकिन अफगान क्रिकेट के इसी सफर के एक अहम किरदार, शफूर जादरान, इस वक्त जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं।

अफगानिस्तान के लिए 80 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले शफूर जादरान की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। उनके भाई ने सोशल मीडिया के जरिए उनके बीमार होने की जानकारी साझा की, जिसके बाद क्रिकेट जगत में चिंता की लहर दौड़ गई। अफगान क्रिकेट से जुड़े करीबी सूत्रों के मुताबिक शफूर के व्हाइट ब्लड सेल्स का स्तर खतरनाक हद तक पहुंच गया है, जिसके चलते उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। फिलहाल उनका इलाज जारी है और डॉक्टरों की टीम उनकी हालत पर लगातार नजर बनाए हुए है।

शफूर जादरान के बीमार होने की खबर सामने आते ही कई पूर्व और मौजूदा क्रिकेटरों ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने

सोशल मीडिया पर भावुक संदेश लिखते हुए कहा कि शफूर हमेशा मैदान पर शेर की तरह खेले और अब उन्हें सभी की दुआओं की जरूरत है। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ ने भी उनके लिए दुआएं मांगी हैं। अफगान क्रिकेट बोर्ड की ओर से भी शफूर की हालत पर चिंता जताई गई है और उनके परिवार के प्रति संवेदना और समर्थन व्यक्त किया गया है।

शफूर जादरान के क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2009 में नीदरलैंड्स के खिलाफ अफगानिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला, लेकिन वनडे और टी20 फॉर्मेट में टीम के लिए अहम योगदान दिया। शफूर ने अफगानिस्तान के लिए 44 वनडे और 36 टी20 मुकाबले खेले। वनडे क्रिकेट में उन्होंने 44 विकेट झटके, जिसमें 24 रन देकर 4 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। वहीं टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने 27 विकेट हासिल किए और इस फॉर्मेट में 40 रन देकर 3 विकेट उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। शफूर जादरान उन खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों और मुश्किल हालातों के बावजूद अफगान क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। आज जब वह अपने जीवन की सबसे कठिन लड़ाई लड़ रहे हैं, तो पूरा क्रिकेट जगत उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहा है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले जिम्बाब्वे को मिली बड़ी ताकत, कोर्टनी वॉल्श बने बॉलिंग कंसल्टेंट

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले जिम्बाब्वे क्रिकेट को बड़ी मजबूती मिली है। वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज कोर्टनी वॉल्श को टीम के सपोर्ट स्टाफ में बॉलिंग कंसल्टेंट के रूप में शामिल किया गया है। टूर्नामेंट फरवरी 2026 में भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाएगा, और जिम्बाब्वे क्रिकेट ने पुष्टि की है कि वॉल्श ने टीम के साथ काम शुरू कर दिया है। जिम्बाब्वे का अभियान 9 फरवरी को ग्रुप स्टेज के पहले मुकाबले में ओमान के खिलाफ शुरू होगा। यह मैच टीम के लिए चुनौतीपूर्ण साबित होने वाला है, क्योंकि ग्रुप में मजबूत विरोधी मौजूद हैं।

कोर्टनी वॉल्श टेस्ट क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज रहे हैं। रिटायरमेंट के बाद उन्होंने कोचिंग में भी अपना योगदान दिया, जिसमें बांग्लादेश पुरुष टीम के स्पेशलिस्ट बॉलिंग कोच और वेस्टइंडीज महिला टीम के हेड कोच के रूप में उनके अनुभव शामिल हैं। 2025 में उन्होंने जिम्बाब्वे महिला टीम के तकनीकी सलाहकार के तौर पर काम किया था। अब वॉल्श अपने अनुभव से जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करेंगे। अपनी नियुक्ति के बाद वॉल्श ने कहा कि उन्होंने टीम में अब तक जो देखा है, उससे वह काफी उत्साहित हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के तालमेल और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता की अहमियत पर जोर दिया और जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण की विविधता और संतुलन की भी तारीफ की।

टी20 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे की गेंदबाजी यूनिट की अगुवाई सिकंदर रज़ा करेंगे। तेज गेंदबाजों में ब्लेसिंग मुज़ारबानी, रिचर्ड नगरावा और टिनोटेंडा मापोसा शामिल हैं, जबकि ऑलराउंडर सपोर्ट के रूप में ब्रैड इवांस और ताशिंगा मुसेकिवा टीम का हिस्सा होंगे। स्पिन विभाग में वेलिंगटन मसाकद्ज़ा, ग्राहम क्रेमर और सिकंदर रज़ा मौजूद हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर गिवमोर माकोनी ने कहा कि वॉल्श की नियुक्ति टीम के गेंदबाजों को मार्गदर्शन और मेंटरशिप देने के लिए की गई है। उनका अनुभव टीम की गेंदबाजी को नई धार देगा और टूर्नामेंट से पहले टीम की तैयारियों को मजबूती प्रदान करेगा। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में जिम्बाब्वे को ग्रुप बी में रखा गया है, जहां उसका सामना ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान और सह-मेज़बान श्रीलंका से होगा। ग्रुप के सभी मुकाबले श्रीलंका के कोलंबो और पल्लेकेले में खेले जाएंगे। 2024 संस्करण के लिए क्वालिफाई न कर पाने के बाद यह जिम्बाब्वे की टूर्नामेंट में वापसी होगी।

टी20 विश्वकप से बाहर हुए नवीन की जगह पर रहमान शामिल

काबुल। अफगानिस्तान के अनुभवी तेज गेंदबाज नवीन उल हक चोटिल होने के कारण टी20 विश्वकप से बाहर हो गये हैं। नवीन का बाहर होना टीम के लिए करारा झटका है। नवीन विश्व कप के अलावा वेस्टइंडीज के खिलाफ इस महीने खेली जाने वाली 3 मैचों की टी20 सीरीज में भी नहीं खेलेंगे। उनकी जगह टीम में जिया-उर-रहमान शरीफी को शामिल किया गया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी (एसीबी) ने कहा है कि मेडिकल रिपोर्ट में नवीन की दाहिने कंधे की हड्डी में स्ट्रेस फ्रैक्चर है। बोर्ड ने उन्हें इलाज के लिए इंग्लैंड भेज दिया है। नवीन की जगह पर चयन समिति ने जिया-उर-रहमान शरीफी को मुख्य दल में शामिल किया है। वे पहले रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल थे। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज फरीद मलिक को भी टीम के रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है।

विहान के चार विकेटों से बदला भारत-बांग्लादेश मैच

हरारे । बांग्लादेश के खिलाफ यहां हुए मैच में भारतीय टीम की ओर से विहान मल्होत्रा ने चार विकेट लेकर जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस मैच में बल्लेबाजी में विफल होने के बाद विहान ने सारी कमी गेंदबाजी के दौरान पूरी कर दी। विहान इस मैच में केवल 7 रन ही बना पाये थे पर गेंदबाजी के दौरान उन्होंने सबसे अधिक चार विकेट लिए। भारत ने इस मैच में बांग्लादेश को 238 रनों का लक्ष्य दिया था पर बारिश के कारण इस मैच में बांग्लादेश को 29 ओवरों में 165 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला जिसका पीछा करते हुए पूरी टीम 146 रन ही बना पायी। लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश टीम अच्छा खेल रही थी पर विहान ने आते ही मैच बदल दिया।

अनुशासन और नियंत्रण के प्रतीकः बापू नाडकर्णी की विरासत आज भी प्रेरणा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में बापू नाडकर्णी का नाम अनुशासन, धैर्य और असाधारण नियंत्रण का पर्याय माना जाता है। अपनी कसी हुई गेंदबाजी के लिए प्रसिद्ध नाडकर्णी ने टेस्ट क्रिकेट में लगातार 21 मेडन ओवर फेंककर ऐसा रिकॉर्ड बनाया, जो आज भी गेंदबाजों के लिए आदर्श माना जाता है। उनका करियर इस बात का प्रमाण है कि सीमित संसाधनों और साधारण पृष्ठभूमि के बावजूद मेहनत और संयम से विश्व स्तर पर पहचान बनाई जा सकती है। 4 अप्रैल 1933 को महाराष्ट्र के नासिक में जन्मे रमेशचंद्र गंगाराम नाडकर्णी ने 1951-52 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कदम रखा। घरेलू क्रिकेट में निरंतर प्रदर्शन के चलते उन्हें 1955 में भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिली। 16 दिसंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पहले टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 68 रन की नाबाद पारी खेलकर प्रभावित किया और भारत ने वह मुकाबला ड्रॉ कराया। इसके बाद उन्होंने ऑलराउंड प्रदर्शन से टीम में अपनी उपयोगिता साबित की।

1960-61 में पाकिस्तान के खिलाफ ब्रैबोर्न स्टेडियम में उन्होंने चार विकेट लिए, जबकि

दिल्ली टेस्ट में 63 रन बनाने के साथ पांच विकेट झटके। यह पूरी सीरीज ड्रॉ रही, लेकिन नाडकर्णी का योगदान बेहद अहम रहा। जनवरी 1964 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए टेस्ट में उन्होंने 32 ओवर में केवल पांच रन देकर 27 मेडन ओवर फेंके, जिनमें लगातार 21 मेडन ओवर शामिल थे। इस असाधारण स्पेल ने उन्हें दुनिया के सबसे किफायती गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर ला खड़ा किया।

अक्टूबर 1964 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में उन्होंने कुल 11 विकेट लेकर अपनी गेंदबाजी का लोहा मनवाया। वहीं फरवरी 1964 में कानपुर में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 52 और 122 रन की नाबाद पारियां खेलकर अपनी बल्लेबाजी क्षमता भी साबित की। अंतरराष्ट्रीय करियर में नाडकर्णी ने 41 टेस्ट मैचों में 1,414 रन बनाए और 88 विकेट हासिल किए, जबकि उनकी इकॉनमी मात्र 1.67 रन प्रति ओवर रही।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उन्होंने 191 मैचों में 8,880 रन और 500 विकेट लिए। 17 जनवरी 2020 को 86 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया, लेकिन उनका सादा जीवन, टीम भावना और खेल के प्रति ईमानदारी आज भी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनी हुई है।

कर्नाटक सरकार ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय मैचों के आयोजन की अनुमति दी

बेंगलुरु । कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2026 और अंतरराष्ट्रीय मैचों के आयोजन की अनुमति दे दी है। इस फैसले के साथ ही इस मैदान में एक बार फिर क्रिकेट मुकाबले देखने को मिलेंगे जो पिछले आठ माह से बंद थे। सरकार के इस फैसले से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के प्रशंसकों को राहत मिली है। पिछले आईपीएल में आरसीबी के ट्रॉफी जीतने के जश्न के दौरान यहां भगदड़ मच गयी थी जिससे कई लोग मारे गये थे। उसके बाद से ही इस स्टेडियम में खेल मुकाबले बंद कर दिये गये थे। तब भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने चिन्नास्वामी स्टेडियम से दलीप ट्रॉफी, भारतऊदक्षिण अफ्रीका ए सीरीज, विजय हज़ारे ट्रॉफी के अलावा महिला एकदिवसीय विश्वकप फाइनल सहित जैसे बड़े टूर्नामेंट दूसरे स्थलों पर स्थानांतरित कर दिये थे। वहीं अब स्टेडियम में

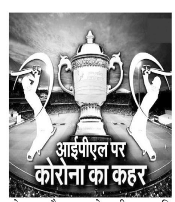

दोबारा मैच कराने की अनुमति जस्टिस माइकल डी'कुन्हा जांच समिति की सिफारिशों के आधार पर दी गई है। सरकार ने ये भी कहा है कि मैचों का आयोजन सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन से जुड़ी शर्तों को पूरा करने पर ही किया जा सकेगा।

वहीं कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के प्रवक्ता विनय मृत्युंजय ने कहा, कर्नाटक सरकार के गृह विभाग ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय मैचों के आयोजन की अनुमति दे दी है। यह अनुमति तय शर्तों के साथ दी गयी है जिनका पूरी तरह से पालन किया जा सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि एसोसिएशन ने एक्सपर्ट रिव्यू कमेटी के सामने पूरा अनुपालन रोडमैप पेश किया है और सुरक्षा, सिक्योरिटी व क्राउड मैनेजमेंट को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है जिससे कि कोई हादसा न हो। डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी और उसके प्रशंसकों के लिए यह फैसला सबसे महत्वपूर्ण है।

अलीबाग में विराट-अनुष्का का नया निवेश, 37.86 करोड़ में खरीदी 5.19 एकड़ जमीन

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने एक बार फिर रियल एस्टेट में बड़ा निवेश किया है। इस पावर कपल ने मुंबई से सटे महाराष्ट्र के लोकप्रिय तटीय इलाके अलीबाग में 5.19 एकड़ से अधिक जमीन खरीदी है। यह सौदा रायगढ़ जिले के जीराद गांव में स्थित दो सटे हुए प्लॉट्स को मिलाकर किया गया है, जिनकी कुल कीमत 37.86 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस डील में केवल स्टांप ड्यूटी के तौर पर ही विराट और अनुष्का ने करीब 2.27 करोड़ रुपये अदा किए हैं।

जानकारी के मुताबिक, इस जमीन की रजिस्ट्री 13 जनवरी को पूरी हुई। यह प्लॉट्स समीरा लैंड एसेट्स प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक सोनाली अमित राजपूत से खरीदा गया है। बताया जा रहा है कि इस पूरी प्रक्रिया में विराट कोहली की ओर से उनके बड़े भाई विकास कोहली ने औपचारिकताएं पूरी कीं। दरअसल, विराट ने पिछले साल के अंत में विकास कोहली को जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी सौंपी थी, जिसके चलते उन्होंने उनकी ओर से यह डील फाइनल की। यह पहला मौका नहीं है जब विराट और अनुष्का ने अलीबाग में निवेश किया हो। साल 2022 में दोनों ने रियल एस्टेट डेवलपर समीरा हैबिटेट्स से लगभग आठ एकड़ जमीन 19.24 करोड़ रुपये में खरीदी थी। इसी जमीन पर उन्होंने अपना एक शानदार हॉलिडे होम बनवाया है, जहां वे अक्सर परिवार के साथ वक्त बिताते नजर आते हैं। इसके अलावा विराट कोहली के पास गुरुग्राम के डीएलएफ सिटी फेज-1 में भी करीब 80 करोड़ रुपये की कीमत का एक आलीशान घर है।

अलीबाग बीते कुछ वर्षों में सेलिब्रिटीज के बीच एक पसंदीदा डेस्टिनेशन बनकर उभरा है। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भी 2021 में यहां चार एकड़ जमीन खरीदी थी, जो उनकी पत्नी रितिका सजदेह के नाम पर है। इसी तरह, दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने मापगांव में करीब 22 करोड़ रुपये में एक शानदार बंगला लिया था, जो विराट-अनुष्का की नई जमीन से लगभग 10 किलोमीटर दूर है। वहीं, सुहाना खान ने 2023 में थल गांव में 1.5 एकड़ जमीन और तीन घर लगभग 12.91 करोड़ रुपये में खरीदे थे। ऐसे में विराट और अनुष्का का यह नया निवेश अलीबाग को सेलिब्रिटी हब के रूप में और मजबूत करता नजर आ रहा है।

आयरलैंड बोर्ड ने आईसीसी से कहा, बांग्लादेश से विश्वकप मैचों का ग्रुप बदलने तैयार नहीं

दुबई। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में अपने विश्वकप मैच खेलने के इंकार करते हुए किसी अन्य देश में ये मैच कराने की अपील की थी जिसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ठुकरा दिया था। वहीं इसके बाद बीसीबी ने आईसीसी से अपील की थी कि उसके ग्रुप को आयरलैंड के साथ बदल दिया जाये पर यहां भी उसे झटका लगा है क्योंकि आयरलैंड बोर्ड ने आईसीसी से साफ कहा दिया है कि वह ग्रुप बदलने को तैयार नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट आयरलैंड (सीआई) ने कहा है कि आईसीसी उनके मैचों को श्रीलंका से बाहर नहीं रखे।

सीआई के एक अधिकारी ने कहा, आईसीसी ने हमसे साफ कहा है कि कार्यक्रम में बदलाव नहीं होगा। हम

अपने ग्रुप स्तर के मैच श्रीलंका में ही खेलेंगे।

गौरतलब है कि टी20 विश्वकप 2026 में आयरलैंड को ग्रुप बी में है, जिसमें उसे ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ रखा गया हैं। आयरलैंड को अपने सभी ग्रुप स्तर के मैच श्रीलंका में खेलने हैं। इसमें पहले तीन मैच कोलंबो जबकि अंतिम पालेकेले में खेला जाएगा। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश को ग्रुप सी में रखा गया है। जिसमें इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, नेपाल और इटली की टीमें शामिल हैं। बांग्लादेश को कोलकाता में तीन और मुंबई में एक मैच खेलना है।

बीसीबी ने आईसीसी से अनुरोध किया कि उसकी टीम को ग्रुप सी में आयरलैंड के साथ बदल दिया जाए जिससे वह भारत की जगह श्रीलंका में अपने मैच खेल सके। वहीं आईसीसी की दो सदस्यीय टीम, जिसमें गौरव सक्सेना (जनरल मैनेजर, इवेंट्स एंड कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन) और एंड्रयू एफग्रेव (जनरल मैनेजर, इंटीग्रिटी यूनिट) शामिल थे, ने बीसीबी को मूल कार्यक्रम में ही बने रहने को लेकर समझाया।

बीसीबी ने आईसीसी प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद कहा, बीसीबी की अंतरराष्ट्रीय आईसीसी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई जिसमें आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में भाग लेने पर बात हुई।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में फेरी ने कोबोली को हराकर किया उलटफेर

मेलबर्न । यहां जारी ऑस्ट्रियाई ओपन टेनिस में ब्रिटेन के आर्थर फेरी ने 20वीं वरीयता प्राप्त फ्लेवियो कोबोली को हराकर सनसनी फैला दी। 185 वहीं वरीयता प्राप्त फेरी ने पहले ही दिन 20वीं वरीयता प्राप्त फ्लेवियो कोबोली को 7-6(1), 6-4, 6-1 से हरा दिया। फेरी ने 2 घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 10 में से छह ब्रेक अंक हासिल किये। कोबोली के खिलाफ उन्होंने पहले तीन गेम के बाद मेडिकल टाइम-आउट।

फेरी ने जीत के बाद कहा, यहां का अनुभव काफी अच्छा रहा। विंबलडन के बाहर पहली बार किसी शानदार कोर्ट पर खेलते हुए प्रशंसकों के सामने यह बेहद खेल दिखाने में सफल रहे। वहीं फेरी के आक्रामक बेसलाइन खेल के सामने कोबोली हड़बड़ा गये और उनकी लय भी खराब हो गयी। साल के पहले ग्रैंड स्लैम की शुरुआत जीत के साथ करने वाले फेरी अब अगले दौर में बेहतर प्रदर्शन जारी रखने का प्रयास करेंगे। यहां उनका सामना मियोमिर केकमैनोविक या टॉमस मार्टिन एटचेवेरी के बची मैच के विजेता खिलाड़ी से होगा।

बीएमसी चुनाव :

भाजपा में मंथन, मराठी अस्मिता और समन्वय की कमी ने रोका बहुमत का रास्ता

मुंबई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के हालिया चुनावी नतीजों ने राजनीतिक हलकों में एक नई बहस छेड़ दी है। भारतीय जनता पार्टी ने इन चुनावों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 89 सीटें जीती हैं, जो साल 2002 के बाद किसी भी एकल पार्टी द्वारा हासिल किया गया सबसे बड़ा आंकड़ा है। हालांकि, इस रिकॉर्ड सफलता के बावजूद भाजपा खेमे में जश्न से ज्यादा चिंता और आत्ममंथन का माहौल दिखाई दे रहा है। पार्टी के आंतरिक सूत्रों का मानना है कि यह प्रदर्शन उनकी वास्तविक उम्मीदों और जमीनी तैयारी के मुकाबले काफी कम रहा है। भाजपा ने चुनाव से पहले कम से कम 110 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा था ताकि वह बहुमत के जादुई आंकड़े के करीब पहुंच सके, लेकिन अंतिम नतीजों ने उसे इस लक्ष्य से काफी दूर खड़ा कर दिया है।

पार्टी के भीतर इस प्रदर्शन को लेकर आंतरिक समीक्षा शुरू हो गई है। नेताओं का मानना है कि मुंबई इकाई में समन्वय की कमी और उम्मीदवारों के चयन में हुई चूक ने पार्टी की राह मुश्किल कर दी। सबसे बड़ा कारण राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे द्वारा संयुक्त रूप से उठाए गए मराठी अस्मिता और मुंबई गौरव के मुद्दे को माना जा रहा है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि वे ठाकरे भाइयों के इस नैरेटिव का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में विफल रहे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ सीट-बंटवारे के दौरान भाजपा ने शुरुआत में 155 से अधिक सीटों पर लड़ने की योजना बनाई थी, लेकिन गठबंधन की मजबूरियों और केंद्रीय नेतृत्व के हस्तक्षेप के कारण उसे 137 सीटों पर संतोष करना पड़ा। चुनावी नतीजों के बाद एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पार्टी चुनाव से पहले अपने मौजूदा पार्षदों की संख्या को भी बरकरार नहीं रख पाई, जो रणनीतिक विफलता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई इकाई के प्रदर्शन पर स्पष्ट रूप से नाराजगी व्यक्त की है। राज्य नेतृत्व का आकलन है कि शिवाजी पार्क में हुई विपक्षी रैली ने मराठी मतदाताओं के मन में अपनी पहचान को लेकर डर पैदा कर दिया, जिसका सीधा असर वोटिंग पैटर्न पर पड़ा। विशेष रूप से उद्योग समूहों की वृद्धि पर विपक्षी दलों की प्रस्तुतियों ने मतदाताओं को प्रभावित किया और भाजपा के पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं था। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो भाजपा का उत्तर भारतीय और गुजराती वोट बैंक तो मजबूत रहा, लेकिन जो कट्टर मराठी मतदाता विधानसभा चुनाव में उनके साथ थे, वे इस बार ठाकरे गुट की ओर झुक गए। यह बदलाव इतना अचानक और तेज था कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना भी इसे रोकने में नाकाम रही। गठबंधन के भीतर कमजोर समन्वय को भी इस कम प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। टिकट न मिलने से नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं थी, जिसका नुकसान दोनों सहयोगियों को उठाना पड़ा। हालांकि, सार्वजनिक मंच पर देवेंद्र फडणवीस ने महायुति के प्रदर्शन का बचाव किया है। उन्होंने तर्क दिया कि गठबंधन ने सामूहिक रूप से 119 सीटें जीतकर 100 का आंकड़ा पार कर लिया है और कई सीटों पर हार का अंतर बेहद मामूली रहा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विभाजन के बाद शिंदे गुट के लिए यह पहला बड़ा निगम चुनाव था, जिसे एक नई शुरुआत के तौर पर देखा जाना चाहिए। फिलहाल, भाजपा के लिए चुनौती इस बात की है कि वह कैसे आने वाले समय में अपने खोए हुए मराठी जनाधार को वापस पाए और शहरी निकाय में अपनी पकड़ मजबूत करे।

ईरान में फांसी की सजा रद्द हुई तो अमेरिका ने भी टाल दिए हमले अब तनाव हुआ कम

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों, विशेषकर ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। थरूर ने कहा कि ईरान में वर्तमान तनाव कम होता दिख रहा है, जो विश्व शांति के लिए एक आशाजनक संकेत है। उन्होंने इस सकारात्मक बदलाव के पीछे दो मुख्य कारणों का उल्लेख किया। पहला यह कि ईरान सरकार ने 800 से अधिक लोगों के मृत्युदंड को रद्द करने का एक बड़ा मानवीय निर्णय लिया है। दूसरा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिलहाल ईरान पर किसी भी संभावित सैन्य हमले को टालने का फैसला किया है।

तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने इन घटनाओं को अच्छे संकेत करार देते हुए कहा कि लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाए जाने और फांसी की सजा के स्थगन से यह स्पष्ट होता है कि दोनों पक्ष सीधे टकराव से बचना चाह रहे हैं। थरूर के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र के अन्य देश भी इस इलाके में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के पक्षधर हैं, क्योंकि यदि ईरान में संघर्ष बढ़ता है, तो शरणार्थियों का बड़ा संकट पैदा होगा जो पड़ोसी देशों की सीमाओं में प्रवेश करेंगे। हालात के बेकाबू होने से उत्पन्न होने वाले भू-राजनीतिक परिणामों पर चिंता जताते हुए थरूर ने अनुमान लगाया कि वर्तमान स्थिति एक नए मोड़ पर आ गई है। हालांकि, उन्होंने यह भी आगाह किया कि अभी पूरी तरह सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं है, इसलिए आने वाले समय पर नजर रखनी होगी। गाजा की स्थिति का जिक्र करते हुए थरूर ने कहा कि वहां शांति अभी कोसों दूर है।

स्वर्ण मंदिर के सरोवर में मुस्लिम युवक ने हाथ-पैर धोए, कुल्ला किया, वीडियो वायरल

अमृतसर। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में एक मुस्लिम युवक न पवित्र सरोवर के पानी से कुल्ला करते दिखा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने विवाद खड़ा हो गया। वीडियो में युवक को सरोवर में पैर डुबोए, मुंह कुल्ला करते देखा जा सकता है, जिससे कई लोगों ने इसे सरोवर को गंदा करने और सिख मर्यादा का उल्लंघन बताया है। सोशल मीडिया पर लोगों कह रहे हैं सरोवर केवल स्नान और धार्मिक डुबकी के लिए है, जबकि वुजू के लिए अलग से बहते पानी की व्यवस्था मौजूद है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह ने कहा कि हिंदू और सिख समुदाय मर्यादा जानते हैं, लेकिन अन्य धर्मों के लोग कभी-कभी गलती कर बैठते हैं।

आरपीएफ इंस्पेक्टर चंदना सिन्हा ने 1,500 बच्चों को तस्करी से बचाया, अब मिला सर्वोच्च सम्मान

लखनऊ। रेलवे स्टेशन आमतौर पर शोरगुल और भागमभाग वाली जगह माने जाते हैं, जहाँ हजारों यात्री अपनी मंजिल की ओर बढ़ते रहते हैं। इसी भीड़भाड़ के बीच कुछ ऐसी सतर्क आंखें भी होती हैं जो उस खामोश डर और बेबसी को भांप लेती हैं, जिसे एक आम आदमी अक्सर नजरअंदाज कर देता है। ये आंखें हैं रेलवे सुरक्षा बल यानी आरपीएफ की इंस्पेक्टर चंदना सिन्हा की, जिन्होंने बीते तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश के रेल नेटवर्क से 1,500 से अधिक बच्चों को तस्करों के चंगुल और अंधेरे भविष्य की गर्त में जाने से बचाया है। उनकी इसी असाधारण सेवा और मानवीय संवेदनशीलता के लिए भारत सरकार ने उन्हें 9 जनवरी 2026 को दिल्ली में रेलवे के सर्वोच्च सम्मान अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया।

चंदना सिन्हा के लिए यह पुरस्कार केवल एक उपलब्धि भर नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी का प्रतीक है। उनके कर्तव्य के प्रति समर्पण का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पुरस्कार ग्रहण करने के कुछ ही घंटों बाद जब वे लखनऊ वापस लौटीं, तो उन्हें प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर एक बच्चे के अकेले बैठे होने की सूचना मिली। बिना समय गंवाए, अपनी वर्दी और कर्तव्य का मान रखते हुए वे तुरंत अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गईं। उनके लिए हर रेस्क्यू किया गया बच्चा एक नई उम्मीद की किरण के समान है। लखनऊ के चारबाग स्टेशन से अपने ऑपरेशंस का नेतृत्व करने वाली चंदना ने एक ऐसी विशेष कार्यप्रणाली विकसित की है, जो अब पूरे प्लेटफॉर्म पर मौन रूप से सक्रिय रहती है। उनकी टीम केवल निगरानी ही नहीं करती, बल्कि यात्रियों के व्यवहार और बच्चों के हाव-भाव का बारीकी से मनोवैज्ञानिक विश्लेषण भी करती है।

इस मिशन को सफल बनाने के लिए उन्होंने कुलियों, वेंडरों और स्थानीय मुखबिरों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार किया है, जो किसी भी संदिग्ध गतिविधि की पल-पल की जानकारी उन तक पहुंचाता है। उनकी टीम में अधिकांश महिला अधिकारी शामिल हैं, जो डरे हुए बच्चों से संवाद करने और उनका विश्वास जीतने में माहिर हैं। जून 2024 में जब उन्हें ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते की कमान सौंपी गई, तो उन्होंने बिहार से पंजाब और हरियाणा जाने वाले तस्करी के मुख्य मार्गों पर पैनी नजर रखी। उनके नेतृत्व में वर्ष 2024 में 494 बच्चों को बचाया गया, जिनमें से कई को बाल श्रम के लिए ले जाया जा रहा था।

फ्लाइट रद्द और देरी को लेकर डीजीसीए ने इंडिगों पर लगाया 22.20 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने एयरलाइन कंपनी इंडिगो पर 22.20 करोड़ का जुर्माना ठोका है। यह जुर्माना एयरक्राफ्ट रूल्स के तहत लगाया गया है। इसके तहत एकमुश्त जुर्माना 1.80 करोड़ है। इसके अलावा एफडीटीएल नियमों का 68 दिन तक पालन नहीं करने पर प्रतिदिन 30 लाख का जुर्माना लगाया गया है, जो कि 20.40 करोड़ होता है।

डीजीसीए ने यह एक्शन 3 से 5 दिसंबर, 2025 के बीच इंडिगो की 2507 फ्लाइट के रद्द होने और 1852 फ्लाइट के ऑपरेशन में देरी होने पर लिया है। इस कारण तीन लाख से ज्यादा यात्रियों को परेशानी का सामने करना पड़ा था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के निर्देश पर डीजीसीए ने मामले की जांच के लिए 4 मेंबर वाली कमेटी बनाई थी। कमेटी ने इंडिगो के नेटवर्क प्लानिंग, क्रू रोस्टरिंग और इंडिगो के इस्तेमाल किए जा रहे सॉफ्टवेयर सिस्टम की डिटेल इंवेस्टिगेशन और स्टडी की। इंडिगो एयरलाइंस ने कहा है कि वह डीजीसीए के सभी आदेशों को पूरी तरह मानेगी और जो भी सुधार जरूरी होंगे, वे सही समय पर किए जाएंगे। कंपनी के बोर्ड और मैनेजमेंट का कहना है कि हाल की घटना के बाद काम करने के तरीकों, सिस्टम और संचालन को मजबूत बनाने के लिए अंदरूनी तौर पर पूरी जांच और समीक्षा की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट में कमेटी के हवाले से बताया गया है कि इंडिगो मैनेजमेंट ने ऑपरेशन में देरी या आपात हालात से निपटने की पर्याप्त तैयारी नहीं की थी। साथ ही बदले हुए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को भी सही तरीके से लागू नहीं किया था। इसी वजह से बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द हुईं और यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी। जांच में यह भी सामने आया कि एयरलाइन ने क्रू, विमान और नेटवर्क संसाधनों के अधिकतम उपयोग पर जरूरत से ज्यादा जोर दिया। इससे क्रू रोस्टर में अतिरिक्त गुंजाइश बहुत कम रह गई। डेड-हेडिंग, टेल स्वैप, लंबी ड्यूटी और कम आराम समय जैसी व्यवस्थाओं ने फ्लाइट ऑपरेशन को कमजोर कर दिया।

इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) के सीनियर अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। सीईओ को फ्लाइट ऑपरेशन और क्राइसेस मैनेजमेंट में कमी पर कॉशन दिया गया। अकाउंटेबल मैनेजर को विंटर शेड्यूल 2025 और संशोधित एफडीटीएल नियमों के प्रभाव का सही आकलन न करने पर वार्निंग दी गई। सीनियर वाइस प्रेसिडेंट को ऑपरेशनल जिम्मेदारियों से हटाने और भविष्य में किसी भी अकाउंटेबल पद पर नियुक्त न करने के निर्देश दिए हैं। डिप्टी हेडक्ष्फ्लाइट ऑपरेशंस, एवीपी-क्रू रिसोर्स प्लानिंग और डायरेक्टर-फ्लाइट ऑपरेशंस को भी ऑपरेशनल और मैनपावर प्लानिंग में चूक के लिए चेतावनी दी गई है।

पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के अधिकांश हिस्सों में सुबह और रात के समय बहुत घना कोहरा

नई दिल्ली। उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से में कड़ाके की सर्दी का प्रकोप लगातार गहराता जा रहा है, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ है। कई मैदानी इलाकों में सुबह के समय न्यूनतम तापमान गिरकर 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आगामी दिनों के लिए घने से बहुत घने कोहरे, शीतलहर और पहाड़ी राज्यों में बारिश के साथ भारी बर्फबारी की गंभीर चेतावनी जारी की है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर, पूर्व और मध्य भारत के कई राज्यों में मौसम की यह प्रतिकूल स्थिति अगले कुछ दिनों तक बनी रह सकती है। मौसम विभाग के नवीनतम पूर्वानुमान के मुताबिक, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के अधिकांश हिस्सों में सुबह और रात के समय बहुत घना कोहरा छाने की संभावना है, जिससे दृश्यता शून्य तक गिर सकती है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों में भी कोहरे का व्यापक असर देखने को मिलेगा। इसके अतिरिक्त जम्मू संभाग, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर के असम व मेघालय में भी कोहरे की चादर छाई रहेगी, जिससे रेल और सड़क यातायात पर बुरा असर पड़ने की आशंका है। विभाग ने उत्तर प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में कोल्ड डे (शीत दिवस) की स्थिति बनने की चेतावनी दी है, जहाँ दिन का तापमान सामान्य से काफी नीचे रहेगा। वहीं, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ क्षेत्रों में शीतलहर चलने की संभावना है। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी शुरू हो गई है। आने वाले समय में इन क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर हिमपात होने के आसार हैं, जिसका असर मैदानी इलाकों के तापमान पर भी पड़ेगा। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मैदानी भागों में भी हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ठंड का कहर बरकरार है। यहाँ न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा रहा है, जो सामान्य से करीब 3 डिग्री कम है। शनिवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री रहा, जिसके बाद मौसम विभाग ने रविवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

बिहार में मॉब लिंचिंग की घटनाओं पर मौलाना महमूद मदनी ने लिखी सीएम नीतीश को चिट्ठी और की दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने बिहार में मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ सामने आ रही कथित मॉब लिंचिंग, अपहरण और हत्या की घटनाओं पर गहरी चिंता जताई है। इस संबंध में उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक विस्तृत पत्र लिखकर दोषियों के खिलाफ तत्काल, प्रभावी और निर्णायक कार्रवाई की मांग की है।

अपने पत्र में मौलाना मदनी ने कहा कि महात्मा बुद्ध की भूमि बिहार हमेशा से सामाजिक सौहार्द, करुणा और अहिंसा की परंपरा के लिए जानी जाती रही है, लेकिन हाल की घटनाएं राज्य की इसी ऐतिहासिक पहचान को गहरी चोट पहुंचा रही हैं। उन्होंने लिखा कि आज देश में नफरत फैलाने वाली मानसिकता को खुली छूट मिल रही है, जिसमें असामाजिक तत्वों के साथ-साथ संसद और विधानसभा तक के जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी चिंताजनक है। जब नफरत हिंसा, खून-खराबे और हत्या का रूप ले ले, तब राज्य की चुप्पी बेहद घातक साबित होती है।

मौलाना मदनी ने अपने पत्र में बिहार की कई हालिया घटनाओं का उल्लेख किया। इनमें नवादा जिले में मुस्लिम कपड़ा व्यापारी मोहम्मद अतहर हुसैन के साथ की गई बर्बरता और बाद में उनकी मौत, गोपालगंज के मठिया गांव में अहमद आज़ाद को मांस रखने के शक में बिजली के खंभे से बांधकर पीटे जाने की घटना, मधुबनी जिले के चकदहा बस्ती में मोहम्मद मुर्शिद आलम को 'बांग्लादेशी' बताकर अपहरण और यातना दिए जाने का मामला शामिल है। इसके अलावा झंझारपुर में मामूली विवाद के बाद मोहम्मद क़य्यूम की हत्या और मधेपुरा जिले के मुरलीगंज थाना क्षेत्र के भैरवपट्टी गांव में विधवा मुस्लिम मजदूर हिना परवीन के अपहरण, कथित सामूहिक दुष्कर्म और नृशंस हत्या की घटना का भी जिक्र किया गया है।

मौलाना मदनी ने विशेष रूप से हिना परवीन के मामले पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि छह मासूम बच्चों की एकमात्र संरक्षक असहाय विधवा की इस तरह निर्मम हत्या समाज की संवेदनशीलता और प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यक्षमता—दोनों पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि सभी मामलों में शामिल दोषियों के खिलाफ शीघ्र, पारदर्शी और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही लापरवाह अधिकारियों पर कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई हो, पीड़ित परिवारों को पर्याप्त मुआवजा, न्याय और पुनर्वास दिया जाए। संगठन ने भीड़ द्वारा कानून हाथ में लेने, सांप्रदायिक प्रोफाइलिंग और विजिलेंटिज़्म पर रोक लगाने के लिए पुलिस व जिला प्रशासन को स्पष्ट निर्देश जारी करने की भी मांग की है। इसके अलावा मौलाना मदनी ने जमीयत की स्थानीय इकाइयों से पीड़ित परिवारों, विशेषकर अनाथ बच्चों की मदद के लिए आगे आने की अपील की है।

तेजस्वी यादव को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी

पटना। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अहम बैठक 25 जनवरी को पटना में आयोजित होने जा रही है। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद यह पार्टी की पहली बड़ी बैठक मानी जा रही है, जिसमें संगठन और नेतृत्व से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में तेजस्वी यादव को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

सूत्रों का कहना है कि बैठक में तेजस्वी यादव को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर मुहर लग सकती है। इसकी मुख्य वजह राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बढ़ती उम्र और उनका अस्वस्थ रहना बताया जा रहा है। हालांकि अभी भी पार्टी के अधिकांश अहम फैसलों में तेजस्वी की भूमिका केंद्रीय बनी हुई है।

पटना में नीट छात्रा की मौत पर सियासी घमासान, तेजस्वी बोले- यह सरकार नाबालिग बच्चियों पर ढा रही जुल्म

पटना। पटना के एक गर्ल्स हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही नाबालिग छात्रा के साथ कथित दुष्कर्म के बाद हुई मौत ने बिहार की राजनीति में भूचाल ला दिया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस घटना को लेकर नीतीश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भ्रष्ट तंत्र और मशीनी यंत्रों से निर्मित डबल इंजन की एनडीए सरकार अत्याचारियों, भ्रष्टाचारियों, अपराधियों और बलात्कारियों का विश्वसनीय उपकरण बन चुकी है।

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि वोट खरीदी से बनी असंवेदनशील नीतीश सरकार पूरे बिहार में नाबालिग बच्चियों, छात्राओं, बेटियों और महिलाओं पर जुल्म ढा रही है। उन्होंने कहा कि सत्ता-संपोषित अत्याचारों के कारण सरकार के कर्ताधर्ता रौंगटे खड़े कर देने वाली घटनाओं पर चुप्पी साधे हुए हैं और महात्मा बनने का स्वांग रच रहे हैं।

तेजस्वी ने हाल की कई आपराधिक घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि मधेपुरा में विधवा महिला के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या, खगड़िया में चार वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ जघन्य सामूहिक दुष्कर्म व हत्या और पटना में जहानाबाद की नीट छात्रा के साथ दुष्कर्म व क्रूरतापूर्ण हत्या जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि सरकार निर्मम, क्रूर और अमानवीय हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन मामलों में सत्ता संरक्षित लीपापोती की जा रही है।

पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

तेजस्वी यादव ने पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पटना और खगड़िया की घटनाओं के विरोध में जब लोग सड़कों पर उतरे, तो पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर उन्हें जेल भेज दिया। दूसरी ओर अपराधियों और बलात्कारियों को 卐मेहमान卐 की तरह सुरक्षा और सम्मान दिया जा रहा है। उन्होंने पूछा कि पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करना और उनका दर्द बांटना क्या अपराध है?

उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में विधि-व्यवस्था का जनाजा निकल चुका है और मुख्यमंत्री की चुप्पी आपराधिक है। तेजस्वी ने तंज कसते हुए कहा कि शायद ही किसी मीडियाकर्मी को याद हो कि मुख्यमंत्री ने आखिरी बार मीडिया से खुलकर संवाद कब किया था। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सत्ता प्रायोजित अपराध और अत्याचार नहीं रुके, तो जनता अपने तरीके से जवाब देना जानती है।

बिहार फिर शर्मसार हुआ- रोहिणी

इस बीच, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि बिहार एक बार फिर शर्मसार हुआ है और सवाल किया कि हॉस्टल में दरिंदगी की शिकार हुई बेटी को कब और कैसे न्याय मिलेगा तथा बिहार में बलात्कार की घटनाएं कब थमेंगी।

जदयू का पलटवार

इस मामले में जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने तेजस्वी यादव के आरोपों पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा, कि नीट छात्रा की संदिग्ध हालात में हुई मौत दुखद है और सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।

दिल्ली क्राइम ब्रांच और राजस्थान पुलिस को संयुक्त कार्रवाई में मिली बड़ी कामयाबी, लॉरेंस बिश्नोई गैंग का वांटेड शूटर गोलू गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली क्राइम ब्रांच और राजस्थान पुलिस को एक संयुक्त अभियान में बड़ी सफलता हासिल तब हासिल हुई जबकि कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े एक वांटेड शूटर को उन्होंने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू (23) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के आगरा जिले का रहने वाला बताया जा रहा है। आरोपी को दिल्ली के उत्तम नगर इलाके से दबोचा गया है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में दर्ज दो गंभीर आपराधिक मामलों में लंबे समय से फरार चल रहा था। उस पर एक बड़े कारोबारी से 4 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप है। पुलिस जांच में सामने आया है कि जब कारोबारी ने रंगदारी देने से इनकार किया, तो मई 2025 में आरोपी ने अपने गैंग के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर कारोबारी के घर पर फायरिंग कराई थी। इस वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया था। जांच एजेंसियों के अनुसार, प्रदीप शर्मा लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सक्रिय सदस्य था और शूटर के रूप में काम कर रहा था। इतना ही नहीं, वह गैंग के लिए हथियार और गोला-बारूद की सप्लाई भी करता था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से हथियार और कारतूस बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में उसे गैंग का अहम सप्लायर बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की गतिविधियों पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी। पुख्ता सूचना के आधार पर दिल्ली क्राइम ब्रांच और राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर स्क्वॉड ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए उसे उत्तम नगर इलाके से गिरफ्तार किया।

पद्मेश न्यूज़
शहरनामा

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

सीआरपीएफ जवान पर मारपीट का आरोप, मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर थानां क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14, सियारपाट रोड स्थित परशुराम चौक में मकान की बाउंड्रीबाल में विद्युत मीटर लगाने के विवाद को लेकर पड़ोसी द्वारा मकान मालिक के साथ मारपीट किए जाने एवं जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। बैहर पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवेंद्र भगत 36 वर्ष ग्राम रूपझर, निवासी वर्तमान में वार्ड नंबर 14 सियारपाट रोड परशुराम चौक बैहर में सचिन पांडे के मकान में किराए से रह रहे हैं। वे श्रीराम फाइनेंस कंपनी, बैहर में कार्यरत हैं। देवेंद्र भगत परशुराम चौक क्षेत्र में अपना स्वयं का मकान निर्माण करवा रहे हैं, जिसका कार्य वर्तमान में जारी है। इसी स्थान पर उनके पड़ोसी सीआरपीएफ के जवान मनोज भैरम, का परशुराम चौक, बैहर मकान है। देवेंद्र भगत द्वारा पूर्व में मनोज भैरम से अनुमति लेकर उसकी बाउंड्री वॉल में विद्युत मीटर लगाया गया था। दिनांक 18 जनवरी को सुबह लगभग 9 बजे, देवेंद्र भगत निर्माणाधीन मकान को देखकर वापस लौट रहे थे, तभी मनोज भैरम ने उनसे मीटर लगाने को लेकर विवाद शुरू कर दिया और बिना अनुमति मीटर लगाने का आरोप लगाया। देवेंद्र भगत ने बताया कि मीटर अप्रैल 2025 में उनकी सहमति से ही लगाया गया था तथा यदि आपत्ति है तो मीटर हटवाया जा सकता है। इसी बात पर मनोज भैरम ने विवाद बढ़ाते हुए देवेंद्र भगत को अश्लील गालियां दीं और उनके गाल पर थप्पड़ मार दिया। इसके बाद आरोपी ने उनके हाथ की उंगली मरोड़ दी और हाथ-मुक्कों से मारपीट की। शोर सुनकर देवेंद्र भगत के बड़े भाई मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। इस दौरान आरोपी मनोज भैरम ने मीटर नहीं हटाने पर जान से मारने की धमकी दी और यह कहते हुए मौके से चला गया कि वह किसी विभाग में कार्यरत है और उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। घटना के समय मोहल्ले के अन्य लोग भी मौके पर एकत्र हो गए थे। घटना के बाद देवेंद्र भगत अपने बड़े भाई के साथ थाना बैहर पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई। बैहर पुलिस ने पीडति की शिकायत पर मनोज भैरम के विरुद्ध मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

खतरा मुंह बाये खड़ा है

जहरीला मेडिकल अपशिष्ट जल बेधड़क शहर की नालियों में बहाया जा रहा!!

अस्पताल परिसर से निकलने वाले वेस्ट वाटर के निपटान की कोई व्यवस्था नहीं

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला अस्पताल में मेडिकल वेस्ट वॉटर के समुचित निष्पादन का अभाव सामने आ रहा है। अस्पताल एवं ट्रामा सेंटर की ओटी, पैथोलॉजी, गायनिक, सर्जरी सहित अन्य वार्डों से निकलने वाला दूषित मेडिकल अपशिष्ट जल बिना उचित प्रबंधन के नगरपालिका की नालियों में बहाया जा रहा है, जिससे संक्रमण फैलने की आशंका लगातार बढ़ती जा रही है। अस्पताल परिसर से निकलने वाले मेडिकल वेस्ट वॉटर के निपटान के लिए नियमों के अनुरूप व्यवस्था नहीं की गई है। वर्षों पुरानी और जर्जर हो चुकी लीकेज पाइपलाइन के माध्यम से यह दूषित पानी बाहर निकल रहा है। मेडिकल वेस्ट वॉटर में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया और रासायनिक तत्वों के कारण आसपास के क्षेत्र में संक्रमण, दुर्गंध और गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। चिंताजनक पहलू यह है कि लंबे समय से बनी इस अव्यवस्था के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा है। न तो पाइपलाइन की मरम्मत की जा रही है और न ही मेडिकल वेस्ट वॉटर के निपटान के लिए कोई प्रभावी कदम उठाए गए हैं।

इंदौर में दूषित पानी के कारण हुई मौतों के बाद कुछ समय तक बालाघाट में भी दूषित पेयजल और जल आपूर्ति व्यवस्था को लेकर सक्रियता दिखाई दी थी। नगर के कई वार्डों और निचले क्षेत्रों में नालियों के भीतर से गुजर रही पाइपलाइनों को लेकर सवाल उठे थे। इतना ही नहीं, कुछ वार्ड प्रतिनिधियों ने पानी की टंकियों और पुरानी पाइपलाइनों की सफाई एवं सुधार की मांग भी की थी। यह कार्रवाई कुछ दिनों तक सीमित रही । अब जिला चिकित्सालय से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आ रहा है, जहां अस्पताल से निकलने वाले मेडिकल वेस्ट वाटर का समुचित प्रबंधन नहीं किया जा रहा है। जिला अस्पताल के विभिन्न वार्डों ओटी, पैथोलॉजी, गायनिक, सर्जरी एवं अन्य विभागों से निकलने वाला अत्यधिक संक्रमित मेडिकल वेस्ट वाटर बिना किसी प्रबंधन के सीधे पाइपलाइनों के माध्यम से नगर पालिका की नालियों में जा रहा है, जो आगे वार्डों के भीतर बह रहा है। यह पानी अत्यंत संवेदनशील और खतरनाक श्रेणी में आता है, जिसमें बैक्टीरिया, रासायनिक तत्व और जैविक अपशिष्ट शामिल होते हैं। इसके बावजूद यह दूषित जल सीधे नगर पालिका की नालियों में बहाया जा रहा है, जो नियमों का खुला उल्लंघन माना जा रहा है। स्थिति इसलिए भी ज्यादा गंभीर हो जाती है क्योंकि आज भी शहर के कई वार्डों में नगर पालिका की जलापूर्ति पाइपलाइनें और कुछ स्थानों पर बोरवेल की लाइनें नालियों के भीतर या उसके समीप से गुजर रही हैं। ऐसे में नालियों में बह रहा मेडिकल वेस्ट वाटर भविष्य में पेयजल को भी दूषित कर सकता है, जिससे बड़ा स्वास्थ्य संकट खड़ा होने की आशंका है। इसके अलावा जिला चिकित्सालय परिसर में ही कई स्थानों पर मेडिकल वेस्ट वाटर बाहर निकालने वाली पाइपलाइनें क्षतिग्रस्त और टूटी-फूटी हालत में देखी जा सकती हैं। लीकेज के कारण यह दूषित पानी खुले में फैल रहा है, जिससे संक्रमण, दुर्गंध और बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इंदौर जैसी बड़ी घटना के बाद भी जिम्मेदार विभागों और प्रशासन की उदासीनता सामने आ रही है। न तो मेडिकल वेस्ट वाटर के निस्तारण की व्यवस्था की गई है और न ही जर्जर पाइपलाइनों की मरम्मत की जा रही है। यदि समय रहते जिला अस्पताल में मेडिकल वेस्ट वाटर का निष्पादन नहीं किया गया, तो यह स्थिति इंदौर जैसी किसी गंभीर घटना को दोहराने का कारण बन सकती है।

वार्ड नंबर 11 की नाली में मिल रहा वेस्ट वाटर

जिला चिकित्सालय में मेडिकल वेस्ट वाटर प्रबंधन की लापरवाही अब खुलकर सामने आ रही है। अस्पताल परिसर के पीछे स्थित पोस्टमार्टम हाउस से प्रतिदिन निकलने वाला दूषित मेडिकल अपशिष्ट जल सीधे वार्ड क्रमांक 11 की नालियों में मिल रहा है, जिससे क्षेत्र में संक्रमण फैलने की आशंका लगातार बढ़ती जा रही है। पोस्टमार्टम हाउस में रोजाना कई शवों का पोस्टमार्टम प्रक्रिया के बाद निकलने वाला रक्त, जैविक अपशिष्ट और अत्यंत संक्रमित पानी को नियमों के अनुसार अलग सिस्टम के माध्यम से उपचारित कर निस्तारित किया जाना चाहिए, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह पूरा दूषित पानी बिना किसी प्रबन्धन के नालियों के जरिए वार्डों में बहाया जा रहा है।

पाइपलाइन हो गई है कई जगह क्षतिग्रस्त

जिला चिकित्सालय में मेडिकल वेस्ट वाटर के निष्पादन के लिए जो विशेष पाइपलाइन सिस्टम बनाया गया है, वह अब बदहाल स्थिति में पहुंच चुका है। कई स्थानों पर यह पाइपलाइन क्षतिग्रस्त और टूटी-फूटी हालत में है। परिणामस्वरूप अपशिष्ट जल निर्धारित टैंकों तक पहुंचने के बजाय खुले में और नालियों के माध्यम से बह रहा है। पाइपलाइन से लीकेज हो रहा है तो कहीं पर मेडिकल वेस्ट को पाइपलाइन से जोड़ने के बजाय सीधे नाली में छोड़ दिया गया है। यह स्थिति न केवल स्वास्थ्य विभाग के नियमों का उल्लंघन है, बल्कि आसपास रहने वाले नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ भी है। मेडिकल वेस्ट वाटर में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया और रसायन गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। वार्ड क्रमांक 11 जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र में इस प्रकार का दूषित पानी बहना किसी बड़े संक्रमण का खतरा पैदा कर सकता है।

JOBSAHI
SATPUDA GROUP
जॉब आपकी जेब में !
भारत का सबसे बड़ा
OPEN MEGA CAMPUS DRIVE
100+ COMPANIES 8000+ JOBS
देश के सभी राज्यों के Government एवं Private संस्थानों के छात्र-छात्राओं के लिए नि:शुल्क भर्ती !
(योग्यता: ITI, Polytechnic, BE/BTech, BSc, 10th, 12th, BA, BCom)
मुख्य विशेषताएँ :
- 34,000 रुपए प्रति माह तक की सैलरी*
- Satpuda Group की Guarantee
- पूरी तरह FREE भर्ती
- 24 घंटे में Offer Letter *
SCAN TO APPLY
Satpuda Engineering College, Manjhapur, Lalburra Road, BALAGHAT (M.P.) 481001
+91 6262604133
+91 6262604110
जानकारी एवं सहायता के लिए Google पर Jobsahi सर्च करें या दिए गए संपर्क नंबर पर कॉल करें।

छोटी कुम्हारी में अंतर्राज्यीय कुश्ती व मेला का आयोजन 26 को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नववर्ष एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी ग्राम छोटी कुम्हारी में अंतर्राज्यीय कुश्ती व मेले का आयोजन किया गया है। जिसमें दोपहर 11बजे से कुश्ती का आयोजन किया जाएगा। तो वही शाम से आयोजित मेले में रात्रि 10 बजे से छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम मोर रंग जोगनी का आयोजन होंगा। कुश्ती व खड़ा दंगल वेट के अनुसार की जाएगी।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा लिल्हारे उपस्थित रहेंगे।जबकि दोनो ही कार्यक्रम जनपद पंचायत बालाघाट सरपंच संघ अध्यक्ष सावन पिछोड़े की अध्यक्षता में आयोजित किया गया है। आयोजित इस प्रतियोगिता में 65 किलो.के ऊपर प्रथम स्थान आने वाले पहलवान को ट्राफी एवं 5000 रु नगद,उप विजेता को 500 एवं ट्रॉफी दी जाएगी।वही 55 से 64 किलो के ऊपर वाले राउंड में जीतने वाले पहलवान को ट्राफी एवं 3000रु ,तो वही विजेता को ट्रॉफी एवं 500रु का नगद इनाम दिया जाएगा।इसके अलावा 45- 54 किलो के ऊपर वाले राउंड में जीतने वाले पहलवान को ट्राफी एवं 2000रु तो वही उपविजेता को ट्राफी एवं 500रु का इनाम दिया जाएगा।इसी तरह 30 से 44 किलो के ऊपर वाले राउंड में जीतने वाले पहलवान को ट्राफी एवं 1500 रु,उप विजेता को ट्रॉफी और 300रु का इनाम दिया जाएगा।तो वही 29 वर्ष के ऊपर वाले राउंड में जीतने वाले पहलवान को ट्राफी एवं 1000 रु. तो वहीं उपविजेता को ट्रॉफी के साथ 200रु का नगद इनाम दिया जाएगा।26 जनवरी को ग्राम कुम्हारी में आयोजित इस अंतर्राज्यीय कुश्ती एवं मेला में पहुंचकर छत्तीसगढ़ी सहित अन्य आयोजनो का लाभ उठाने की अपील सर्व समाज और नवयुवक छोटी कुन्हारी समिति द्वारा की गई है।

हेटी में रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त, दो चालक गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए खैरलांजी पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए रेत से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त कर दो चालकों को गिरफ्तार किया है।

खैरलांजी पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि चंदन नदी से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर उसका परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ग्राम हेटी स्थित राइस मिल के पास घेराबंदी कर रेत का अवैध परिवहन कर रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा। पूछताछ में चालक ने अपना नाम सुदर्शन रिनायत 36 वर्ष निवासी ग्राम अतरी बताया।

पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 19/2026 के तहत धारा 303(2), 317(5) भारतीय न्याय संहिता, धारा 4/21 खान एवं खनिज अधिनियम 1952 तथा धारा 53(1) मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 1966 के अंतर्गत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। साथ ही ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इसी प्रकार, दो दिन पूर्व खैरलांजी पुलिस ने चंदन नदी के चुटिया-गुनई रेत घाट से अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रही एक अन्य ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी जप्त किया था। यह कार्रवाई ग्राम फोगलटोला एवं चुटिया के बीच की गई, जिसमें चालक विशाल सिहोरे 20 वर्ष निवासी ग्राम खैरलांजी को गिरफ्तार किया गया।खैरलांजी पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :**9425138710**,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट